{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 23 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 61
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

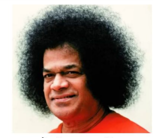

आज के दिन आध्यात्मिक गुरू सत्य सांई बाबा का जन्म हुआ था।

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जी-20 समिट में पीएम मोदी ने समावेशी विकास पर दिया जोर, कहा...

अब समय है विकास के नए मानक तय करने का

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन में को संबोधित किया। समावेशी और टिकाऊ विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अफ्रीका पहली बार जी-20 समिट की मेजबानी कर रहा है, इसलिए अब सही समय है कि हम अपने विकास के पैमानों को फिर से देखें और ऐसा विकास मॉडल अपनाएं जो सबको साथ ले और लंबे समय तक टिक सके। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के प्राचीन मूल्यों, खासकर समग्र मानववाद का सिद्धांत, दुनिया को आगे बढने् का बेहतर रास्ता दिखाता है।

अफ्रीका की धरती पर पहली बार आयोजित हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन ने एक ऐतिहासिक शुरुआत देखी, और उसके उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक विकास की दिशा बदलने वाले तीन बड़े प्रस्ताव रखे।पीएम मोदी ने कहा कि कई दशकों से जी-20 दुनिया की अर्थव्यवस्था को आकार देता रहा है, लेकिन वर्तमान विकास मॉडल ने बड़े समुदायों को संसाधनों से वंचित किया है। उन्होंने साफ कहा कि इन मॉडलों ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन बढ़ाया है और सबसे अधिक असर अफ्रीका और ग्लोबल साउथ पर पड़ा है। उन्होंने तीन बड़े प्रस्ताव रखे।

ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी

प्रधानमंत्री ने ऐसी ज्ञान-परंपराओं की बात उठाई जो सदियों से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृति-संतुलन, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता को बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि भारत के भारतीय ज्ञान प्रणालियां मॉडल के आधार पर एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बननी चाहिए, ताकि टिकाऊ जीवन के इन अनुभवों को संरक्षित कर अगली पीढियों तक पहुंचाया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफ्रीका का विकास पूरी दुनिया के हित में है। इसी सोच के साथ उन्होंने जी20-अफ्रीका कौशल गुणक का ऐलान किया। यह पहल ट्रेन-द-ट्रेनर्स मॉडल पर आधारित होगी, जिसे सभी जी20 देश मिलकर फंड और सपोर्ट करेंगे। लक्ष्य है अगले 10 साल में एक मिलियन प्रमाणित ट्रेनर तैयार करना, जो फिर लाखों युवाओं को कौशल दे सकेंगे।

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का खत्म करना जरूरी

प्रधानमंत्री ने ड्रग-टेरर नेटवर्क पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि फेंटानाइल जैसे सिंथेटिक ड्रग पूरी दुनिया में स्वास्थ्य, समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। इसलिए जी20 को एक संयुक्त अभियान - ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20 पहल शुरू करना चाहिए। यह तस्करी, अवैध वित्तीय नेटवर्क और आतंकी फंडिंग को रोकने में मदद करेगा। पीएम मोदी ने अफ्रीका और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को जी20 की मुख्यधारा में लाने की जरूरत दोहराई और कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की सोच को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

खास खबर

केंद्र शासित चंडीगढ़ को चलाने के लिए लेफ्टिनेंट गवर्नर की नियुक्त का विधेयक लाएगा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के आने वाले विंटर सेशन में एक बिल पेश करने के लिए लिस्ट किया है। यह बिल केंद्र शासित चंडीगढ़ को चलाने के लिए एक लेफ्टिनेंट गवर्नर नियुक्त करेगा। पंजाब से राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने बिल का विरोध किया। विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब के सभी सांसदों से पार्टी लाइन से हटकर तुरंत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वो इस बिल का विरोध करें जिसमें राजधानी पर पंजाब के दावे को कमजोर करने का प्रस्ताव है। साहनी ने कहा कि अभी चंडीगढ़ का एडमिनिस्ट्रेशन पंजाब के गवर्नर करते हैं और नए कानून के साथ इसे एक इंडिपेंडेंट एडमिनिस्ट्रेटर द्वारा एडमिनिस्ट्रेट किए जाने की संभावना है। चंडीगढ़ पर पंजाब के दावों का ऐतिहासिक महत्व है।

पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोहान्सबर्ग में जी-20 लीडर्स समिट से इतर भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में नई तकनीक, उभरते क्षेत्रों में सहयोग और भारत व प्रवासी भारतीयों के बीच संबंध मजबूत करने जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। उद्यमियों ने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एग्रीकल्चर, एजुकेशन, हेल्थ केयर, मेडिकल डिवाइस और दूसरे सेक्टर्स में अपने काम के बारे में बात की प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, जोहान्सबर्ग में भारतीय मूल के टेक उद्यमियों के साथ उपयोगी चर्चा की। उद्यमियों ने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एग्रीकल्चर, एजुकेशन, हेल्थ केयर, मेडिकल डिवाइस और दूसरे सेक्टर्स में अपने काम के बारे में बात की। उनसे भारत के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और हमारे लोगों के साथ मिलकर काम करने की अपील की।

मिलावटी घी से 20 करोड़ लड्डू बने

चेन्नई। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के लड्डू प्रसाद को लेकर नई बात सामने आई है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने बताया कि साल 2019 से 2024 के बीच 48.76 करोड़ लड्डू बनाए गए। इनमें से करीब 20 करोड़ लड्डू मिलावटी घी से बनाए गए थे। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के मुताबिक यह अनुमान रोजाना दर्शनार्थियों की संख्या, खरीद के रिकॉर्ड, बनाने और सप्लाई के आंकड़ों को मिलाकर निकाला गया है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026

सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी, डीएमके के साथ ही लड़ेगी चुनाव

चेन्नई। तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) के साथ सीट शेयरिंग पर औपचारिक बातचीत शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो गठबंधन की रूपरेखा और सीटों के बंटवारे पर डीएमके से बातचीत का नेतृत्व करेगी।

कांग्रेस की ओर से तमिलनाडुङ्कपुडुचेरी के इंचार्ज गिरीश चोडनकर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई, कांग्रेस विधायक दल के नेता एस. राजेश कुमार और दो अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी कमेटी में शामिल किया गया है। टीएनसीसी ने शनिवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया।

विजय की पार्टी से गठबंधन की अटकलों पर फिलहाल लगा विराम

पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि कांग्रेस 2026 के चुनाव में एक्टर विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकती है। हालांकि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने

साफ कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव मौजूदा डीएमके-कांग्रेस गठबंधन के तहत ही लड़ेगी। कमेटी का गठन इंडिया ब्लॉक की एकता को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर भी देखा जा रहा है।

गठबंधन की पिछली सफलताएँ

तमिलनाडु की कुल 234 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस और डीएमके ने साल 2021 में मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 25 सीटों पर मुकाबला किया और 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि डीएमके ने 159 सीटें जीतीं और 10 साल बाद सत्ता में वापसी की। इसी जीत के बाद एमके स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने।

आज रिटायर होंगे सीजेआई गवई, कल शपथ लेंगे जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ब्राजील समेत दुनिया के सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल होंगे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी सीजेआई के शपथ ग्रहण में इतनी बड़ी संख्या में दूसरे देशों के न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी होगी। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के चीफ जस्टिस उनके साथ आए परिवार के सदस्य शामिल होंगे। मौजूदा सीजेआई गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है। अगले सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। सीजेआई पद के शपथ ग्रहण के लिए राष्ट्रपति भवन में इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रण पत्र बनकर तैयार हो गए हैं। जस्टिस सूर्यकांत का पूरा परिवार हिसार के पेटवाड़ गांव में रहता है। उनके बड़े भाई मास्टर ऋषिकांत गांव में परिवार के साथ रहते हैं, वहीं एक भाई हिसार शहर में और तीसरा भाई दिल्ली में रहता है। सूर्यकांत के अलावा, उनके तीनों भाइयों - ऋषिकांत, शिवकांत और देवकांत को भी कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता मिला है। बड़े भाई मास्टर ऋषिकांत ने बताया कि पूरा परिवार एक दिन पहले दिल्ली रवाना होगा और हरियाणा भवन में ठहरेगा।

संसद में सरकार लाएगी 10 नए बिल

परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का खुलेगा रास्ता

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025, जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

सडक़ों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

1. नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।

2. कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना।

3. सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम- इन तीन पुराने कानूनों को समेटकर एक ही सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल और एक समान होंगे।

मध्यस्थता कानून में भी संशोधन का प्रस्ताव

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

लवासा प्रकरण में शरद पवार परिवार की सीबीआई जांच करें, बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका, 19 दिसंबर को होगी सुनवाई

मुंबई, । लवासा प्रकरण में शरद पवार परिवार की सीबीआई जांच करें ऐसी मांग वाली याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट में दाखिल की गई है जिससे पवार परिवार की मुश्किलें बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल हाई कोर्ट में जनहित याचिका मूल याचिकाकर्ता एडवोकेट नानासाहेब जाधव ने फाइल की है। इस याचिका में शरद पवार, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और सांसद सुप्रिया सुले के साथ-साथ पवार परिवार के करीबी अजीत गुलाबचंद का नाम भी शामिल है। शुक्रवार को इस याचिका पर अर्जेंट हियरिंग हुई। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायधीश गौतम अंखड की बेंच ने इस याचिका पर 19 दिसंबर को फाइनल हियरिंग करने का फैसला किया है।

याचिका का क्या है पूर्व इतिहास

ऑब्जर्वेशन कोर्ट ने तब नोट किया था कि पुणे जिले में लवासा हिल स्टेशन प्रोजेक्ट के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप सच हैं, लेकिन उन्होंने इसे चैलेंज करने में काफी देर कर दी है। उस वक्त के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली बेंच ने 26 फरवरी, 2022 को लवासा प्रोजेक्ट के खिलाफ याचिका का

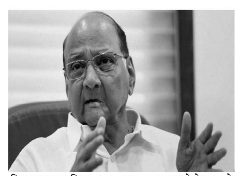

निपटारा कर दिया था। अगर लवासा प्रोजेक्ट को लेकर लगाए गए आरोप सही भी हैं, तो भी कानून में किए गए बदलावों को गैर-कानूनी नहीं कहा जा सकता। साथ ही, वहां अभी बहुत सारा कंस्ट्रक्शन चल रहा है। इसलिए, उसे हथौड़े से गिराने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। याचिकाकर्ता के आरोपों के मुताबिक, यह साफ है कि इस मामले में शरद पवार और सुप्रिया सुले लवासा प्रोजेक्ट में इंटरेस्टेड थे। ऐसा लगता है कि उस समय के जल जलसंसाधन मंत्री अजीत पवार ने कृष्णाखोरे में जमीन ट्रांसफर करते समय गड़बड़ियां कीं। इस प्रोजेक्ट के लिए सही टेंडर प्रोसेस करना जरूरी था। हालांकि, बेंच ने फैसले में साफ किया था कि इससे यह बात भी सामने आती है कि कोई टेंडर प्रोसेस नहीं किया गया था। लेकिन इस फैसले के कुछ नतीजों के आधार पर, इस नई याचिका में मांग की गई है कि सीबीआई लवासा केस में शरद पवार, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और सांसद सुप्रिया सुले एवं इससे जुड़े सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई के मार्फ़त क्रिमिनल एक्शन का आदेश दे। आपको बता दें कि लवासा प्रकरण में कैग और लोकायुक्त की रिपोर्ट को भी नज़रअंदाज़ किया गया। लोकायुक्त की फाइल की गई रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि इस प्रोजेक्ट की वजह से सरकारी खजाने को 5,000 से 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। 2018 में पुणे के पुलिस आयुक्त को की गई शिकायत को आयुक्त ने पौड पुलिस को फॉरवर्ड कर दिया था। पौड पुलिस ने यह शिकायत फिर से पुलिस आयुक्त को फॉरवर्ड कर दी। 2019 में पुलिस आयुक्त ने यह शिकायत पुणे ग्रामीण के पुलिस उपायुक्त को ट्रांसफर कर दी। आरटीआई से यह पता चलने के बाद कि पौड पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है, मई 2022 में पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत फाइल की गई।

मालेगांव में अजित पवार का विवादित बयान : 'आपके पास वोट, मेरे पास फंड'; विपक्ष ने बताया धमकी, चुनावी माहौल गर्माया

मुम्बई। महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनाव से पहले राजनीति गरमा गई है। मालेगांव में प्रचार के दौरान डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने चुनावी विमर्श को नया मोड़ दे दिया। पवार ने मंच से कहा, 'आपके पास वोट हैं, मेरे पास पैसे हैं। अगर हमारे उम्मीदवार जीतेंगे तो मैं पैसे की कमी नहीं होने दूंगा, नहीं चुनेंगे तो मैं भी आपकी मदद नहीं करूंगा।' एनसीपी उम्मीदवारों के समर्थन में दिए गए इस बयान को विपक्ष ने 'खुली धमकी' और 'सरकारी धन को निजी संपत्ति की तरह पेश करने' की कोशिश बताया। महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व विपक्षी नेता अंबादास दानवे ने कहा कि वोट देना नागरिक अधिकार है और विकास निधि जनता के टैक्स के पैसे से आती है, किसी नेता की निजी संपत्ति नहीं। उन्होंने चुनाव आयोग से इस बयान पर संज्ञान लेने की मांग की। दानवे ने मराठवाड़ा में किसानों की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई और बताया कि पिछले दस महीनों में 899 किसानों ने आत्महत्या की है, जिनमें से अधिकांश को सरकार की राहत नहीं मिली। मालेगांव में एनसीपी और बीजेपी समर्थित गुट के स्थानीय गठबंधन के चलते मुकाबला पहले से ही दिलचस्प है, और पवार की यह टिप्पणी 2 दिसंबर को होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक तापमान और बढ़ा रही है।

- पवार की सफ़ाई

विवाद बढ़ने के बाद अजित पवार ने कहा कि विपक्ष प्रतिक्रिया दे सकता है, लेकिन वे केवल विकास कार्यों की बात करते हैं और निधि को सही जगह उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर देते हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही अंतिम फैसला करती है और बयान को गलत अर्थ में नहीं लेना चाहिए। विपक्ष इसे मतदाताओं पर दबाव बताता है, जबकि पवार समर्थक इसे चुनावी रणनीति कहते हैं। अब अंतिम फैसला मालेगांव की जनता के हाथ में है।

कुछ ना कहना

विशेष

आईपीएस सुकीर्ति माधव मिश्रा की कविता प्रधानमंत्री मोदी को आईपीएस आदित्य मिश्रा ने सुनाया था

उस कविता को सुन तब प्रधानमंत्री मोदी के रोंगटे खड़े हो गए थे!

पदमेश विशेष ।

यह हैं आईपीएस एसपी बालाघाट आदित्य मिश्रा। जो शहीद आशीष शर्मा की शहादत पर कल फूट-फूटकर ज़ार जार रो पड़े थे ।

शहीद आशीष शर्मा के लिए फफक-फफककर रोए एसपी आदित्य मिश्रा.पीएम मोदी के सामने किया था 'मैं खाकी हूं' कविता का पाठ।

आदित्य मिश्रा का जन्म 8 फरवरी 1993 को मध्य प्रदेश में ही हुआ था. बचपन से ही वह पढ़ाई में तेज थे.उन्होंने बी.टेक की डिग्री हासिल की लेकिन उनका सपना सिविल सर्विसेज में जाने का था.लिहाजा उन्?होंने इसकी तैयारी की और 2017 में यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा पास करके आईपीएस बन गए. एक साल की ट्रेनिंग के बाद 17 दिसंबर 2018 को उनकी मध्य प्रदेश कैडर में जॉइनिंग हुई. 2018 बैच के इस युवा आईपीएस ने अपनी पहली पोस्टिंग ही बालाघाट में ही हुई थी.आदित्य की पहली पोस्टिंग बालाघाट में एएसपी (बैहर) और एएसपी (नक्सल ऑपरेशन) के तौर पर हुई. यहां उन्होंने 35 साल पुराने नक्सलवाद के खिलाफ कई ऑपरेशंस लीड किए. बोलेगाँव के डबल मनी घोटाले यानी धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग में सफल कार्रवाई की जिसके बाद वो सुर्खियों में आ गए।

बालाघाट एसपी आईपीएस आदित्य मिश्रा की गिनती एमपी में तेज तर्रार अधिकारियों के रूप में होती है। वह 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। साथ ही एक संवेदनशील अधिकारी के रूप में उनकी पहचान हैं। वह नक्सल ऑपरेशन से पूर्व में जुड़े रहे हैं। ऐसे में उन्हें पता है कि जंगलों में ऑपरेशन के दौरान कितनी कठिनाई होती है।

आशीष शर्मा की अंतिम विदाई के दौरान रोने लगे

एसपी आदित्य मिश्रा जब आशीष शर्मा को अंतिम विदाई देने पहुंचे तो हॉक फोर्स के जवान और अधिकारी उनसे लिपटकर रोने लगे। आईपीएस अफसर आदित्य मिश्रा भी उन्हें गले लगाकर फूट-फूटकर रोने लगे। इस दौरान उनका वीडियो ने किसी ने रिकॉर्ड कर लिया। अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

पीएम मोदी के सामने किया था कविता पाठ

वहीं, आईपीएस आदित्य मिश्रा समसामयिक मुद्दों पर भी अपनी बात रखते रहते हैं। युवा आईपीएस अधिकारियों से जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिल रहे थे, तब आदित्य मिश्रा ने उन्हें कविता सुनाई थी। पीएम मोदी को उन्होंने मैं खाकी हूं सुनाई थी। उस वक्त भी उनकी खूब चर्चा हुई थी।

'मैं खाकी हूं।
दिन हूं रात हूं, सांझ वाली बाती हूं,
मैं खाकी हूं
आंधी में, तूफान में, होली में,
रमजान में, देश के सम्मान में,
अडिग कर्तव्यों की, अविचल परिपाटी हूं, मैं खाकी हूं।
तैयार हूं मैं हमेशा ही, तेज धूप और बारिश, हंस के सह जाने को, सारे त्योहार सड़कों पे, भीड़ के साथ मनाने को, पत्थर और गोली भी खाने को,
मैं बनी एक दूजी माटी हूं,
मैं खाकी हूं।
विघ्न विकट सब सह कर भी,
सुशोभित सज्जित भाती हूं,
मुस्काती हूं, इठलाती हूं, वर्दी का गौरव पाती हूं, मैं खाकी हूं।
तम में प्रकाश हूं, कठिन वक्त में आस हूं, हर वक्त मैं तुम्हारे पास हूं, बुलाओ, मैं दौड़ी चली आती है,
मैं खाकी हूं।
भूख और थकान की वो बात ही क्या, कभी आहत हूं, कभी चोटिल हूं, और कभी तिरंगे में लिपटी,
रोती सिसकती छाती हूं,
मैं खाकी हूं।
शब्द कह पाया कुछ ही,
आत्मकथा में बाकी हूं,
मैं खाकी हूं।

छात्रवृत्ति न मिलने से कॉलेज की फीस जमा नहीं कर पा रहे छात्र

विद्यार्थी काट रहे शासकीय कार्यालयों के चक्कर, सीएम हेल्पलाइन लगाने के बाद भी नहीं हो रहा समस्या का निदान

सिटी रिपोर्टर। पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

प्रदेश सरकार द्वारा खासकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न ना हो और वे भी उच्च शिक्षा हासिल कर कामयाब हो सके। लेकिन सरकार द्वारा समय पर छात्रवृत्ति न देने से, कई विद्यार्थियों को पढ़ाई करने, और जारी रखने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एक ऐसा ही मामला डोंगरिया के एक निजी कॉलेज से सामने आया है। जहां अध्यनरत एसटी वर्ग से आने वाले कुछ छात्रों ने लगभग 2 वर्ष बीत जाने पर भी अब तक उन्हें छात्रवृत्ति न दिए जाने का सरकार पर आरोप लगाया है। छात्रों ने स्पष्ट किया कि उन्हें बीएड की पढ़ाई करने के लिए 35,000 रु की सालाना फीस कॉलेज में जमा करनी पड़ती है, जबकि छात्रवृत्ति के रूप में उन्हें 40,000 रु मिलते हैं।बीएड के प्रथम वर्ष में भी उन्होंने नियम के अनुसार छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था जो मंजूर भी हो चुका था, लेकिन प्रथम सेमेस्टर बीत जाने के बावजूद भी उन्हें पिछले साल की छात्रवृत्ति आज दिनांक तक प्रदान नहीं की गई है। तो वही बीएड का द्वितीय वर्ष भी बीतने को आया है अब तक छात्रवृत्ति नहीं दी गई है। जहां छात्रवृत्ति न मिलने के चलते वे कॉलेज में अपनी फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं, तो वही उन्हें फीस जमा करने के लिए मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिन्होंने कलेक्टर कार्यालय के मार्फत मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए एसटी वर्ग की छात्रवृत्ति का यथाशीघ्र भुगतान किए जाने की मांग की है।

पिछले 1 साल से शासकीय कार्यालयों के काट रहे चक्कर

उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौपने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे एसटी वर्ग के छात्रों ने बताया कि हम छात्रवृत्ति के भरोसे निजी कॉलेज में, प ?ाई कर रहे है।लेकिन छात्रवृत्ति के भरोसे पढ़ने वाले विद्यार्थी मुसीबत में पड़ गए हैं जहां कॉलेज प्रबंधन,प ?ाई शुल्क ना मिलने पर बच्चों पर फीस जमा करने का दबाव बना रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बच्चे छात्रवृत्ति दिए जाने की मांग को लेकर शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उन्होंने वर्ष की पढ़ाई पूरी होने के बाद से ही वह लगातार छात्रवृत्ति की मांग को लेकर आवेदन निवेदन ज्ञापन सौंप रहे हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है और अपनी इसी मांग को लेकर पिछले 1 वर्ष से शासकीय कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं जिसका समाधान आज तक नहीं किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन में भी समस्या का नहीं हो रहा निदान

विद्यार्थियों ने बताया कि बीएड प्रथम वर्ष और बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रवृत्ति के लिए उन्हें काफी परेशान होना पड़ रहा है। इस छात्रवृत्ति को प्राप्त करने के लिए कई बार आवेदन निवेदन करने पर भी जब कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई, तो उन्हें मजबूरन सीएम हेल्पलाइन का सहारा लेना पड़ा, लेकिन सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के बावजूद भी शासन द्वारा उनकी इस समस्या का निदान नहीं किया जा रहा है। जिसको लेकर उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने आगे बताया कि यदि हमें छात्रवृत्ति मिल जाती तो उसी छात्रवृत्ति से हमारी फीस जमा हो जाती थी, हमें निशुल्क शिक्षा प्राप्त हो रही थी।हमे समझ नहीं आ रहा है कि सरकार ने छात्रवृत्ति क्यों रोक रखी है।कॉलेज वाले बोल रहे हैं कि सरकार छात्रवृत्ति नहीं दे रही है तो फिर अपने जेब से फीस भरो, बोलते हैं कि कैसे भी फीस जमा करो, इसीलिए हम कलेक्टर कार्यालय आए है हमारी मांग है कि हमें तत्काल छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाए क्योंकि यदि हमें छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी तो हमारा 2 वर्ष बर्बाद हो जाएगा।

अधिकारी बोलते हैं कि छात्रवृत्ति के लिए फंड नहीं है- राकेश

छात्र राकेश मरकाम ने बताया कि वे डोंगरिया स्थित एक निजी कॉलेज में बीएड की पढ़ाई कर रहे हैं यह उनका द्वितीय वर्ष है,अभी तक प्रथम वर्ष की छात्रवृत्ति भी उन्हें नहीं मिल पाई है, जबकि उन्होंने छात्रवृत्ति के आधार पर ही कॉलेज में एडमिशन लिया था।अब तक ना तो प्रथम वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है और ना ही द्वितीय वर्ष की छात्रवृत्ति आई है। जिसके चलते वे काफी परेशान है, कॉलेज में फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। जबकि एसी और ओबीसी वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति पहले ही आ चुकी है सिर्फ एसटी वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई है। यहां शिकायत करने आए तो अधिकारी बोलते हैं कि छात्रवृत्ति के लिए फंड नहीं है।उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष कॉलेज में 35 हजार रु की फीस जमा करनी पड़ती है, जबकि सरकार द्वारा उन्हें करीब 40,हजार रु की छात्रवृत्ति दी जाती है। इससे उनकी पढ़ाई आराम से हो जाती है। लेकिन पिछले 2 वर्षों से एसटी वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी गई है। यहां तक की सीएम हेल्पलाइन में भी हमने शिकायत की है लेकिन वहां से भी समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

खनिज विभाग की छापामार कार्यवाही से हड़कम्प

रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करने पर 03 ट्रेक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सतत कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग के अमले ने 21 एवं 22 नवंबर को जिले के विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्यवाही कर रेत के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त पाए जाने पर 03 ट्रेक्टर जब्त किए हैं।

उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 21 एवं 22 नवम्बर को किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम मुरकुड़ा में रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर 01 ट्रेक्टर जब्त कर थाना किरनापुर की अभिरक्षा में खड़ा किया गया। इसी प्रकार रेत का अवैध खनन करने 02 प्रकरण तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम बाटरमारा में बनाए गए हैं और वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली को जब्त कर कार्यलय कलेक्टर खनिज शाखा प्रांगण में खड़ा कराया गया है।

21,22 नवम्बर को खनि निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते, प्र खनि निरीक्षक दुर्गेश डहेरिया म0प्र0 स्टेट कार्पोरेशन से पी एल लक्ष्यकार खनिज सिपाही रजनीश तिवारी होमगार्ड राजेंद्र चौहान, परसराम काकोटे, मोहन जैतवार की टीम द्वारा ग्राम मुरकुडा और बटरमारा में छापामार कार्यवाही की गई। इस दौरान रेत के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त पाए जाने पर ट्रेक्टर क्रमांक एमपी-54-श्व-5307 वाहन चालक ललित पिता रोशनलाल कामडे निवासी किरनापुर, ट्रेक्टर क्रमांक एमपी-50- ए-7427 वाहन चालक लिखी पिता भूरे लाल दिगोरे एवं ट्रेक्टर क्रमांक एमपी -50-ए-7505 वाहन चालक कृष्णा पिता सुखचंद नगपुरे निवासी गोदरी जब्त किया गया है। इन वाहनो के मालिको / चालकों के विरूद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम,2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसी प्रकार ग्राम मेहदुली तहसील वारासिवनी अंतर्गत चन्दन की खनिज रेत की लगातार शिकायत प्राप्त होने पर चंदन नदी पहुंच मार्ग को जेसीबी से गड्ढा करा कर मार्ग को अवरोध किया गया ताकि खनिज रेत के अवैध खनन परिवहन में अंकुश लगाया जा सके।

बिरसामुंडा की 150वीं जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 2500 विद्यार्थी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा विशाल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 2500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से पहुंचे विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धा के माहौल में अपने ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का विकास, देश के इतिहास और महान व्यक्तित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को अध्ययन के प्रति प्रेरित करना है। कार्यक्रम के संयोजक ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा राष्ट्र के महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी समाज के प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। उनकी जयंती पर इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित कर छात्रों को उनके आदर्शों और संघर्षों के बारे में प्रेरित किया जा रहा है। प्रतियोगिता सम्पन्न होने के बाद विद्यार्थियों में परिणाम को लेकर उत्सुकता देखी गई। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी समय में पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 22 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बालाघाट स्थित मुलना स्टेडियम में वृहद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी एवं भगवान बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर की गई। इस प्रतियोगिता में कुल 2480 विद्यार्थियों ने एक साथ परीक्षा देकर अभूतपूर्व उत्साह का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की तैयारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा लगभग एक माह से निरंतर की जा रही थी, जिसका उत्कृष्ट परिणाम आयोजन में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। प्रतियोगिता में कुल 100 प्रश्न शामिल थे, जिनमें 80 प्रश्न भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं विचारधारा पर आधारित थे, जबकि शेष 20 प्रश्न सामान्य ज्ञान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विद्यार्थी परिषद से संबंधित रहे। यह परीक्षा विशेष रूप से कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान हॉकफोर्स में निरीक्षक पद पर पदस्थ रहे शहीद आशीष शर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के अवसर पर वृहद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता मुलना स्टेडियम में सफलतापूर्वक आयोजित की गयी । हमें अत्यंत खुशी है कि लगभग 2400 विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया हैं । यह केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ज्ञान, जागरूकता और राष्ट्रभावना को सशक्त करने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लगातार ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती है। अंत में, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सभी कार्यकर्ताओं ने मीडिया के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकगण तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने हेतु प्रेरित किया और उत्साहित किया। कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री राहुल, महाकोशल प्रांत के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य उमंग पालेवार , आशु पटले , बालाघाट नगर मंत्री कुबेर सिंह ठाकुर, बालाघाट नगर उपाध्यक्ष तीरेन्द्र गौतम , जिला एस.एफ.डी प्रमुख कलश असाटी , राहुल बूरडे , अमन दशेरिए, प्रियांशु तिवारी , आर्यन गौतम , कोमल भंडारकर , आर्या चौधरी, मीनाक्षी बघेल , तंज़ीला ख़ान , जुनैरा ख़ान , हर्ष कुमार उइके , आयुष दहरवाल , तन्मय शर्मा ,अमित सुलखे, डिलेश मदनकर , पर्व खजांची , अभय अमूले , दीक्षांश डोंगरे , शिवम लीलहरे , हर्षु नगपुरे ,संदीप माहुले , निखिल नगपूरे , यक्ष दशरे, भानु नगपुरे , मृदुल पटले, यश नगपूरे ,नयन रहंगडाले, जयेश शरणागत , आयुष कटरे, अम्बर ध्यानी , आरव कुम्हरे , आरजू वैद,अनीश शरणागत,दीपेश मोहरे ,कुणाल सहारे ,त्र्यंबक राणा , प्रांशु भगत ,प्रख्यात तिवारी ,अभिषेक परिहार,तोहित ख़ान , कांकेर रणगिरे, हिमांशु हरिनखेड़े , साहिल लीलहारे , अभय बांधेकर, मुदित गड़ेवाल , डिलेश मदनकर आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से व्यवस्था में उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 65 फीसदी गणना पत्रक हुऐ डिजिटलाईजेशन

बालाघाट जिले में मतदाता सूची के एसआईआर में तेजी से कार्य हो रहा

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR 2026) के तहत बालाघाट जिले में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन कार्य में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। 22 नवंबर 2025 की दोपहर तक जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 08 लाख 66 हजार गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा किया जा चुका है। इस प्रकार जिले में अब तक कुल 65 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है, जो पिछले दिवस की 52 प्रतिशत प्रगति की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है।

जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन में अच्छा कार्य हो रहा है। सबसे अधिक प्रगति बैहर विधानसभा में दर्ज की गई है, जहां 77 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है। वहीं वरासिवनी ने भी 67 प्रतिशत के साथ सराहनीय बढ़त दिखाई है। परसवाड़ा ने 63 प्रतिशत, लांजी ने 62 प्रतिशत, कटंगी ने 58 प्रतिशत और बालाघाट ने 57 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया हैं।

विधानसभा क्षेत्र बैहर में 01 लाख 81 हजार 500, वारासिवनी में 01 लाख 38 हजार 400, परसवाड़ा में 01 लाख 41 हजार 200, लांजी में 01 लाख 52 हजार, कटंगी में 01 लाख 19 हजार और विधानसभा क्षेत्र बालाघाट में 01 लाख 35 हजार मतदाताओं के गणना पत्रक पोर्टल पर अपलोड कर उनका डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है।

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पिछली दिवस की प्रगति की तुलना में 9 से 13 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है, जो बीएलओ टीमों द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। प्रशासन ने शेष गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए तेजी बरकरार रखने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना ने बताया कि मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है, और सभी क्षेत्र निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एस आई आर के प्रति जागरूक रहें और समय सीमा के भीतर गणना पत्रक सही जानकारी के साथ भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराएं।

जिले के अधिकारियों द्वारा गणना पत्रक भरने, जमा करने और उनके डिजिटलाइजेशन कार्य का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में किरनापुर एसडीएम श्री एम आर कोल ने 22 नवंबर को ग्राम ओरम्हा, जरेरा और जागपुर का भ्रमण कर बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण किया और उन्हें एसआईआर का कार्य गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अखिल भारतीय धर्म संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए अर्जुन आजाद बिंझाड़े

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखिल भारतीय धर्म संगठन मप्र अध्यक्ष माधव अहिरवार ने अर्जुन आजाद बिंझाड़े को उनके सामाजिक विकास विचारक, एंव सामाजिक चिंतन के सराहनी कार्यों को देखते हुए अखिल भारतीय धर्म संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। जिन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव महाराज के सानिध्य में 9 दिसंबर को रविदास धाम करोद भोपाल में रविदासिया समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्त महासम्मेलन विश्व गुरु संत रविदास जी की अमृतवाणी का सोपान किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में 108 संत निरंजन दास जी महाराज तथा 108 संत रामानन्द जी महाराज प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। जिनकी प्रमुख उपस्थिति में प्रदेश संगठन की एक बैठक का आयोजन कर समाज संगठन को मजबूत बनाने, सबको मिलजुल कर साथ रहने, समाज संगठन को आगे बढाने और आगामी समय में समाज के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की रूपरेखा बनाई जाएगी। इसके अलावा उक्त बैठक में सामाजिक मुख्य विषयों पर चर्चा होंगी। उन्होंने बालाघाट जिला सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश के समस्त रविदास समाज बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में उक्त कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

पत्नी से पति ने की मारपीट

देवर और ससुर ने दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सावरी के लोधी टोला में एक महिला को उसके पति,देवर और ससुर ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया और वापस आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। महिला श्रीमती हेमलता पति रामरतन लिल्हारे 30 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रामरतन लिल्हारे ,देवर रूपरतन लिल्हारे और ससुर कलीराम लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सावरी के लोधीटोला निवासी हेमलता लिल्हारे घरेलू काम करती है। 20 नवंबर को हेमलता का पति रामरतन लिल्हारे काम करके घर आया और घर आने के बाद वह शराब पीने के लिए चला गया था। राम रतन शराब पीकर घर आया था। तब उसे पत्नी हेमलता ने बोली कि शराब पीने क्यों गए थे। इसी को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच कहा सुनी हो गई थी। 21 नवंबर को सुबह 9ः00 बजे रामरतन ट्रैक्टर चला कर घर आया और उसने हेमलता को घर से निकल जाने बोला, हेमलता ने बोली की मैं कहीं नहीं जाऊंगी और उसने घर से जाने मना कर दी थी। तभी राम रतन आवेश में आकर अपनी पत्नी हेमलता को अश्लील गालियां देते हुए उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। इस समय हेमलता का देवर रूपरतन और ससुर कलीराम आए और दोनों हेमलता को अश्लील गालियां देते हुए आज शाम तक घर से नहीं जाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। डर के कारण हेमलता अपने मायके के चले गई और घटना के संबंध में अपने मम्मी पापा को बताने के बाद वह रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने हेमलता द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रामरतन लिल्हारे,देवर रूपरतन लिल्हारे और ससुर कलीराम लिल्हारे के विरुद्ध हेमलता को मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से एक घायल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। पुलिस लाइन के पास मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति युवराज पिता फूलचंद पटले 40 वर्ष ग्राम बड़गांव थाना वारासिवनी निवासी है। इसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवराज पटले मजदूरी करता है। 21 नवंबर को दिन में युवराज पटले काम करने के लिए बालाघाट आया था और काम करने के बाद रात्रि 8ः00 बजे युवराज पटले पैदल जय स्तंभ चौक से पुलिस लाइन तरफ जा रहा था। तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने युवराज पटले को ठोस मार दी। हालांकि मोटरसाइकिल की ठोकर से युवराज पटले को मामूली चोटे आई जो पैदल ही अपना इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवक की आवश्यकता है, सिर्फ 35 वर्ष से नीचे के युवक ही आवेदन करें बालाघाट एवं आसपास के रहने वालेही संपर्क करें।
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

विडम्बनाओं की कालोनी में 36 हितग्राहियों का हुआ गृहप्रवेश

आवास कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, रात्रि में पहुंच मार्ग पर पसरा रहता है सन्नाटा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज बालाघाट।

नगर पालिका द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 36 लाभार्थियों को चाबी वितरण की गयी। शनिवार को नगर पालिका के सभा हाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लगभग 36 हितग्राहियों को गृह प्रवेश करवाते हुए आवासों की चाबी सौंपी गई। इस वितरण कार्यक्रम में लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी स्पष्ट रूप से झलक रही थी, क्योंकि वर्षों से आशियाने का सपना देख रहे परिवार अब अपने नए घरों में प्रवेश करने जा रहे हैं। लेकिन चाबी मिलने की खुशी के साथ ही कई चुनौतियाँ भी सामने आती नजर आ रही हैं। पुराने लाभार्थियों ने बताया कि नए मकानों में बस तो गए हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाएँ अब तक उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। कई घरों तक पक्की सड़क की सुविधा नहीं पहुंच सकी है, बिजली कनेक्शन दुरुस्त नहीं है, और पानी की व्यवस्था भी संतोषजनक नही है। लोगों का कहना है कि चाबी वितरण कार्यक्रम हर बार धूमधाम से किया जा रहा है, लेकिन वास्तविक जरूरत मूलभूत सुविधाओं की है जिनके बिना आवास में रहना मुश्किल है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़क और रोशनी के अभाव में घर तक आना-जाना भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य बेघर परिवारों को अपना सुरक्षित आशियाना प्रदान करना है। इसी लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए नगर पालिका द्वारा बूढ़ी आईटीआई फिल्टर प्लांट के आगे फ्लैट सिस्टम के तहत आवासों का निर्माण किया गया है। इन फ्लैट में नगर पालिका द्वारा अब तक कुल 108 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराते हुए चाबी सौंपी जा चुकी है। योजना के क्रम को आगे बढ़ाते हुए 22 नवंबर को नगर पालिका के सभा हाल में चाबी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 36 नए लाभार्थियों को मकानों की चाबी वितरित की गई। कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही। लाभार्थियों के लिए यह पल बेहद खुशी का रहा, क्योंकि वर्षों से घर का सपना देखने वाले परिवार आखिरकार अपने नए घरों में प्रवेश कर रहे हैं। अब खुशी के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने हैं। वर्तमान में फ्लैट सिस्टम के तहत लगभग 30 से 40 परिवार आवास कॉलोनी में निवास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। लोगों के अनुसार बिजली, पक्की सड़क, पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के अभाव में रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ हितग्राहियों ने तो बीते दिनों आयोजित जनसुनवाई में भी इन समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करने आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन अब तक आवश्यक कार्यवाही नहीं हो पाई है। निवासियों का कहना है कि मकान तो मिल गए हैं, लेकिन सुविधाओं के बिना घरों में रहना कठिन हो रहा है। लाभार्थियों की मांग है कि नगर पालिका चाबी वितरण के साथ-साथ आवास कॉलोनी में जल्द से जल्द मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित करे, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना का वास्तविक उद्देश्य, हर परिवार को बेहतर और सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध कराना पूरी तरह साकार हो सके।

विद्युत की आ रही समस्या

प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रह रहे हितग्राहियों ने कैमरे के सामने तो कुछ भी कहने से इंकार कर दिया, लेकिन अनौपचारिक चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा फिलहाल टी.सी कनेक्शन के माध्यम से बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। हितग्राहियों का कहना है कि टी.सी कनेक्शन होने के कारण उन्हें बहुत ज्यादा बिजली बिल जमा करना पड़ रहा है, जो उनके बजट से बाहर है। कॉलोनी में रह रहे लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं है कि वे हर महीने भारी विद्युत बिल का भुगतान कर सकें। कुछ हितग्राहियों ने इस पूरे मुद्दे को लेकर बीते दिनों आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर को भी आवेदन दिया है। उन्होंने शिकायत में उल्लेख किया है कि वे आने वाले बिजली बिलों का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं।

कॉलोनी पहुंच मार्ग पर पसरा रहता है अंधेरा

प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रहने वाले हितग्राहियों ने बताया कि कॉलोनी तक जाने वाले पहुंच मार्ग पर रात के समय अंधेरा पूरी तरह छा जाता है। कुछ हितग्राहियों ने पहुंच मार्ग की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की है और उसे पद्मेश न्यूज़ को जारी किया है। दिन के समय मार्ग पर आवाजाही सामान्य रहती है, लेकिन शाम होते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। चूंकि कॉलोनी शहर से बाहर स्थित है, इसलिए शाम और रात के समय मार्ग के आसपास कुछ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी देखा जाता है, जिससे हितग्राहियों को आने-जाने में असुरक्षा और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलोनी पहुंच मार्ग अभी तक पक्का नहीं किया गया है, जिसके कारण रास्ता बेहद खराब है। दूसरी ओर मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था बिल्कुल नहीं है, जिसके कारण रात में पैदल चलना और दोपहिया वाहन से गुजरना जोखिम भरा हो जाता है।

कॉलोनी में सभी व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं - बी.डी कतरोलिया

जब इस पूरे मामले को लेकर जब हमने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी कतरोलिया से चर्चा की तो शुरुआत में उन्होंने बताया कि कॉलोनी में सभी व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। लेकिन जब विशेष रूप से बिजली के टी.सी कनेक्शन और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नगर पालिका जल्द ही व्यवस्था बनवाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो हितग्राही टी.सी कनेक्शन के माध्यम से बिजली का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें पूरी बिजली बिल राशि का भुगतान करना ही होगा। स्थायी विद्युत व्यवस्था, सड़क निर्माण और स्ट्रीट लाइट स्थापित करने की कोई ठोस योजना अभी तक नगर पालिका के पास नहीं है।

किसानों को दूसरी फसल लगाने के लिए बाध्य न किया जाए।।

किसान गर्जना ने सिंचाई विभाग के फरमान पर जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज बालाघाट। खरीफ फसलों की गहाई-मसनी के बाद, अब किसानों ने रबी फसल लगाने की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन रबी फसल में धान की फसल नहीं लगाए जाने को लेकर सिंचाई विभाग द्वारा आधिकारिक रूप से दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें उन्होंने धान की फसल की बजाय गेहूं, चना, उड़द, या सरसों आदि की फसल लगाई जाने की बात कही है, इसके पीछे विभाग द्वारा धान की फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी न मिलने और भूजल स्तर के नीचे होने का हवाला दिया है। जिसका विरोध भी किसानों द्वारा शुरू कर दिया गया है। अब इसी मुद्दे को लेकर किसान गर्जना संगठन ने भी सरकार के इस फरमान को तुगलकी फरमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है, तो वहीं उन्होंने, किसान कौन सी फसल लगाए और कौन सी नहीं, इसके लिए किसानों को बाध्य नहीं किए जाने की बात कही है। इसी मुद्दे को लेकर किसान गर्जना अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने पत्रकारों को वीडियो जारी कर बताया बालाघाट जिला धान उत्पादक जिला है, जहां के अधिकतर किसान धान की फसल उगते हैं, अभी बे-मौसम बारिश के चलते खरीफ की फसल किसानों की बर्बाद हो चुकी है उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे वह पहले से ही परेशान है। फसलों में हुए इस नुकसान की भरपाई वे रबी की फसल से करना चाहते हैं लेकिन सरकार की तरफ से एक फरमान जारी किया है कि वे धान की फसल के लिए किसानों को पानी नहीं देंगे, जो उचित नहीं है। क्योंकि किसानों को जो सरल पड़ता है और जिसमें अच्छी उपज होती है वही फसल किसान लगता है। ऐसे में उन्हें धान लगाने के लिए मना नहीं किया जाना चाहिए, यदि सरकार ऐसा कहती है कि वे धान की फसल के लिए पानी नहीं देंगी, तो यह किसानों के ऊपर अत्याचार है, जिसे किसान गर्जना संगठन नहीं सहेगा। उन्होंने बताया कि सरकार बड़े-बड़े मंचों के माध्यम से कहती है कि उन्होंने खेती का रकबा बढ़ा दिया है, सिंचाई के साधन बढाए हैं, जगह-जगह नहर, बांध, का निर्माण कराया है, कुँए, तालाब खुदवाया है, यदि ऐसा है तो फिर किसानों को धान की फसल के लिए पानी देने क्यों मना किया जा रहा है। यदि ऐसा किया गया तो किसानों के बीच अव्यवस्था फैल जाएगी, क्योंकि जिनके पास मोटर पंप के साधन है, वे तो धान की फसल लगा लेंगे, लेकिन दूसरे पानी न मिलने के चलते धान की फसल नहीं लगा पाएंगे, जिससे उन्हें पुनः आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। इसीलिए सरकार और विभाग से हमारा निवेदन है की धान की फसल न लगाने के लिए किसानों को बाध्य ना किया जाए। उन्हें भरपूर मात्रा में बिजली पानी दिया जाए।

नगर में जगह-जगह अलाव जलाने के किए गए प्रबंध

खबर प्रकाशन के बाद नींद से जागी नगरपालिका, राहगीरों व स्थानीय लोगों को मिलेगी राहत

पदमेश न्यूज़ बालाघाट। खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है। जहां खबर प्रकाशन के बाद नगर पालिका अपनी ने लोगों को ठंड से बचाने के लिए अलाव जलाने के प्रबंध किए गए हैं। जहां खबर का संज्ञान लेते हुए नगर पालिका द्वारा नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो में लोगो को ठंड से बचाने, अलाव जलाने के लिए लकड़ियों के इंतजाम कर दिए हैं। जिससे लोगों को ठंड काफी हद तक राहत मिलेगी। जहा अलाव जलाने के लिए नगर पालिका द्वारा नगर के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल सहित मुख्य चौक चौराहो व मार्गो में लकड़ी की व्यवस्था कर दी है। जिसे जलाकर राहगीर व स्थानीय लोग इस ठंड से राहत पा रहे हैं।

खबर प्रकाशन के बाद जागा विभाग

एक दिन पूर्व और उसके पहले 7 नवम्बर के अंक में हमने नपा ने अब तक नहीं किए अलाव जलाने के इंतेजाम शीर्षक के नाम से एक खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था। जिसमें शीत लहर से ढिढुर रहे लोगों की दास्तान बताई गई थी। वही तापमान में गिरावट और शीत लहर चलने से बस कर्मियों, यात्रियों, पुलिस कर्मियों सहित अन्य लोगों को भारी परेशानी होने का उल्लेख किया था। वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष नगर पालिका द्वारा अलाव जलाने के इंतजाम नहीं किए जाने की बात उल्लेखित की गई थी। इस खबर का प्रकाशन होते ही जिम्मेदार हरकत में आए और उन्होंने जगह-जगह लकड़ियों का वितरण कर अलाव जलाने के इंतजाम कर दिए हैं। जिससे राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी राहत मिल गई है।

कलेक्टर ने भी नपा को दिये थे निर्देश

ज्ञात हो कि उक्त खबर का संज्ञान लेते हुए कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 20 नवंबर कों कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी थी। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उस बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी निकायों के सीएमओ कों शीत ऋतु में अलाव की व्यवस्था करने, आश्रय स्थल और रेन बसेरा में सुचारु रूप से व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए थे।

इन स्थानों पर किए गए अलाव जलाने के व्यवस्था

नगर पालिका से मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका बालाघाट द्वारा इस कड़कड़ाती ठंड से लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जगह-जगह अलाव जलाने के लिए लकड़ियों के इंतजाम किए गए हैं जिसमें नगर पालिका ने शहर के बस स्टैंड, शासकीय चिकित्सालय, महावीर चौक, सुभाष चौक, हनुमान चौक, दुर्गा मंदिर, रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों पर लकड़ियों का वितरण कर जगह जगह अलाव जलाने के लिए लकड़ियां उपलब्ध कराई है। शहर में करीब दर्जन भर स्थानों पर रात दिन अलाव जलाने की व्यवस्था बना दी गई है।

राहगीरों के साथ साथ बस कर्मी/पुलिसकर्मी, भी हो रहे थे परेशान

आपको बताए कि 7 नंम्बर से जिले भर में चल रही शीत लहर ने लोगो को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया हैं सबसे ज्यादा परेशानी शहर में नाइट गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों को होती है। जो कढ़ाके की ठंड में शहर में गश्त करते हैं। इस दौरान उन्होंने आग की जरूरत पड़ती हैं, लेकिन लकड़ियां न होने के कारण पुलिसकर्मी अपने हाथ भी नहीं सेक पा रहे थे। वही देर रात दूर दराज से बस स्टैंड आने वाले यात्री, व बस चालक परिचालकों को भी इस ठंड से राहत नही मिल पा रही थी। जिसको लेकर दो बार इस खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया गया था। जहां खबर का संज्ञान लेते हुए नगर पालिका द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अलाव जलाने के इंतेजाम किए गए है ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला घायल

पद्मेश न्यूज बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बंजारी टोला में कार स्कूटी को ठोस मार फरार हो गई। कार की टक्कर से स्कूटी में सवार महिला घायल हो गई। घायल महिला श्रीमती सोना धुर्वे पति कुंवर सिंह धुर्वे 63 वर्ष वार्ड नंबर 5 मोहगांव थाना मलाजखंड निवासी है। घायल इस महिला का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहगांव निवासी सोना धुर्वे घरेलू काम करती है। 22 नवंबर को सोना धुर्वे अपनी स्कूटी में अपने घर मोहगांव से मलाजखंड गैस एजेंसी आधार लिंक करने के लिए जा रही थी। करीब 12:30 बजे सोना धुर्वे स्कूटी में भारत संचार निगम लिमिटेड मलाजखंड के ग्राम बंजारी टोला पहुंची ही थी कि उसी समय मलाजखंड की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मारुति कंपनी की डिजायर कार स्कूटी को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से स्कूटी सवार सोना धुर्वे स्कूटी सहित गिरने से घायल हो गई। इस दुर्घटना को देख पेट्रोल पंप के कर्मचारी मनोज पटले और उसके अन्य साथी आ गए। खबर मिलते ही सोना धुर्वे का बेटा विकास धुर्वे भी पहुंच गया था। जिनके साथ सोना धुर्वे इलाज करवाने बिरसा के शासकीय अस्पताल पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने सोना धुर्वे द्वारा की गई रिपोर्ट पर कार के चालक के विरुद्ध धारा 125(a) 381 भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

सालेटेकरी शराब दुकान में, शराब पीने गए एक युवक की दो लोगों ने की पिटाई

पद्मेश न्यूज बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सालेटेकरी शराब भट्टी में अपने दोस्त के साथ शराब पीने का एक युवक को दो लोगों ने बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिए। घायल युवक मोहित पिता राधे लाल मेश्राम 27 वर्ष वार्ड नंबर 10 ग्राम कोपेभाटा चौकी सालेटेकरी निवासी है। जिसका इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। इस युवक द्वारा की गई रिपोर्ट पर मिलाप निषाद ग्राम मजगांव और खेलन यादव ग्राम कोपेभाटा निवासी के विरुद्ध इस युवक को मारपीट जातिगत अश्लील गालियां देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहित मेश्राम मजदूरी करता है। 2 साल पहले मोहित मेश्राम और मिलाप निषाद के साथ लकड़ी चोरी को लेकर विवाद हुआ था। 3 दिन पहले मोहित मेश्राम अपने साथी ओमप्रकाश सालेटेकरी निवासी के साथ शराब पीने के लिए सालेटेकरी शराब भट्टी गया था। वहां पर पहले से मिलाप निषाद और खेलन यादव शराब दुकान के सामने खड़े थे। मोहित मेश्राम ने शराब भट्टी के सामने मिलाप निषाद को देखकर अपने साथी ओमप्रकाश को यहा से निकालने के लिए बोला। तभी मिलाप निषाद ने मोहित मेश्राम को अश्लील जातिगत गालियां देते हुए बोला कि 2 साल पहले लकड़ी की बल्ली लेकर आया था। तब मुझे चोर कहा था। इसी को लेकर के मोहित मेश्राम और मिलाप निषाद के बीच विवाद हो गया और मिलाप निषाद ने मोहित मेश्राम को पकड़ कर जमीन पर पटक दिया और अपने साथी खेलन यादव के साथ उसे हाथ बुक्के से बेरहमीपूर्वक मारपीट किए। दोनों के द्वारा की गई मारपीट में मोहित मेश्राम घायल हो गया था। शराब भट्टी में खड़े लोगों ने बीच बचाव किये। मारपीट करने से मोहित मेश्राम की तबीयत खराब हो गई थी। जिसके कारण वह तुरंत रिपोर्ट करने नहीं पहुंचा। 21 नवंबर शाम 5:30 मोहित मेश्राम रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस ने मोहित मेश्राम का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर मिलाप निषाद ग्राम मजगांव और खेलन यादव ग्राम कोपेभाटा निवासी के विरुद्ध मोहित मेश्राम को अश्लील गालियां और मारपीट कर उसे जातिगत रूप से अपमानित करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

पत्नी और बेटे ने लकड़ी और ईट से मार कर किया घायल

पद्मेश न्यूज बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम बड़ी कुम्हारी में एक व्यक्ति को उसकी पत्नी और बेटे ने लकड़ी और एट पत्थर से सिर में मारकर घायल कर दिए। घायल व्यक्ति शिवचरण पिता भागूलाल रनगिरे 40 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवचरण मिस्त्री का काम करता है 21 नवंबर को शिवचरण अपने गांव से ग्राम धापेवाडा सगाई के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। शाम 5:00 बजे करीब शिवचरण ग्राम धापेवाडा से अपने घर बड़ी कुम्हारी आया था और घर के अंदर कपड़े बदल रहा था उसी समय शिवचरण का लड़का रोहित और पत्नी निर्मला के बीच रूपए पैसे को लेकर के झगड़ा हो रहा था शिवचरण ने उन्हें बोला कि झगड़ा क्यों करते हो। तभी शिवचरण को उसकी पत्नी निर्मला ने लकड़ी से मारपीट करने लगी वहीं बेटे रोहित ने ईंट उठाकर शिवचरण के सर में मारा जिससे शिवचरण का सर फट गया और खून निकलने लगा था तभी शिवचरण अपने घर से भाग कर गांव में ही अपनी बहन सायवंता बाई के घर पहुंचा और डायल 112 को फोन करके बुलाया डायल 112 से शिवचरण को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने शिवचरण का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

कीटनाशक के प्रभाव में आने से युवक की मौत

पद्मेश न्यूज बालाघाट। तुवल की फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश एक युवक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवा बलराम पिता सनतराम दिघोरे 20 वर्ष ग्राम पाथरी थाना हट्टा निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस में इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पाथरी निवासी बलराम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा वे दो भाई और दो बहन है। जिनमे बलराम के बड़े भाई और बहन की शादी हो चुकी है। 21 नवंबर को दोपहर में बलराम अपने खेत तुवल की फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था। शाम 7:00 बजे करीब बलराम अपने खेत से कीटनाशक दवाई का छिड़काव करके घर पहुंचा और खटिया में सो गया था और बेहोश हो गया था। जिसके मुंह से झाग निकल रही थी। डायल 112 से बलराम को रात्रि में उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए थे। 22 नवंबर को 11:30 बजे करीब बलराम की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने मृतक युवक बलराम का शव पंचनामा कार्रवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

पटेल टोला में दो साल से गणित का शिक्षक नहीं, अर्ध्दवार्षिक परीक्षा सिर पर !!

बच्चों एवं अभिभावकों में आक्रोश, शीघ्र नियमित शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल में शिक्षा विभाग की घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां अध्ययनरत बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया गया है। वहीं सरकार के द्वारा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं स्कूलों पर्याप्त शिक्षक होने बात कही जाती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल में पिछले दो वर्ष से गणित विषय का कोई शिक्षक नही है। जिसके चलते बच्चों की गणित विषय की पढ़ाई पूरी तरह से ठप्प पड़ी है। अब तक गणित विषय में पढ़ाई नही हुई है और सोमवार 24 नवंबर से अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है। ऐसी स्थिति में उन्हे फेल होने का डर सता रहा है। दो वर्ष से स्कूल में गणित विषय के शिक्षक नही होने से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित के संबंध में कई बार बच्चों के अभिभावकों ने शासन-प्रशासन को अवगत करवा चुके है। बावजूद उसके अब तक कोई व्यवस्था नही की गई है, जिससे बच्चों और अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को बच्चें स्कूल पहुंचे लेकिन अंदर प्रवेश नही किये। जिसकी जानकारी लगने पर बच्चों के अभिभावक भी स्कूल पहुंचे और शिक्षा व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्कूल में गणित विषय की नियमित शिक्षक की नियुक्ति करने की मांग की है। वहीं जल्द मांगे पूरी नही होने पर विद्यार्थी 24 नवंबर से शुरू होने वाली अर्ध्दवार्षिक परीक्षा का भी बहिष्कार करने एवं बच्चों के अभिभावकों ने स्कूल में तालाबंदी करने की चेतावनी शासन-प्रशासन को दी है।

अर्ध्दवार्षिक परीक्षा सामने, फेल होने का डर

आपकों बता दें कि शिक्षा विभाग के द्वारा लगातार यहां बात कही जाती है कि उनके द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता एवं सुधार में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा बेहतर ढंग से प्रदान की जा रही है एवं सरकारी स्कूल, प्राइवेट स्कूल की तरह ही बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में लगातार सफल हो रहा है परंतु शिक्षा विभाग का यहां कहना पूरी तरह से झूठ एवं बनावटी प्रतीत हो रहा है। जिसका उदाहरण शास. माध्य. स्कूल पटेलटोला पिपरिया छि. में स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकता है। जहां पर करीब दो वर्ष से गणित विषय का शिक्षा नही है। पूर्व में जो शिक्षक गणित विषय के लिए पदस्थ था उसे अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर जाम संकुल में अटैच कर दिया गया है। उसके बदले में कोई दुसरा शिक्षक अब तक नही आया है क्योंकि उनकी पदस्थापना पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल में दिखा रहा है। अगर वह से उनका नाम हट जाता है तो गणित विषय का पद खाली होने पर गणित विषय के अतिथि शिक्षक की भी नियुक्ति हो सकती है। वहीं वर्तमान में तीन शिक्षक पदस्थ है जिसमें दो अतिथि शिक्षक एवं एक शास. शिक्षक अटैच में है जिसके द्वारा बीएलओं का काम किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में वर्तमान में अतिथि शिक्षकों के भरोसे स्कूल चल रहा है। जबकि संबंधित स्कूल के शिक्षक एवं अभिभावकों के द्वारा संकुल प्राचार्य को इस समस्या से अवगत करवा दिया गया है उसके बावजूद अब तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाई। इस तरह से ब'चों की शिक्षा के प्रति प्रशासन की यह उदासीनता के चलते बच्चों एवं अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं सोमवार 24 नवंबर से बच्चों की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली हैं। गणित विषय की पढ़ाई न होने के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा में फेल होने का डर सता रहा है। वहीं बच्चों का कहना है कि अगर समय रहते शिक्षक की व्यवस्था नहीं की गई, तो उनका शैक्षणिक भविष्य बर्बाद हो जायेगा, क्योंकि पिछले दो साल से हम गणित नहीं पढ़ पा रहे हैं। सोमवार से परीक्षा है, अगर हम फेल हो गये तो कौन जिम्मेदार होगा? क्या प्रशासन को हमारे भविष्य की कोई चिंता नहीं है?।

अतिथि शिक्षक के भरोसे शिक्षा का ढाँचा

जानकारी के अनुसार पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल केवल अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहा है। स्थायी शिक्षकों की कमी और खासकर गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय के शिक्षक का न होना, शिक्षा की गुणवत्ता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाता है। शिक्षा विभाग की यह लापरवाही दर्शाती है कि उनके लिए बच्चों का भविष्य नहीं, बल्कि कागजी खानापूर्ति अधिक महत्वपूर्ण है। वहीं सवाल यह है कि आखिर बच्चों के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ कब तक चलता रहेगा?। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों को चाहिए कि वे तत्काल इस मामले को संज्ञान में ले और तत्काल गणित शिक्षक की नियुक्ति करें।

कोर्स नहीं हो पाया है प्रारंभ - मानसी

छात्रा मानसी सार्वे ने बताया कि गणित विषय के शिक्षक नहीं होने के कारण इस विषय की पढ़ाई नहीं हो पा रही है एवं कोर्स प्रारंभ भी नहीं हो पाया है। जिसके कारण हम गणित विषय में पिछड़ गये है। गणित विषय के शिक्षक की मांग को लेकर शनिवार को कुछ देर के लिए स्कूल बंद भी रखे थे, हमारी मांग है कि जल्द गणित विषय की नियमित शिक्षक की पदस्थापना की जाये।

दो वर्ष से गणित विषय का नही है शिक्षक - ऋतिक

छात्र ऋतिक सार्वे ने बताया कि कक्षा आठवीं बोर्ड है लेकिन स्कूल में गणित विषय के शिक्षक नहीं होने के कारण उस विषय की पढ़ाई नहीं हो पा रही है और यह समस्या करीब 2 वर्ष से बनी हुई है। बीच में एक शिक्षक को पढ़ने के लिए बुलाया गया था परंतु अब वह भी नहीं आ रहे हैं। जबकि सोमवार से हमारी अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है और 25 नवंबर को गणित विषय का पेपर है। ऐसी स्थिति में हम प्रश्न पत्र हल नहीं कर पायेगें और सभी को फेल होने का डर सता रहा है। जल्द शिक्षक की व्यवस्था की जाये ताकि गणित विषय की पढ़ाई कर सके।

मांगे पूरी नही होने पर स्कूल में की जायेगी तालाबंदी - सुखदेव

अभिभावक सुखदेव बाहेश्वर ने बताया कि गणित विषय के शिक्षक की पदस्थापना करने की मांग को लेकर कई बार शिक्षा विभाग को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे बच्चों की पढ़ाई ठप्प हो चुकी है एवं सोमवार से अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है और कोर्स शुरू तक नही हुआ है इस तरह से गणित विषय भगवान भरोसे चल रहा है। श्री बाहेश्वर ने बताया कि जल्द गणित विषय के शिक्षक की स्कूल में नियुक्ति नही की गई तो बच्चें परीक्षा का बहिष्कार करेगें और स्कूल में तालाबंदी की जायेगी।

उच्चाधिकारियों को समस्या से करवा दिया गया है अवगत - बिसेन

दूरभाष पर चर्चा में शा. उमावि. जाम संकुल प्रभारी प्राचार्य आरसी बिसेन ने बताया कि माध्य. स्कूल पटेलटोला पिपरिया छि. में पदस्थ गणित विषय के शिक्षक श्री तितरमारे के द्वारा निरंतर अपने कार्यों में लापरवाही बरतने की शिकायत अभिभावकों के माध्यम से मिल रही थी। जिसके बाद उन पर कार्यवाही कर संकुल में अटैच किया गया था एवं उनके स्थान पर स्कूल संचालन के लिए अन्य शिक्षक की व्यवस्था की गई है और गणित विषय के लिए अतिथि शिक्षक की व्यवस्था अन्य स्कूल से किया गया था, लेकिन ई-अटेंडेंस के कारण वे भी नही जा पा रहे है। श्री बिसेन ने बताया कि पटेलटोला स्थित मा. स्कूल में गणित विषय के शिक्षक की समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके है।

आज बेहरई में हर्षोल्लास से मनाया जायेगा श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में सत्य सांई सेवा समिति के द्वारा 23 नवंबर को श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। चर्चा में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पुट्टपर्थी के श्री सत्य सांई बाबा का जन्म जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस 7 दिवसीय जन्म जयंती समारोह में रोजाना रात में हनुमान मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम एवं भजन कीर्तन किया जा रहा है एवं 23 नवंबर को बेहरई सत्य सांई सेवा समिति के द्वारा उनका 100 वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसमें प्रात: 10 बजे सांई बाबा की पालकी यात्रा निकाली जायेगी और भजन-कीर्तन करते हुए पुरे गांव का भ्रमण कर मशीनटोला के हनुमान मंदिर पहुंचेगी। जिसके बाद बाल विकास के ब'चों के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। तत्पश्चात भजन-कीर्तन, भगवान श्री सत्य सांई बाबा के चमत्कार एवं जीवन गाथा पर चर्चा करने के बाद मंगल महाआरती की जायेगी जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर सत्य सांई सेवा समिति बेहरई के पदाधिकारियों ने श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

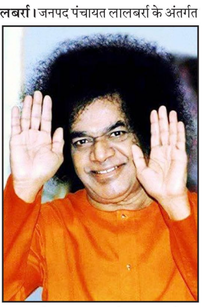

पराली जलाए बिना सुपर सीडर से की चना की बोनी

बम्हनी के किसान प्रतापलाल बिसेन ने अपनाई आधुनिक कृषि तकनीक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। विकासखंड के ग्राम बम्हनी के प्रगतिशील किसान प्रतापलाल बिसेन ने आधुनिक कृषि तकनीक का सराहनीय उपयोग करते हुए पराली प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने धान की कटाई हार्वेस्टर से कराने के बाद खेत में बची पराली को बेलर मशीन से बेल बनवाया और उसके बाद सुपर सीडर मशीन की मदद से चना फसल की बोनी सफलतापूर्वक पूरी की है। कृषक प्रतापलाल बिसेन द्वारा 2 एकड़ क्षेत्र में सुपर सीडर के माध्यम से की गई यह चना बोनी न केवल समय की बचत का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रक्रिया में पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिससे खेत की उर्वरता भी बनी रही और मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर हुआ।

किसान श्री बिसेन की यह पहल अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक संदेश है कि पराली जलाना पर्यावरण और मिट्टी दोनों के लिए हानिकारक है। इसके बजाय मशीनों के माध्यम से पराली का उपयोग कर उसे खाद के रूप में बदलकर फसलों के लिए लाभकारी बनाया जा सकता है। कृषि विभाग ने भी ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देने की अपील की है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय एवं सहायक संचालक श्री राजेश खोबरागड़े ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के प्रयास न केवल प्रदूषण कम करते हैं बल्कि आधुनिक तकनीक को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

घंटों बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग में खड़ा रहा अनाज से भरा ट्रक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से गुजरी बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर उस समय यातायात व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई। जब अनाज से भरा ट्रक शनिवार की सुबह अचानक खराब होकर सड़क के बीच में खड़ा हो गया। जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ ही आने-जाने वालों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं समाचार लिखे जाने तक अनाज से भरे खराब ट्रक को सड़क के बीच से नही हटाया गया है। जिससे आने-जाने वालों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जागरूक नागरिक एवं राहगीरों ने अनाज से भरे ट्रक जो सड़क के बीच में खराब हो गया है उसे जल्द सड़क के बीच से हटाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनाज से भरा ट्रक सिवनी से बालाघाट की ओर जा रहा था। तभी सिवनी मार्ग स्थित मजार के समीप अचानक ट्रक में तकनीकी खराबी आने के कारण चालक को ट्रक को सड़क किनारे करने का मौका नही मिला और वह मुख्य मार्ग पर ही खड़ा रहा गया। इस तरह से सड़क के बीच में ट्रक खराब हो जाने से सड़क की एक चौड़ी साईड अवरूध्द हो गई है। जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। वहीं अनाज से भरे ट्रक में आई तकनीकी खराबी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन समाचार लिखे जाने तक वह ट्रक सुधर नही पाया है। जिसके कारण अब भी सड़क के बीच में ही ट्रक खड़ा है जिससे आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

पोटियापाट धाम में भंडारा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी-ददिया के आगे पावन सलिल वैनगंगा नदी स्थित पोटियापाट घाट (धाम) में कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन से 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया गया था। वहीं मेला के समापन के अवसर पर सार्वजनिक वैनगंगा पोटियापाट बाबा (शिवधाम) मेला समिति बम्हनी के द्वारा गत दिवस विशाल भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैनगंगा नदी के पोटियापाट धाम स्थित बाबा पोटिया देव की समिति के पदाधिकारियों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना करने पश्चात भोग लगाया गया। जिसके बाद भंडाररूपी महाप्रसादी का वितरण किया। वहीं ग्रामीणजन एवं श्रध्दालुजनों ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये।

पोटियापाट धाम का जीर्णोध्दार करवाने की उठी मांग

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया व बम्हनी की सीमा में समनापुर मार्ग पर स्थित वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट (धाम) में कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन से 15 दिवसीय ब्लॉक का सबसे बड़ा मेला लगता है और इस मेले में विकासखंड के अलावा अन्य दूर दराज के ग्रामों के लोग, श्रध्दालु बैलगाड़ी व अन्य साधनों से पहुंच कर स्नान कर माँ गंगा मैय्या व बाबा पोटिया देव की पूजा अर्चना कर मेले का आनंद उठाते है और कुछ लोग मान्यता की कढ़ाई लेकर पहुंचते है जिनके द्वारा विभिन्न पकवान बनाकर पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना व भोग लगाकर आराधना की जाती है जिनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। इस 15 दिवसीय मेले में दुकानदारों के द्वारा दुकाने लगाई गई थी। वहीं मेला के अंतिम दिन सार्वजनिक वैनगंगा पोटियापाट बाबा (शिवधाम) मेला समिति बम्हनी के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। वहीं सभी ग्रामीणजन एवं वैनगंगा नदी पहुंचे श्रध्दालुजनों ने भंडारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर बाबा पोटिया देव का आशीर्वाद प्राप्त किये। साथ ही वैनगंगा नदी के तट पर स्थित पोटियापाट धाम एक धार्मिक स्थल बन चुका है। जहां शिवरात्रि एवं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 15 दिन का मेला लगता है। साथ ही मंडला या अन्य तीर्थ स्थल न जाते हुए वैनगंगा नदी तट पर बसे पोटियापाट घाट पहुंचकर लोग पिंडदान सहित अन्य कार्यक्रम करते है परन्तु सुविधा कम होने के कारण लोगों को परेशानी होती है। अगर जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन के द्वारा पोटियापाट घाट का जीर्णोध्दार करवाकर टीनशेड, मिट्टी कटाव को रोकने का वॉल, विश्राम गृह के लिए कमरे सहित अन्य निर्माण करवा दिया जाता है तो यह स्थल एक भव्य धार्मिक एवं पर्यटक स्थल बन सकता है। इसलिए श्रध्दालुजनों ने शासन-प्रशासन से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम स्थल में नदी किनारे पिंडदान करने वालों के लिए पीने के पानी के लिए हेंडपंप खनन, महिलाओं के लिए चेंजिग रूम, झाड़ियों की साफ-सफाई अन्य निर्माण करवाने की मांग की है ताकि श्रध्दालुओं को सभी सुविधा मिल सके। चर्चा में सार्वजनिक वैनगंगा पोटियापाट बाबा (शिवधाम) मेला समिति बम्हनी के पदाधिकारियों ने बताया कि माँ वैनगंगा नदी के तट पर स्थित पोटियापाट धाम स्थल पर प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन से 15 दिन का मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें लालबर्रा क्षेत्र सहित अन्य जिले एवं विकासखण्ड के श्रध्दालुजन अपने-अपने साधनों से पहुंचकर वैनगंगा नदी में स्नान, पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित करते है। साथ ही कुछ लोग मन्नत की कढ़ाई लेकर भी आते है। आगे बताया कि मेला समाप्ति के दिन समिति के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रध्दालुजनों ने भंडारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। आगे बताया कि वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट स्थल में लालबर्रा सहित विभिन्न जिलों के लोग पिंडदान, मुंडन, संस्कार सहित अन्य धार्मिक कार्य के लिए आते है और यह एक धार्मिक स्थल बन चुका है। लेकिन शासन-प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि इस प्रसिध्द धार्मिक स्थल को सुव्यवस्थित कर विश्राम करने के लिए कक्ष, मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए वॉल एवं अन्य निर्माण करवाये ताकि दुर-दराज से आने वाले श्रध्दालुओं को अच्छी सुविधा मिल सके। जिससे यह एक धार्मिक एवं पर्यटक स्थल भी बन सकता है क्योंकि जंगल से घिरा हुआ क्षेत्र है। इस अवसर पर सार्वजनिक वैनगंगा पोटियापाट बाबा (शिवधाम) मेला समिति बम्हनी मनीराम तुमसरे, उपाध्यक्ष विकास वैद्य, दामाजी तुमसरे, कोषाध्यक्ष सुरेश मारवडे, दिनेश मरकाम, सचिव राजाराम मर्सकोले, राजेन्द्र तुमसरे, सहसचिव पूनाराम मानेश्वर, चतरू मरठे सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

संभागीय अधिकारियों ने जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत कार्यालय का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कार्यालय जबलपुर संभाग जबलपुर से राजस्व निरीक्षण रोस्टर अनुसार दिनांक 21 एवं 22 नवम्बर 2025 को शिव प्रसाद, उप संचालक विधि एवं सुनील लाहोरिया, एडीईओ द्वारा जिला पंचायत बालाघाट एवं जनपद पंचायत बालाघाट का निरीक्षण किया गया। संभागीय अधिकारियों के दल द्वारा निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में संधारित आवक, जावक पंजी, अवकाश रजिस्टर, शासन निर्देशो की गार्ड फाईल, रोकड बही, पदस्थ अधिकारी/कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका आदि का अवलोकन किया गया एवं आवश्यक सुधार/अद्यतन किये जाने संबध निर्देशित किया गया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओ जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, पीएम पोषण कार्यक्रम, मनरेगा, डे-अजीविका मिशन, निर्माण शाखा आदि की प्रगति की जानकारी ली जाकर शाखा प्रभारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

आधा दर्जन गांवों को जोड़ने वाला ढूटी नहर पुलिया जर्जर

जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे ग्रामीण, आवागमन में हो रही समस्याओं से विद्यार्थी, ग्रामीण आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाडा से खापा मार्ग पर स्थित ढूटी नहर पर बना पुलिया जान का जोखिम पैदा कर रहा है। जहां आवागमन कर रहे हर व्यक्ति को रोजाना भारी समस्याओं का सामना करते हुए आना जाना करना पड़ रहा है। तो वहीं दुर्घटना होने की भी संभावनाएं बनी हुई है। हालांकि यह पुलिया बहुत पहले बनाया गया था जिसके बाद से इसकी मरम्मत या सुधार कार्य विभाग के द्वारा किसी भी तरह से नहीं किया गया है। जो वर्तमान में जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है जिस पर से रोजाना आधा सैकड़ा से अधिक बड़े भारी ट्रैकों का आना जाना लगा हुआ है। तो वहीं करीब आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के लोग इस मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। जिनके लिए यह पुलिया समस्या का कारण बना हुआ है जिसको लेकर लंबे समय से राहगीर विद्यार्थी एवं ग्रामीणों के द्वारा पुलिया के सुधार कार्य या चौड़ीकरण को लेकर मांग की गई है। किंतु वर्तमान तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है जिससे हर वर्ग में आक्रोश व्याप्त है।

यह है पुलिया की स्थिति

मेहंदीवाड़ा से खापा मार्ग पर वारासिवनी से खैरलांजी की ओर जाने वाली ढूटी नहर के ऊपर पुलिया का निर्माण कई वर्ष पहले किया गया था। जो देखरेख और मरम्मत के अभाव में जर्जर होता जा रहा है यह पुलिया बहुत ज्यादा सकरा है। तो वहीं पुलिया पर सुरक्षा के लिए सेफ्टीवाल का निर्माण किया गया है यह सेफ्टीवाल पुलिया के दोनों तरफ स्थित है। परंतु पुलिया के मध्य में बनी हुई है पुलिया के चारों कोने की सेफ्टीवाल क्षतिग्रस्त होकर टूट गई है। जहां गहरी खाई सीधे नहर में उतरती है पूर्व में कई बार हादसे हो चुके हैं तो वहीं आगे भी दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी हुई है। किंतु प्रशासन के द्वारा इन दुर्घटनाओं की संभावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जिसके कारण मौके पर क्षतिग्रस्त स्थिति में पुलिया पड़ा हुआ है। यह मार्ग सीधे मेहंदीवाड़ा से खापा ,बोदलकसा, बांसी ,अंसेरा होते हुए कटंगी के लिए निकलता है। ऐसे में करीब आधा दर्जन ग्राम के लोग इस मार्ग से नगर मुख्यालय आना जाना करते हैं। वहीं सबसे ज्यादा इन ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी नगर मुख्यालय में शिक्षा अध्ययन करने के लिए रोजाना आना जाना करते हैं। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या पुलिया पर यह बनी हुई है कि यह मार्ग सकरा होने के साथ पुलिया भी बहुत सकरा है। जहां से १२ से १४ चक्का ट्रक जब आता है तो पुलिया के पहले ही मोटरसाइकिल चालक पैदल चलने वाले और साइकिल से चलने वाले सभी व्यक्तियों को रुक जाना पड़ता है। क्योंकि पुलिया पर ट्रक के आने से आजू.बाजू में केवल एक से डेढ़ फीट जगह खाली रहती है। दो ट्रक भी आपस में क्रॉस नहीं हो पाते हैं एक ट्रक को रुक कर एक को निकालना पड़ता है। ऐसे में कई बार राहगीर फस जाते हैं दुर्घटनाग्रस्त हो होना पड़ता हैं या कई बार नहर के नीचे गिर जाते हैं। उक्त पुलिया के पास निवासरत लोगों में से एक परिवार के द्वारा २२ नवंबर को अपने मवेशियों को छोड़ गया था जिसमें बकरी चरने के लिए जा रही थी जो टूटी हुई सेफ्टीवाल के वहां से गुजरने के दौरान सीधे नहर में गिरी उसकी मौत हो गई। यह बकरी थी तो कोई नहीं इतना गंभीरता से नहीं लिया कभी कोई व्यक्ति यदि इस प्रकार गिरेगा तो उसकी भी संभावित मौत हो सकती है। वैसे भी यह पुलिया जर्जर हो चुका है जहां से रोजाना ट्रक मध्य प्रदेश शासन के कैंप में धन भंडारण और परिवहन के लिए आना जाना करते हैं। प्रतिदिन मौके पर जाम की स्थिति दिन में कई बार बनती है जिसको लेकर लगातार हर वर्ग के द्वारा पुलिया के नए निर्माण करने चौड़ीकरण करने और रेलिंग को नहर से १० मीटर आगे तक बनाए जाने की मांग की जा रही है। किंतु आज तक इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है यही कारण है कि लोगों में आक्रोश व्याप्त है। उनके द्वारा समस्याओं का निराकरण करने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

राहगीर और ग्रामीणजन जान जाखिम में डालकर करते है आवागमन-नरेश

राहगीर नरेश देव्हारे ने बताया कि यहां आने जाने की बहुत दिक्कत है पुलिया में सबसे ज्यादा समस्या है। कई बार लोग नीचे गिर जाते हैं ट्रक आने पर मोटरसाइकिल नहीं निकल पाती है। बहुत सकरा पुलिया है इसका चौड़ीकरण होना चाहिए आने जाने पर सभी को दिक्कत है और गिरने का हमेशा डर लगा रहता है। यह सड़क सीधे बोदलकसा, बांसी , नारवंजपार ,गटापायली को जाता है। नगर मुख्यालय के लिए ग्रामीण सहित स्कूल के बच्चे प्रतिदिन आते जाते हैं।

शिकायत करने के बाद भी प्रशासन की आंख बंद है- राजकुमार

ग्रामीण राजकुमार नारबोदे ने बताया कि यहां से १२ से १४ चक्का ट्रक मतलब बहुत ज्यादा भारी ट्रक शासन के कैंप के लिए आते जाते हैं। इसमें सबसे बड़ी समस्या स्कूल के बच्चों को होती है वह कई बार चोटिल भी हो जाते हैं। यहां जो सुरक्षा के नाम पर वाल हैं वह टूट चुकी है इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। अधिकारियों को हमारे द्वारा और ग्रामीणों के द्वारा भी बताया गया है पर उनके द्वारा बस यही कहा गया कि बन जाएगा पर आज तक हुआ कुछ नहीं है। हम यहीं पर रहते हैं रोज सुबह शाम देखते हैं कि किस प्रकार दुर्घटनाएं होती है। लोग समस्या का सामना करते हैं कई बार मोटरसाइकिल नहर में उतर गई है ट्रक पलट गए हैं इसे बनाना चाहिए क्योंकि रात भर यह मार्ग चलता रहता है।

यह पुलिया से भारी आवागमन होने से हो रही दुर्घटनायें-गुनेश

गुनेश कटरे ने बताया कि यह ग्रामीण क्षेत्र का मार्ग है इस रोड़ पर खापा मे शासन का कैंप बना हुआ है। जहां करोड़ों क्विंटल धान जमा होता है हजारों ट्रक आते जाते हैं इसी रोड़ पर नहर का पुलिया है। यह बहुत जर्जर हो गया है इसकी सेफ्टीवाल टूट चुकी है अधिकतर यहां खतरा बना हुआ है। ट्रक बाइक यहां पलट सकते हैं एक ट्रक आने पर दोनों तरफ जाम लग जाता है। शासन प्रशासन को इसकी रिपेयरिंग करने पर ध्यान देना चाहिए या नया निर्माण करना चाहिए। कोई भी गिरा तो जनधन की हानि हो सकती है। आज हमारे यहां बाजू में बल्लू रहते हैं उनकी बकरी गिरी तो मर गई आदमी का सोचो वह भी मर जायेगा। यह पुलिया को गंभीरता से लेकर आवश्यक सुधार कार्य या नये का निर्माण होना चाहिए।

शांति भंग करने वाले तीन व्यक्तियों पर पुलिस ने की कार्यवाही

रेत उत्खनन एवं शिकायत को लेकर हुआ था विवाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक पर २१ नवंबर की शाम रेत उत्खनन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें पुलिस ने तीनों व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गयी। इसमें राजा चौरसिया ,समीर उर्फसोमू शुक्ला एवं मयूर चौरसिया को २२ नवंबर को एसडीएम कोर्ट के सामने पेश किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेत घाट का ठेका भोपाल की किसी कंपनी के द्वारा लिया गया है। जिसका संचालन जिले में कंपनी के व्यक्तियों के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें वारासिवनी रेत घाट का संचालन नगर के युवाओं के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें अवैध रेत उत्खनन की शिकायत एवं अन्य विषय को लेकर नगर के जय स्तंभ चौक पर राजा चौरसिया एवं समीर उर्फ सोमू शुक्ला आपस में मिले। जिनके द्वारा बातों ही बातों में विवाद प्रारंभ हो गया जिसमें आसपास के लोगों के द्वारा दोनों को समझाइए देने का कार्य किया गया। किंतु इस दौरान पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा परंतु दोनों पक्ष शांत नहीं हुए। जिस पर पुलिस के द्वारा राजा पिता सुनील चौरसिया उम्र ३९ वर्ष निवासी वार्ड नं.६ वारासिवनी, समीर उर्फ सोमु पिता सतीश शुक्ला उम्र ३९ वर्ष निवासी वार्ड नं. ४ वारासिवनी एवं मयुर पिता सुरेश चौरसिया उम्र ३४ वर्ष निवासी वार्ड नं.११ वारासिवनी को थाने में लाया गया। जहां घटना के संबंध में पूछताछ करने के उपरांत पुलिस ने उक्त तीनों व्यक्तियों पर सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। जिसमें थाना प्रभारी हेमंत नायक के द्वारा राजा चौरसिया ,समीर उर्फसोमू शुक्ला ,मयूर चौरसिया के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक ७७/१०१५/२५ के अंतर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १७०,१२६/१३५ के तहत प्रकरण तैयार कर तीनों को पूरी रात थाने में पुलिस अभीरक्षा में रखा गया। जिसके बाद तीनों व्यक्तियों को अगले दिन २२ नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय वारासिवनी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

एमपीईबी कॉलोनी में श्री सत्य सांई जन्मशताब्दी महोत्सव आज

जारी जन्मोत्सव सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के एमपीईबी कॉलोनी सांई मंदिर में २३ नवंबर को श्री सत्य सांई सेवा समिति वारासिवनी के तत्वावधान में श्री सत्य सांई बाबा जन्म शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम समिति के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्षउल्लास के साथ मनाया जा रहा है। हर बार की तरह श्री सत्य सांई बाबा का जन्म शताब्दी महोत्सव सप्ताह १७ नवंबर से २३ नवंबर तक आयोजित किए गए हैं। जिसमें सुबह से शाम तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जहां पर २३ नवंबर को श्री सत्य सांई के का जन्म उत्सव भव्य रूप से मनाया जायेगा। इस कार्यक्रम में १९ नवंबर को महिला दिवस के अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति महिला सदस्यों के द्वारा सत्य सांई बाबा के बारे में परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ यह दिवस मनाया गया। इस दिवस आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रम में महिलाओं के द्वारा नेतृत्व किया गया। जिसके माध्यम से समाज में महिला और पुरुष समान होने के भाव का संदेश दिया गया। जहां परिचर्चा के समापन के बाद भजन कीर्तन भी आयोजित किए गए। जिसमें भगवान सांई बाबा के मधुर और शानदार भजनों की प्रस्तुति महिला समूह के द्वारा की जाती रही। इस श्री सत्य सांई जन्म शताब्दी महोत्सव सप्ताह के कार्यक्रम १७ नवंबर से प्रारंभ किया गया है जिसमें २२ नवंबर तक सुबह ५.३० बजे से ओमकाराम सुप्रभातम ज्योति ध्यान एवं नगर संकीर्तन नियमित रूप से किया जाता रहा। वहीं संध्या काल में प्रतिदिन शाम ६.३० बजे से ८.३० तक सांई कथा वार्ता भजन एवं मंगल आरती का आयोजन किया गया। इसमें १९ नवंबर को महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सदस्यों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जहाँ २३ नवंबर को श्री सत्य सांई जन्मोत्सव जन्म शताब्दी महोत्सव के तहत मनाया जाएगा। जिसमे भगवान श्री सत्य सांई बाबा का जन्म शताब्दी महोत्सव नारायण सेवा सुबह ११बजे से १ तक शाम ६.१५ से रात्रि ९.३० बजे तक भजन भगवान बाबा के चमत्कार एवं जन्म की कथा संगठन के बारे में जानकारी महा मंगल आरती एवं महाप्रसाधी वितरण किया जाएगा। समिति सदस्यों ने बताया कि आध्यात्मिक स्वरूप में बाबा का १०० वां जन्मोत्सव जन्म शताब्दी महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। यह प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी १७ से २३ नवंबर को मनाया जा रहा है जिसमें सुबह से शाम तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इससे आध्यात्मिक कार्यक्रम बच्चों के कार्यक्रम सभी प्रकार के होते हैं। २३ को भव्य जन्मोत्सव केक काटकर बच्चों के कार्यक्रम कर नारायण सेवा के माध्यम से मनाया जाएगा। बाबा का जो भारतीय संगठन है इसमें तीन विंग है सेवा चिकित्सा अध्यात्म जो १६५ देश में चल रहा है। १५ नवंबर को महिला दिवस मनाया गया जिसमें परिचर्चा कर भजन और सभी कार्य महिलाओं के द्वारा किये गये। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील श्री सत्य सांई सेवा समिति वारासिवनी ने की है।

आलोक संघ बालाघाट का छटवां जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आज

खैरलांजी के दमाहे मैरीज लॉन में होगा कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। खैरलांजी के दमाहे मैरीज लॉन में २३ नवबंर की सुबह १० बजे से अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ के तत्वाधान में ६ वॉ जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आलोक संघ बालाघाट जिला महासचिव रतन बिरनवार ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम ब्लाक स्तरीय टीम एवं जिला स्तरीय टीम के द्वारा संयुक्त रुप से रविवार को खैरलांजी के दमाहे मैरीज लॉन में आलोक संघ के मुख्य मार्गदर्शक लोकेश लिल्हारे जी एस टी कमिश्नर एवं प्रमुख मार्गदर्शक अनंतलाल दमाहे राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक, डॉ अशोक लिल्हारे अध्यक्ष लोधी महासभा बालाघाट, एस के गिरिया राष्ट्रीय कार्य् महासचिव आलोक, दिगपाल सिंह राष्ट्रीय परामदर्शदात्री अध्यक्ष आलोक, डॉ विजय बरैया पूर्व राष्ट्रीय परामदर्शदात्री अध्यक्ष आलोक, विजय बघेले राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक, आर एस लोधी प्रदेश अध्यक्ष आलोक, चन्द्रसिंह पटेल राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक, जतन दमाहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ आलोक, श्रीमती कामिनी राजपूत प्रदेश अध्यक्ष महिला आलोक, ज्ञानेश्वर दमाहे प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र आलोक, अशोक वर्मा प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ आलोक सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें कक्षा १० वीं बोर्ड २०२४-२५ में ८० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान, कक्षा १२ वीं बोर्ड २०२४-२५ में ८० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान। सत्र २०२४-२५ में ३० नवंबर २०२४ से ३० अक्टूबर २०२५ तक नवनियुक्त कर्मचारी एवं सेवा निवृत्त कर्मचारी का सम्मान। अन्य विधाओं में जैसे नीट, एआईईईई में क्वालीफाई छात्र छात्रायें, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम में राज्य या केन्द्र स्तर तक सफलता प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं व अन्य क्षेत्रों में विशेष योग्यता या सफलता प्राप्त करने वाले सदस्यों का सम्मान किया जायेगा। श्री बिरनवार ने बताया की आलोक संघ समाज में व्याप्त कुरीतियों के निदान के संदर्भ में जागृति लाना एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना। नवोदय कक्षा प्रतिभा चयन परीक्षा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षायें में बच्चों को मार्गदर्शन करना एवं इससे संबंधित अन्य जानकारी उपलब्ध करना। प्रतिभाशाली बच्चों के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था करना। सफल अधिकारी कर्मचारी को आपस में परिचित कराना एवं उनके अनुभव से समाज के बच्चों को अवगत कराना। आर्थिक दृष्टि से कमजोर होनहार विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल की नि:शुल्क व्यवस्था करना। समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए कोचिंग मार्गदर्शन साक्षात्कार सहयोग की व्यवस्था करना। जैसे आने वाले को कार्य किए जा रहे हैं ताकि समाज जागरूक हो युवाओं को दिशा प्राप्त हो सके। समाज शिक्षित बने और लोगों से प्रेरणा लेकर बेहतर पदों को प्राप्त कर युवा वर्ग अपने माता पिता सहित समाज का नाम रोशन करें। इसी प्रयास को लेकर यहां आयोजन किया जा रहे हैं। इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित की अपील आलोक संघ जिला महासचिव रतन बिरनवार, जिला उपाध्यक्ष आईडी रनगीरे ,जिला संगठन सचिव धनलाल पगरवार सहित अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ जिला बालाघाट ने की हैं।

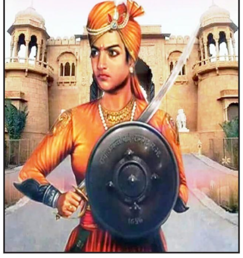

बेसहारा लोगों को आश्रय स्थल में मिल रहा आसरा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वर्तमान में कड़ाके की सर्दी चल रही है जिससे कि विशेषकर रात्रि के समय ठिठुरन काफी बढ़ गई है जिसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा निर्देशित किया गया है साथ ही नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर एवं सीएमओ बीडी कतरोलिया के मार्गदर्शन में नगरपालिका परिषद बालाघाट की एनयूएलएम शाखा की आश्रय सर्वेक्षण टीम ने रात्रि गश्त प्रारंभ की है। जहां बेसहारा लोगों को ठंड के प्रकोप से बचाने और उनके जीवन को सुरक्षित रखने के लिये सुविधायुक्त आश्रय स्थल में पहुंचाया जा रहा है। इस संबंध में बताया गया है कि नगरपालिका के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत निर्मित आश्रय स्थल में हर बेसहारा को सहारा मिलेगा, जिन्हें भीषण ठंड से राहत के दिलाने के लिये पर्याप्त प्रबंध किये गये है। एनयूएलएम शाखा आश्रय सर्वेक्षण टीम के माध्यम से रात्रिकालीन गश्त की जा रही है। खुले में सोने वाले राहगीरों, बेसहारा, निराश्रित को सुरक्षित आश्रय स्थल तक पहुंचाने के लिये टीम के द्वारा 20 नवंबर को शहर के काली पुतली चौक से होते हुए रेलवे स्टेशन, सर्किट हाऊस रोड, जिला अस्पताल एवं मुख्य मार्ग पर गश्त की गई । प्रदेश सरकार की मंशानुरूप बाहर खुले में सोने वाले राहगीरों एवं अन्य व्यक्तियों को सुरक्षित निन्शुल्क वाहन सुविधा के जरिये आश्रय स्थल तक पहुंचाया गया। बताया गया कि गश्त के दौरान 5 लोग ऐसे मिले जो ठण्ड से ठिठुर रहे थे जिन्हें राहत देते हुए आश्रय स्थल में ले जाकर उन्हें ठंड से बचाव की सुविधा दी गई। अत्यधिक ठंड को लेकर आश्रय सर्वेक्षण टीम कार्य करेगी और शहर में गश्त करते हुए ऐसे लोगों को सुरक्षित तरीके से आश्रय स्थल तक पहुंचाया जायेगा।

2002 में नौजवान हिड़मा बालाघाट क्षेत्र में सक्रिय था

16 की उम्र में बंदूक उठाने वाले हिडमा को AK-47 थी पसंद, फोर लेयर सिक्योरिटी में रहता था

एक था हिडमा...

File

■ **नई दिल्ली :** छत्तीसगढ़ के सुकमा में गरीब परिवार में पैदा हुए माडवी हिडमा के खूंखार नक्सल कमांडर बनने के पीछे रमन्ना और इसके ग्रुप का हाथ माना जाता है। इस ग्रुप ने 5वीं तक पढ़े हिडमा को नक्सली विचारधारा से इतना अधिक भर दिया कि उसने 16 की उम्र में हथियार उठा लिए। उसका घर का नाम माडवी देवा था।

■ **हिडमा ने नक्सली राजे से की थी लव मैरिज:** पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसकी पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) की बटैलियन नंबर-1 में 150 से अधिक ऐसे कैडर शामिल थे, जो इसके एक इशारे पर किसी की भी जान ले सकते थे या दे सकते थे। संगठन में ही शामिल मडकम राजे उर्फ रजक्का से इसे प्यार हो गया। धीरे-धीरे बात शादी तक पहुंच गई। पूरे संगठन में इसकी लव मैरिज के चर्चे रहते थे।

> नक्सलियों ने दिया था माडवी देवा का नाम हिडमा।

■ **कई नामों से जाना जाता था हिडमा:** हिडमा को कई नामों से जाना जाता था। वह माडवी हिडमा के अलावा हिडमन्ना उर्फ संतोष उर्फ माडवी देवा उर्फ विलास उर्फ इंदमूल उर्फ पोड़याम भीमा उर्फ मनीष नाम से भी यह जाना जाता था। हिडमा को इंग्लिश, हिंदी, तेलगु, कोया, दोरला और गोंडी भाषा अच्छे से आती थी। हथियारों में यह एके-47 अपने साथ रखना पसंद करता था। मूलरूप से यह सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के पुरवाटी गांव का रहने वाला था।

■ **हिडमा की सुरक्षा थी पुख्ता:** हिडमा की सुरक्षा में 12 गार्ड हरदम तैनात रहते थे। लेकिन, इन दिनों सुरक्षाबलों के लगातार बढ़ते एनकाउंटरों से इनकी संख्या भी कम होती जा रही थी। 1991 में यह नक्सली संगठन में बाल संघम कैडर के रूप में भर्ती हुआ था। इसके क्रूर और अमानवीय कृत्यों ने इसे जल्द ही सेंट्रल कमेटी तक पहुंचा दिया। फिर इसे पीएलजीए की बटैलियन नंबर-1 का कमांडर बना दिया गया जो पूरे CPI माओवादी संगठन की सबसे हिंसक इकाई है।

देश में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का लगातार चल रहा है अभियान।

25 साल तक रहा हिडमा का आतंक

25 साल से भी अधिक समय तक इसने बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों पर बर्बर हमलों और हत्याओं को अंजाम दिया। यह घात लगाकर हमला करने में माहिर था। इसकी वजह से दंडकारण्य क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर लगातार गंभीर खतरा बना रहा। लगातार सरेंडर कर रहे माओवादियों के वक्त भी इस तक सरेंडर करने की बात पहुंचाई गई थी। लेकिन, इसने सरकार के सामने हथियार डालने से इनकार कर दिया था।

- **हिडमा को 2010 में दंतेवाड़ा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के 76 जवानों के नरसंहार का मास्टरमाइंड बताया जाता है।**
- **दंतेवाड़ा नरसंहार भारत में सुरक्षा बलों पर माओवादियों द्वारा किया गया सबसे घातक हमला था।**
- **हिडमा पर 2013 में छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी में शीर्ष कांग्रेस नेताओं सहित 27 लोगों की हत्या में शामिल होने का भी संदेह था।**
- **हिडमा 2017 में बुरकापाल में हुए हमले का भी आरोपी है, जिसमें CRPF के 25 जवान शहीद हो गए थे।**
- **नक्सली हिडमा को साल 2021 में छत्तीसगढ़ के सुकमा में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 22 जवानों की हत्या का मास्टरमाइंड भी माना जाता है।**

अप्रैल-मई में कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षाबलों के साथ नक्सलियों की हुई मुठभेड़ में हिडमा किसी तरह से भाग निकला था। वह छत्तीसगढ़ में दबाव बढ़ने से लगातार ठिकाना बदल रहा था।

मुठभेड़ में पत्नी भी मारी गई, काफी हथियार हुए बरामद

सुरक्षाबलों के साथ मंगलवार को हुई मुठभेड़ में माडवी हिडमा, उसकी पत्नी मडकम राजे, लकमल उर्फ चैतु, कमलू (कमलेश), मल्ला उर्फ मल्लालू और देवे हिडमा का पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड शामिल है। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। इनमें दो एके-47 और तीन अन्य हथियार समेत, विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामग्री शामिल है। इसे BGL (बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर) बनाने के लिए भी जाना जाता है, जो 2016 में बनाया था।

खुफिया इनपुट के आधार पर नक्सली हिडमा को घेरा गया

आंध्र प्रदेश के अडिशनल डीजीपी (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र लड्ढा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में लगातार दबाव के कारण कुछ बटैलियनों के माओवादी आंध्र प्रदेश में जाने की योजना बना रहे थे। इनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। पिछले दो दिनों से हमें बहुत ही खास खुफिया इनपुट मिल रहे थे, जिसमें मंगलवार सुबह यह बेहद खास इनपुट मिला, जिसके बाद मुठभेड़ हुए। हिडमा की खूंखारता पहली बार सुरक्षा एजेंसियों की नजर में 2010 में उस समय आई थी, जब इसने 2010 में मुकरम थाने के चिंतलनार दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों पर बड़ा हमला किया था। इसमें सीआरपीएफ के 76 जवान मारे गए थे। तब से बस्तर में सुरक्षाबलों पर हुए हर बड़े हमले के बाद हिडमा का नाम बार-बार सामने आया। इसकी बटैलियन में सैकड़ों जवान थे। इसकी हमेशा फोर लेयर सिक्योरिटी रहती थी।

आंध्र प्रदेश के मारेडुमिली वन क्षेत्र में मारे गए हिडमा सहित 6 माओवादी

ऐसे चढ़ा 'लाल' ग्राफ...

- **1990** वह 1990 के दशक के अंत में एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में प्रतिबंधित संगठन में शामिल हुआ।
- **1991** बाल संगठन का अध्यक्ष बना था।
- **2002** हिडमा बालाघाट क्षेत्र में सक्रिय था।
- **2004** वह कोटा एरिया कमिटी का सचिव बना।
- **2007** कंपनी नंबर 3 का कमांडर बनाया गया।
- **2009** PLGA बटैलियन का डिप्टी कमांडर बना।
- **2009-21** मिलिट्री बटैलियन का प्रभारी/कमांडर रहा।
- **2010** **ताड़मेटला हमले के बाद पहली बार सुरक्षा एजेंसियों की नजर में आया। इस हमले में 76 जवान मारे गए थे।**
- **2011** DKSZC का प्रभारी बनाया गया।

उसने ताड़मेटला हमले को अंजाम देने में एक अन्य शीर्ष माओवादी कमांडर पापा राव की सहायता की थी।

तब से बस्तर में सुरक्षाबलों पर हुए हर बड़े हमले के बाद हिडमा का नाम बार-बार सामने आया।

> नक्सल विरोधी मोर्चे पर सुरक्षाबलों के लिए यह एक ऐतिहासिक और निर्णायक दिन है। हिडमा की मौत पूरे देश के लिए नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में सबसे निर्णायक सफलताओं में से एक है।
>
> *- पी. सुंदरराज, बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक*

1.80 करोड़ का था इनाम

हिडमा (50) नक्सलियों का टॉप वॉन्टेड कमांडर था।

हिडमा PLGA की बटैलियन-1 का चीफ था, जिसे दंडकारण्य का सबसे घातक माओवादी हमला इकाई कहा जाता है।

हिडमा की पत्नी राजे भी उसी बटैलियन में सक्रिय थी और कथित तौर पर लगभग हर बड़े माओवादी हमले में शामिल थी।

दंडकारण्य छत्तीसगढ़ के बस्तर के अलावा आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, तेलंगाना और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है।

वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमिटी (DKSZC) का भी सदस्य रहा है।

हिडमा, CPI (माओवादी) केंद्रीय समिति में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र का एकमात्र आदिवासी था।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए था एक अटकल

सुकमा जिले के पूर्वती गांव के मूल निवासी हिडमा की उम्र और रूप-रंग सुरक्षा एजेंसियों के बीच लंबे समय तक अटकलों का विषय रहे हैं।

उसे लेकर अटकलों का सिलसिला 2025 की शुरुआत में उसके फोटो आने तक जारी रहा।

अधिकारियों के मुताबिक, हिडमा को पिछले वर्ष माओवादियों की केंद्रीय समिति में पदोन्नत किया गया था।

गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित, हिडमा एके-47 राइफल रखने के लिए जाना जाता था। उसकी टुकड़ी में कई सौ जवान आधुनिक हथियारों से लैस थे।

जंगलों के अंदर उसके चार-स्तरीय सुरक्षा घेरे के कारण वह वर्षों तक सुरक्षाबलों की पहुंच से दूर रहा।

पिछले दो वर्षों में तेज हुए नक्सल-विरोधी अभियानों ने उसके सुरक्षा घेरे को कमजोर कर दिया।

ज्ञानरंजन का हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता में योगदान अप्रतिम है!

ज्ञानरंजन का हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता में योगदान अप्रतिम है। उनका अपना काम बोलता है। वे एक साहसिक साहित्यकार हैं। उनका काम केवल एक साहित्यिक पत्रिका निकालने भर का नहीं रहा, वह हिन्दी में संपादक-चरित्र की वैचारिक और नैतिक पुनर्खोज है। चौथे लोकसभा चुनाव, नक्सलबाड़ी, आपातकाल, चिली से लेकर आज तक जितने भी ऐतिहासिक झटके और कंपन हमारे समय ने महसूस किए, उनकी प्रतिध्वनि एक अकेले आदमी की संपादकीय चेतना में जितनी साफ़, बहसों को जन्म देने वाली और दीर्घकालिक रूप में दर्ज हुई, वह 'पहल' और उसके संपादक ज्ञानरंजन के बिना सोची ही नहीं जा सकती।

साहित्यिक आत्म-प्रदर्शन और 'ब्रांड-रचनाकार' संस्कृति से अलग, ज्ञानरंजन ने जिस चीज़ का बलिदान किया, वह अपनी खुद की रचनाकार की 'कॅरियर' सम्भावना थी। 'पिता', 'बहिर्गमन', 'छलाँग', 'शेष होते हुए', 'फेंस के इधर-उधर' 'बहिर्गमन', 'संबंध' आदि जैसी कहानियाँ लिखने वाला लेखक चाहता तो अपने को ही केंद्र में रखकर चल सकता था; लेकिन उसने अपना लगभग सारा 'ईंधन कोयले से परमाणु ऊर्जा तक' एक पत्रिका में झोंक दिया। यही वह निर्णायक मोड़ है, जहाँ ज्ञानरंजन सिर्फ़ अच्छे कहानीकार से आगे बढ़कर हिन्दी के लिए वही काम करने लगते हैं, जो विश्व-साहित्य में पैरिस रिव्यू, ग्रांटा, पॉएट्री, एन्काउंटर जैसी पत्रिकाएँ करती रही हैं। रचनाशीलता, विचार, राजनीति, संस्कृति और विश्व साहित्य के बीच पुल बनना, एक सपना तो है; लेकिन ज्ञानरंजन उस पुल को अपनी विचार चेतना के कंधे पर उठाकर यहाँ तक ले आए।

'पहल' का सपना कोई छोटे कक्ष की लघु पत्रिका का सपना नहीं था; यह इस महादेश की चेतना के 'वैज्ञानिक विकास' की परियोजना था। मैंने जब विज्ञान के एक विद्यार्थी होने के नाते पहली बार यह पत्रिका देखी तो यही समझा था कि यह कोई विज्ञान की पत्रिका है; लेकिन बाद में पढ़ा तो पता चला कि यह वैज्ञानिक चेतना से नहाई हुई एक वैचारिकी वाली धारा है। इसे सिर्फ़ वामपंथ कहना इसके साथ ज़्यादती है। ज़रूरी नहीं कि हर वामपंथी चीज़ वैज्ञानिक चेतना से जुड़ी हुई हो ही। मार्क्स और एंगल्स के कैम्युनिस्ट मेनिफेस्टो के प्रकाशन के बाद के 177 साल बाद दुनिया के समुद्रों में पानी बहुत भर गया है और उसमें बहुत सारे द्वीप-उपद्वीप डूब रहे हैं या डूबने जा रहे हैं।

वामपंथी होना अपने-आप में वैज्ञानिक चेतना की गारंटी नहीं है। मार्क्स और एंगेल्स के समय, विशेषकर 1848 के कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो तक, यह बात काफ़ी हद तक सत्य मानी जा सकती थी कि वामपंथ आधुनिक विज्ञान, इतिहास और समाजशास्त्र की उपलब्धियों से सबसे अधिक संवाद में रहने वाली धारा है। लेकिन उसके बाद विज्ञान स्वयं जिस अविश्वसनीय गति से आगे बढ़ा; डार्विन, आइंस्टीन, क्वांटम भौतिकी, जीवविज्ञान, सूचना-प्रौद्योगिकी, जीन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान आदि उसके सामने कोई भी राजनीतिक विचारधारा यदि अपने को 'वैज्ञानिक' कहती है तो उसे लगातार अपने बौद्धिक औज़ारों की समीक्षा और अद्यतन करना पड़ता है।

ऐसे ही समय में ज्ञानरंजन जैसे चेतनशील मार्क्सवादी की विशिष्टता उभरती है। उन्होंने समय से बहुत पहले उस आहट को भांप लिया और वैज्ञानिक चेतना पर ज़ोर दिया। उन्होंने वामपंथ को केवल नारे, इतिहास-स्मृति या पार्टी लाइन के रूप में नहीं, 'वैज्ञानिक चेतना' की एक लगातार विकसित होती परंपरा के रूप में समझा। 'पहल' में अर्थशास्त्र, फ़ासीवाद, साम्राज्यवाद, तकनीक, मीडिया, प्रकृति-विज्ञान, भाषा और संस्कृति के प्रश्न जिस तरह साथ-साथ रखे गए, वह इस बात का प्रमाण हैं कि वे विचारधारा को जड़ सूत्रों की तरह नहीं, गतिशील ऐतिहासिक प्रक्रिया की तरह देखते थे। उनके लिए मार्क्सवाद का अर्थ किसी किताब की स्थिर उद्धरणशीलता नहीं, 卐आलोचनात्मक और वैज्ञानिक दृष्टि卐 था, जो नई वैज्ञानिक खोजों, नयी सामाजिक संरचनाओं और नये पूंजीवादी रूपों के साथ बराबरी के स्तर पर संवाद कर सके। यह सुखद भी है और बेहद विडंबनामूलक भी कि भारतीय राजनीतिक मार्क्सवादियों को जो बात आज तक समझ नहीं आ सकी, उसे नक्सलबाड़ी के दिनों में एक वैज्ञानिक ऊर्जा आप्लावित साहित्यकार समझ चुका था। भारतीय मार्क्सवादियों की एक बहुत बड़ी समस्या यह है कि यहाँ राजनीतिक खेमा वैचारिक लोगों को नियंत्रित करने की कोशिश करता है, जबकि होना इसका उलटा चाहिए। राजनीति के महासमर में आज वे इसीलिए मारे-मारे फिर रहे हैं; क्योंकि उन्होंने उलटी रीत को अपनाया। खैर, यह बहुत बड़ी बहस का विषय है। इस हिसाब से और इस अर्थ में ज्ञानरंजन का काम खुद सहज मार्क्सवादी परंपरा की उस मूल ऐतिहासिकता से जुड़ता है, जो हर दौर में अपने समय की वास्तविकता, उसके विज्ञान और उसकी सामग्री को गंभीरता से लेकर स्वयं को आलोचनात्मक रूप से बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने दिखाया कि वामपंथ की विश्वसनीयता केवल 卐वाम होने卐 में नहीं, इस बात में है कि वह अपने समय के सबसे उन्नत वैज्ञानिक और बौद्धिक विवेक के साथ कितनी ईमानदारी से खड़ी रहती है। एक तरफ मार्क्स, लेनिन, माओ, नेरुदा, पाश, नाज़िम, दरवेश, ब्रेख्त, दूसरी तरफ भारतीय भाषाओं; जैसे पंजाबी, बांग्ला, मराठी, तमिल, उर्दू, असमिया आदि की कविताएँ और कथा, साथ में अर्थशास्त्र, साम्राज्यवाद, फ़ासीवाद, सांस्कृतिक राजनीति, तकनीक, विज्ञान पर गंभीर लेख। हिन्दी में इससे पहले किसी पत्रिका ने पाठक को इतना व्यापक, सघन, विश्वस्तरीय बौद्धिक नभ नहीं दिखाया था। इस अर्थ में 卐पहल卐 सचमुच हिन्दी की पैरिस रिव्यू नहीं, उससे आगे की चीज़ भी कही जा सकती है; क्योंकि उसमें केवल लेखकीय 卐क्राफ़्ट卐 नहीं, वर्ग-संघर्ष और सांस्कृतिक प्रतिरोध की सुचिंतित दृष्टि भी है। 'दें पैरिस रिव्यू' का नाम तो लोग सहजता से ले लेते हैं; लेकिन वे यह उल्लेख करना भूल जाते हैं कि 'दें पैरिस रिव्यू' ज्ञानरंजन का एक छोटा-सा 卐घरेलू卐 दफ़्तर नहीं, एक ठीक-ठाक आकार की अमेरिकी संस्था है और उसके मुक़ाबले अकेले ज्ञानरंजन का काम कहीं विराट् दिखने लगता है। कोई भी 卐दें पैरिस रिव्यू卐 जैसी पत्रिका के बारे में सोचता है और सोचता है कि 'पहल' क्या है और उन पर प्रश्न उछालता है तो उसे देखना चाहिए कि अमेरिका में 'दें पैरिस रिव्यूफाउंडेशन' नाम से एक नॉन-प्रॉफ़िट संगठन चलता है, जो इस पत्रिका को निकालता है। उनकी ताज़ा फाइलिंग के मुताबिक इसके बीस कर्मचारी हैं, जो एडिटर, सब-एडिटर, इवेंट फंडरेज़िंग, डिजिटल, एडमिन, अकाउंट आदि का काम देखते और करते हैं। यानी यह एक पूरा प्रोफ़ेशनल दफ़्तर है। इसकी कुल आमदनी 3.75 मिलियन डॉलर और कुल ख़र्च 3.43 मिलियन डॉलर है। यानी मोटे तौर पर कहें तो 'दें पैरिस रिव्यू' का सालाना ऑपरेशनल बजट लगभग 3.5 मिलियन यूएस डॉलर है यानी 30-31 करोड़ रुपये।

'पहल' करे ज्ञानरंजन खुद का खून जलाकर तैयार करते रहे हैं और 'दें पैरिस रिव्यू' की संपादक ऐमिली स्टॉक्स सालाना दो लाख चार हजार तीन सौ छियासठ डॉलर यानी 15 लाख रुपए महीना और इसकी एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर लॉरी डॉल एक लाख 45 हजार 399 डॉलर सालाना यानी दस लाख पचहत्तर रुपए महीना वेतन पाती हैं। और उसमें जो बीस लोगों की प्रोफ़ेशनल टीम है, उसे साढ़े तीन मिलियन डॉलर का बजट मिलता है। यहीं से साफ़ दिखता है कि जिस तरह की वैश्विक स्तर वाली पत्रिका 卐दें पैरिस रिव्यू卐 इस पूरी संस्थागत मशीनरी, भारी बजट और ऊँची तनख़्वाहों पर टिककर निकलती है, वैसी ही क्षितिज वाली पत्रिका %पहल% ज्ञानरंजन ने लगभग अकेले, बेहद सीमित संसाधनों और लगातार हमलों और संदेहों के बीच खड़ी की। ये तथ्य उनके योगदान को असाधारण ही नहीं, ऐतिहासिक भी बना देते हैं।

और यह सब किसी संस्थान, मीडिया-हाउस या पार्टी के बज़ट पर नहीं, जबलपुर के एक लेखक की निजी कमरकस ज़िद पर खड़ा था। उन्होंने साफ़ लिखा कि वे 卐टीए-डीए, कमेटीवाल, जनसंपर्कीय कॅरियरवाद卐 के ख़िलाफ़ रहे हैं और इसीलिए 卐पहल卐 को उन्होंने किसी संगठन का मुखपत्र बनने नहीं दिया। यही स्वतंत्रता उसे वैचारिक रूप से तेज, चयन में कठोर और नजरिए में निर्भीक बनाती है। यही वजह है कि आपातकाल के दौर में धर्मवीर भारती, राजेंद्र अवस्थी जैसे शक्तिशाली नामों के सार्वजनिक आक्रमण झेलने पड़े और वह सिलसिला आज तक भी रुका नहीं है; गृहमंत्रालय तक शिकायतें पहुँचीं, फेलोशिपें छीनी गईं; लेकिन फिर भी न तो पत्रिका रुकी, न संपादक का स्वर नरम हुआ। सबसे बड़ी बात तो यह है कि 卐पहल卐 और ज्ञानरंजन के उस काम ने जाने पहल जैसी कितनी ही पत्रिकाओं को जन्म दिया और जाने कितने ज्ञानरंजन बनने की कोशिशों में हिन्दी को बेहतरीन साहित्यकार मिले।

ज्ञानरंजन की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने हिन्दी में 'पत्रिका' को महज़ रचनाएँ छापने वाली फाइल न रहने देकर उसे जागरूक वर्ग-चेतना, विश्व दृष्टि और सौंदर्यबोध का जीवित मंच बनाया। उन्होंने वामपंथी संगठनों की संकीर्णता से दूरी रखते हुए भी मार्क्सवादी दृष्टि की ज़मीन नहीं छोड़ी, उन्होंने उसके फ़लक को वैज्ञानिक विस्तार दिया और जरखेज़ भी बनाया। विविध धाराओं जैसे प्रगतिशील, जनवादी, उग्र, नरम, प्रयोगधर्मी आदि सबको एक बड़ी, बहसयोग्य, जटिल परंतु दीर्घकालिक परियोजना में जोड़ दिया। इसलिए ज्ञानरंजन का महत्व सिर्फ़ इस बात में नहीं है कि उन्होंने हिन्दी को विश्वस्तरीय पत्रिका दी; असल बात यह है कि उन्होंने दिखा दिया कि एक अकेला लेखक, अपनी निजी रचनाशीलता की कीमत पर भी पूरी पीढ़ियों के लिए बौद्धिक और राजनीतिक 'इन्फ्रास्ट्रक्चर' तैयार कर सकता है और मारक हमलों, झूठे आरोपों और बाज़ार-संस्कृति की लहरों के बीच भी अपने स्टैंड से पीछे नहीं हटता। यही 'पहल' की और ज्ञानरंजन की ऐतिहासिकता है।

त्रिभुवन-

सर्दियों का 'साइलेंट किलर' : हर उम्र के लोगों को निगल रहा है हार्ट अटैक ?

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही देशभर में अस्पतालों की इमरजेंसी वार्ड एक समान कहानी दोहराने लगती है. छाती में दर्द, अचानक बेहोशी, तेज पसीना, सांस फूलना, और कुछ ही मिनटों में जीवन-मृत्यु के बीच जूझता एक सामान्य व्यक्ति। डॉक्टर स्पष्ट कहते हैं, 'ठंड दिल पर सबसे ज्यादा दबाव बढ़ाती है'। ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि सर्दियों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक से मौतें 26 से 36 फीसदी तक बढ़ जाती हैं। यानी लगभग हर तीसरी अचानक मृत्यु का संबंध हृदय की विफलता से है। साल 2025 ने भारत में दिल से जुड़ी बीमारियों की एक भयावह तस्वीर सामने रखी है। जनवरी से नवंबर 2025 के बीच देशभर में हार्ट अटैक से 1.32 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 18 फीसदी अधिक है। सबसे चिंताजनक बात यह है, युवाओं (18 से 45 वर्ष) में हार्ट अटैक के मामलों में 23 फीसदी की वृद्धि. महिलाओं में अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामलों में 12 फीसदी की वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों में मौतों का अनुपात 40 फीसदी से अधिक. स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे 'साइलेंट महामारी' कह रहे हैं। इसकी बड़ी वजह तनाव, अनियमित नींद और रात जागने की आदत, प्रोसेस्ड फूड और हाई-शुगर डाइट है।

फिलहाल, 2025 को विशेषज्ञ 'दिल की बीमारियों का भयावह वर्ष' बताते हैं, क्योंकि इस साल भारत में 16-17 साल के किशोरों से लेकर 35-50 वर्ष के युवाओं और बुजुर्गों तक, दिल का दौरा अचानक मौतों की सबसे बड़ी वजह बनकर सामने आया। जिम में वर्कआउट करते हुए, स्टेज पर डांस करते हुए, शादी समारोहों में वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान ढहते लोग, इन वीडियो ने समाज को झकझोर दिया, लेकिन खतरा अभी कम नहीं हुआ है। इसकी बड़ी वजह तनाव (स्ट्रेस) में रिकॉर्ड वृद्धि- 2025 में नौकरी, आर्थिक दबाव और प्रतियोगी माहौल के कारण स्ट्रेस इंडेक्स 14 फीसदी बढ़ा। कार्डियोलॉजिस्ट का मानना है कि 90 फीसदी युवा मरीजों में हार्ट अटैक का प्रमुख कारण तनाव ही था। इसके अलावा अनियमित नींद और रात जागने की आदत भी एक बड़ी वजह सामने आया है। मोबाइल, सोशल मीडिया, सीरीज की वजह से नींद के घंटे 6 से घटकर औसतन 4.8 घंटे हो गए। नींद की कमी सीधे हार्ट फंक्शन को प्रभावित करती है। प्रोसेस्ड फूड और हाई-शुगर डाइट भी एक वजह है।

2025 में पैकेट फूड की खपत 21 फीसदी बढ़ी है, इसके कारण हाई कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर, और फैटी लिवर के केस तेजी से बढ़े। फिजिकल एक्टिविटी में रिकॉर्ड गिरावट भी एक कारण है। देश के 67 फीसदी लोग दिन में 30 मिनट भी पैदल नहीं चलते। दिल की मांसपेशियाँ कमजोर पड़ रही हैं। पोस्ट ङ्क कोविड इंपैक्ट अब भी जारी है। इसके चलते दिल की सूजन (मायोकारडीटीज) और ब्लड क्लॉटिंग के जोखिम 2025 में भी पूरी तरह कम नहीं हुए। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 तक कुल मौतें 1,32,500 हो गयी है। इसमें गंभीर केस (आईसीयू) के 48,000, अचानक कार्डियक अरेस्ट के 27,400, युवाओं में मौतें 38,600, महिलाएं 22,400, गांवों में दर्ज मौतें 53,000 तक पहुंच गयी है। विशेषज्ञ इसे जनस्वास्थ्य का

दर्ज मौतें 53,000 तक पहुंच गयी है। विशेषज्ञ इसे जनस्वास्थ्य का 'रेड अलर्ट' मान रहे हैं।

साल 2025 के दौरान कई घटनाएं बड़ी सुर्खियां बनीं, शादी-ब्याह में नाचते हुए कई युवाओं का गिरना, ऑफिस में कंप्यूटर पर बैठे-बैठे कर्मचारियों का ढह जाना, जिम में वर्कआउट के दौरान अचानक कार्डियक अरेस्ट, सुबह की वॉक पर निकले लोगों का अचानक गिर जाना। विशेषज्ञों ने इसे 'स्ट्रेस जनित कार्डियक स्ट्राइक' नाम दिया है। कार्डियोलॉजिस्ट का कहना है कि 'दिल की बीमारी 2025 में बूढ़ों की नहीं, युवाओं की बीमारी बन गई है।' 'सबसे ज़्यादा मौतें उन्हीं लोगों की हुईं जिनमें कोई पिछला लक्षण नहीं था।' 'हार्ट अटैक अब अचानक आता है और 10 सेकंड में व्यक्ति को गिरा देता है।' मरने वालों में 18 से 30 वर्ष के 16,400, 31 से 45 वर्ष के 22,200, 46 से 60 वर्ष 41,800 मौते हुई है। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और परिवार, तीनों के लिए हार्ट अटैक एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह अब उम्र का नहीं, लाइफस्टाइल का रोग है। मौतें बढ़ रही हैं क्योंकि लोग संकेतों को हल्के में ले रहे हैं। 2025 का सबसे बड़ा सबक- 卐दिल को हल्के में मत लो, तनाव को सामान्य मत मानो और सीने का हर दर्द गैस नहीं होता।卐 भारत को 2026 में दिल की बीमारियों पर राष्ट्रीय अभियान चलाने की जरूरत है।

जागरूकता की कमी

सीने में दर्द और गैस में फर्क न कर पाना। अस्पताल को दूर होना. इसके चलते 50 फीसदी से अधिक मौतें अस्पताल पहुंचने से पहले हो जाती हैं। एंबुलेंस देरी के चलते औसतन 35 से 50 मिनट लग जाते हैं। 2025 की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 卐हेवी जिमिंग से मौतें बढ़ीं卐 है। 7,400 मौतें जिम में ओवर ट्रेनिंग, सप्लीमेंट्स, स्टेरॉयड के कारण हुईं। कार्डियोलॉजिस्ट की सलाह है कि 卐जिम करें, लेकिन अंधाधुंध वजन न उठाएँ, पहले हार्ट चेकअप ज़रूरी है।卐 लोग हार्ट अटैक को गैस समझकर जान गँवा रहे हैं, सबसे आम भूल- घर में ही गैस कीदृदवा या गर्म पानी पीकर दर्द को हल्का मान लेना। विशेषज्ञ कहते हैं 60 फीसदी मरीज गैस समझकर घर में 2 घंटे बिता देते हैं. जबकि गोल्डन आवर सिर्फ 60 मिनट का होता है। सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की चेतावनी है कि हर 6 महीने में हार्ट- प्रोफाइल टेस्ट, स्ट्रेस टेस्ट / ईसीजी 45 से अधिक उम्र वालों के लिए ईको कार्डियोग्राफी, जंक फूड पर नियंत्रण, रोज 30 से 40 मिनट वॉक जरुरी है।

ठंड में दिल पर क्या होता है?

सर्दियों में तापमान गिरने पर शरीर को अपने तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए हार्ट को अधिक तेज़ी से पंप करना पड़ता है। यह अतिरिक्त दबाव कई बार दिल की रफ्तार को अचानक अनियंत्रित कर देता है।

नसें सिकुड़ जाती हैं- ब्लड वेसल्स टाइट होकर संकरी हो जाती हैं।

ब्लड का फ्लो कठिन हो जाता है- दिल को समान मात्रा में रक्त पंप करने के लिए ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

ब्लड मोटा (विसकासिटी) हो जाता है- क्लॉट बनने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ता है- यही हार्ट और ब्रेन स्ट्रोक का सबसे बड़ा कारण है।

विटामिन डी की कमी- सर्दियों में धूप कम मिलने से दिल की मांसपेशियाँ कमजोर और संवेदनशील हो जाती हैं।

डॉक्टरों का साफ कहना है, 卐सर्दियों में दिल को हर पल खुद को गर्म रखने के लिए लड़ना पड़ता है।卐 सबसे चौंकाने वाली बात हार्ट अटैक से मरने वालों में 30 से 50 वर्ष आयुवर्ग शीर्ष पर है। यानी उम्र से पहले दिल का बूढ़ा होना एक महामारी बन चुका है।

कोविड के बाद क्यों बढ़ा खतरा ?

हार्ट स्पेशलिस्टों की राय में कोविड-19 ने दुनिया भर की कार्डियक हेल्थ की तस्वीर बदल दी है। वैज्ञानिक तथ्य यह है कि कोरोना से रिकवर हुए 100 में से 78 लोगों में हार्ट डैमेज मिला। हर 7 में से 1 व्यक्ति दिल की सूजन (मायोकारडिटिज) से जूझ रहा है। संक्रमण जितना गंभीर, भविष्य में हार्ट अटैक का खतरा उतना अधिक। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी कहा, कोविड से रिकवर मरीजों को ओवरवर्क और ओवरएक्सरसाइज से बचना चाहिए, वरना दिल पर दबाव बढ़ सकता है।卐

35 से 50 वर्ष आयु वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित ?

विशेषज्ञ चार मुख्य कारण बताते हैं, भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, नॉर्मल नींद नहीं, तनाव ज्यादा, भोजन अनियमित। इंटेंस वर्कआउट का ट्रेंड, जिम में भारी वजन, अनियंत्रित कार्डियोकृदिल पर अचानक लोड। जंक फूड, बाहर का भोजन, प्रोसेस्ड आइटम, ट्रांस फैट, सोडियम और शुगर दिल की धमनियाँ मोटी कर देते हैं। स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि का अभाव यानी लंबे समय तक बैठना भी हार्ट अटैक का छिपा कारण है।

जिलों में हर दिन 580 से 1090 मरीज सिर्फ बीपी बढ़ने से ग्रसित

जिलों में सर्दियों के बढ़ते प्रभाव के साथ, बीपी बढ़ा हुआ लेकर रोज 580 से 1090 मरीज अस्पताल पहुँच रहे हैं। 35 से 50 आयुवर्ग में हार्ट अटैक की संख्या चिंताजनक।

सुरेश गांधी-

इंदौर बाजार भाव

इंदौर।एजेंसी। माँग की सुस्तता से शनिवार को अनाज मंडी में सरसो बाजार मंदी पर रहे। सोयाबीन व रायडे में सुधार आया। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना मजबूत रहा। किराना जिंसों में हल्दी में सुधार आया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो में ऊपरी स्तरों पर बिकवाली से भावों में नरमी आयी। सोयाबीन व रायडे में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना मजबूती पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में हल्दी सुधर गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4140-4190, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-800, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1425, राजकोट तेलिया 2350, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450-1460, मुम्बई पाम 1255, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8400-8500, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5725, एवरेज 5400-5500, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर।एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 157500, चाँदी (99) 157000, टंच 156600, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 125000,

टाटा पावर ने भूटान परियोजना में एसपीवी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली।एजेंसी। टाटा पावर ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1,125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है।यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुख रहा

मुंबई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुख प्रदर्शित किया। कंपनियों की दूसरी तिमाही की मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की लिवाली के चलते सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई, जबकि वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह के अंत में गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत में निवेशकों का उत्साह उच्च रहा। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 234.42 अंक की बढ़त के साथ 84,797.20 पर खुला और 388.17 अंक उछलकर 84,950.95 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी ने भी 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,966.15 पर खुलकर 103.40 अंक ऊपर होकर 26,013.45 पर बंद किया। विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों की बेहतर आय प्रदर्शन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के दबाव के कारण मंगलवार को सेंसेक्स 292.95 अंक गिरकर 84,658 पर और निफ्टी 83.3 अंक गिरकर 25,930.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 277.93 अंक की गिरावट के साथ 84,673.02 और निफ्टी 103.40 अंक गिरकर 25,910.05 पर बंद हुआ।

रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और निफ्टी 142.60 अंक की बढ़त के साथ 26,052.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और निफ्टी 139.50 अंक ऊपर होकर 26,192.15 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों और मजबूत कंपनियों की ओर रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 400.76 अंक गिरकर 85,231.92 और निफ्टी 124 अंक की गिरावट के साथ 25,068.15 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों के दबाव और मुनाफावसूली के चलते बाजार सप्ताह के अंत में कमजोर हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव देखा। मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की खरीदारी ने मध्य सप्ताह तक बाजार को हरे निशान में रखा, जबकि वैश्विक दबाव और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह का अंत लाल निशान पर हुआ।

सरकार ने चार श्रम संहिताएं लागू कीं

नई दिल्ली।एजेंसी। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए संसद द्वारा पारित चारों श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा कर दी है। लगभग पांच वर्ष पहले 29 मौजूदा श्रम कानूनों में सुधार कर इन्हें चार व्यापक श्रम संहिताओं वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य स्थिति संहिता के रूप में एकीकृत किया गया था। सरकार का कहना है कि इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और श्रम व्यवस्था को बदलती कार्य परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक बनाना है। नई श्रम संहिताओं के तहत देश के सभी नियोक्ताओं के लिए प्रत्येक श्रमिक को नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित संपूर्ण श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज उपलब्ध कराना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के अलावा 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी अनिवार्य की गई है। महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देने के साथ कर्मचारियों राज्य बीमा लाभों का दायरा भी देशव्यापी किया गया है। ठेके पर तय अवधि के लिए काम करने वाले कामगार अब स्थायी श्रमिकों के समान सभी लाभों के पात्र होंगे और उन्हें पांच साल की बजाय केवल एक वर्ष बाद ग्रेच्युटी प्राप्त करने का अधिकार होगा।

सरकार डिजिटल कंटेंट पर सख्त नियंत्रण लाने की तैयारी में

नई दिल्ली।एजेंसी। सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम 2021 में संशोधन करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री प्रसारित नहीं की जाएगी जो अश्लील, मानहानिकारक, जानबूझकर गलत, आधी-सच्चाई वाली या हिंसा बढ़ावा देने वाली हो। मंत्रालय का कहना है कि नया नियम कंटेंट को सभ्य और नैतिक मानकों के अनुरूप बनाएगा। संशोधन विशेषकर भाग-3 के अंतर्गत आने वाले डिजिटल वीडियो इंटरमीडियरी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लागू होगा। इनमें यूट्यूब, इंस्टाग्राम, नेटफिलक्स, एमेजान, प्राइम वीडियो आदि शामिल हैं। इसके साथ ही समाचार चैनलों और अखबारों के डिजिटल पोर्टल भी इस दायरे में आएंगे। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी डिजिटल सामग्री जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता या किसी समूह का अपमान नहीं करेगी, लोगों को अपराध के लिए उकसाएगी या हिंसा को बढ़ावा नहीं देगी। इसके अलावा, कंटेंट सामाजिक, सार्वजनिक या नैतिक जीवन की निंदा या बदनामी नहीं कर सकता। प्रस्ताव के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर वही सजा दी जाएगी जो वर्तमान में अश्लील सामग्री प्रसारित करने पर लागू होती है। इसके साथ ही डिजिटल कंटेंट के लिए रेटिंग सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है, ताकि सामग्री की प्रकृति के अनुसार वर्गीकरण हो सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि ये बदलाव अभी केवल प्रस्तावित हैं। इन्हें लागू करने से पहले अंतिम प्रक्रिया और नियमों का निर्धारण किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री को नियंत्रित करना और डिजिटल कंटेंट को जिम्मेदार बनाना है।

मेष- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। महत्वपूर्ण कार्य में आप आगे रहेंगे। भाग्य का आज आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पकड़कर चलना होगा। आपकी सोच आपके लिए बेहतर रहेगी। आपको अपनी इनकम को ध्यान में रखकर कार्य करना होगा। आप अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। मित्रों का साथ और सहयोग आप पर बना रहेगा। भाग्य के दृष्टिकोण से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृषभ- आज आपको किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचना होगा। आप किसी काम में लापरवाही बिल्कुल ना करें। बड़ों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा और आप किसी से धन उधार लेने से बचें, नहीं तो आपके उस धन के वापस आने की संभावना बहुत कम है। आपको अकस्मात धन लाभ मिलने से खुशी होगी। आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा, क्योंकि आपके विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आप अपने बिजनेस को आगे तक ले जाने की कोशिश में लगे रहेंगे, लेकिन किसी के साथ पार्टनरशिप आपको समस्या देगी। आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अपने खर्चों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। लेनदेन से संबंधित मामलों में किसी अजनबी से सलाह ना लें। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ अधिक रहेगा, लेकिन आप उनसे घबराएंगे नहीं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपका कोई बड़ा लक्ष्य पूरा हो सकता है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश में लगे रहेंगे। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। घर-परिवार में चल रही समस्याएं आज फिर से सिर उठाएंगी, जो आपके टेंशनों को बढ़ाएंगे। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आप किसी बात को लेकर बहसबाजी में ना पड़ें। कार्यक्षेत्र में आपको छोटों की गलतियों को अनदेखा करना होगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप कुछ नए लोगों से मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। आपको बड़ों की भावनाओं का सम्मान करना होगा। आप दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएंगे और कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर थोड़ा परेशान हो सकते हैं, जिसके लिए आपको कुछ टेस्ट आदि भी कराने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति की प्राप्ति के लिए रहेगा। करियर को लेकर दिन परेशान रहेगा, तो आपको कोई बेहतर अवसर हाथ लग सकता है। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे। धन संबंधित मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आप भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। किसी पैतृक संपत्ति की आपको प्राप्ति हो सकती है। आपको शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील यदि अटकी हुई थी, तो उसकी बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। आप बिजनेस में नई योजनाओं को लेकर बातचीत करेंगे। आपको अपने जीवन स्तर में सुधार लाना होगा। आपको किसी बड़े लक्ष्य पर फोकस बनाकर चलना होगा। आप किसी बात को लेकर भावुक ना हो। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे।

मकर- आज आप अपनी वाणी और व्यवहार से लोगों का दिल जीतेंगे। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगे। आज आपके काम की गति थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन आपके अंदर ऊर्जा अधिक रहेगी। आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप किसी मामले में संकोच न करें। यदि आप अपनी जिम्मेदारियों में डील देंगे, तो बाद में वह आपके लिए मुश्किलें बढ़ाएंगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ के अवसरों को हाथ से नहीं जाने देना है। आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रतिस्पर्धा का आपके मन में बना रहेगा। आपको अपने कामों को समय से पूरा करना होगा। करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। आपको अपनी सेहत को लेकर भी थोड़ा एतियात बरतनी होगी, नहीं तो समस्याएं बढ़ेगी।

मीन- आज का दिन आपको बिजनेस में अच्छा लाभ दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। आप अपने कामों से लोगों का भरोसा जीतेंगे। आपको कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग आप पर बना रहेगा। आपको किसी नई प्रॉपर्टी की प्राप्ति हो सकती है, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

शब्दजाल - 8088

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	वि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	व	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, इंद्कुमार गुजराल, देवगौड़ा, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह.

शब्दजाल - 8087 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7032

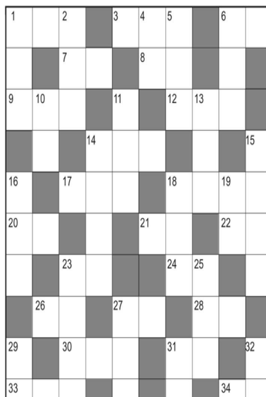

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7031

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	08.08 बजे से
चंद्र	धनु में	मकर	10.13 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	12.00 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	13.33 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	15.03 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.55 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	23.11 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कन्या	01.23 बजे से
		तुला	03.33 बजे से
		वृश्चिक	05.48 ब.से

रविवार 2025 वर्ष का 327 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 19.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 19.28 बजे को समाप्त।
योग धृति 12.09 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.20 बजे तदनन्तर गर 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 21'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872537
जूलियन दिन 2461002.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रेम का संदेश

पोलैंड के दार्शनिक थे- ट्वायिंस्की। वह अपने विचारों के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। लोग उनका बेहद सम्मान करते थे। एक दिन जोरों से बारिश हो रही थी। ट्वायिंस्की को किसी जरूरी काम से जाना था। जब वह घर से निकले, तो एक कुत्ता कहीं से भीगते हुए उनके पास आ पहुंचा और उनके प्रति स्नेह जताने लगा। ट्वायिंस्की ने भी प्रेम का जवाब प्रेम से दिया और उसे दुलारने लगे। इसी समय ट्वायिंस्की के एक मित्र वहां आ पहुंचे। उन्हें भी ट्वायिंस्की के साथ जाना था। वह यह दृश्य देखकर चकित हुए कि ट्वायिंस्की कुत्ते के साथ खेल रहे हैं और कुत्ता उनकी ओर उछल-उछलकर उनके कपड़े को गंदा कर रहा है। उसने ट्वायिंस्की से थोड़ा खिन्न होकर कहा, 'भाई, आप भी गजब आदमी हैं। अभी हमें जरूरी काम से निकलना है और आप इस कुत्ते से खेलने में लगे हुए हैं। यह आपके कीमती कपड़ों को गंदा कर रहा है और आप इसे भगाने के बदले प्यार कर रहे हैं।' ट्वायिंस्की ने मुस्कराते हुए कहा, 'मित्र यह कुत्ता मुझे आज पहली बार मिला और इसने बड़ी आत्मीयता प्रकट की। इसकी भावनाएं प्रशंसनीय हैं। यदि मैं अपने कीमती कपड़ों के मोह में इसे हटा दूं तो इसकी आत्मीयता को बहुत ठेस लगेगी। इसके प्यार के सामने कीमती कपड़ों का कोई मूल्य नहीं। कपड़े फिर मिल जाएंगे। रहा काम तो, वह भी कभी हो ही जाएगा। लेकिन यह आत्मीयता क्या दोबारा हासिल हो सकती है? प्रत्येक प्राणी भगवान की कृति है, इसलिए सभी में ईश्वर का वास मानकर उसके प्रति स्नेह व्यक्त करना चाहिए।'

सूडोकु नवताल- 7341

★★★✯✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल-7340 का हल

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

शब्द पहेली - 8556

बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान, इज्जत-3
5. शुभाशीर्वाद, नियामत-4
8. केश-2
10. कसम, प्रतिज्ञा, वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी, स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम, केश-2
20. अधिकार, आरोप-2
21. सतह, स्तर, पटल-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. सभ्यीकरण, विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा, विचित्र, विलक्षण-3
2. नया, नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन, प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल, कालकोठरी-4
18. शोर, ध्वनि, कंपन्न-3
20. ताप, शवदाह-2
22. यज्ञ, आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -8555 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी में रबी फसल के लिए रोटेशन प्रणाली के तहत जल प्रदाय हेतु जारी किया क्लस्टर

पद्मेश न्यूज। लांजी। जल सर्वेक्षण संभाग बालाघाट के द्वारा आगामी दौर में रबी फसलों हेतु रोटेशन प्रणाली के तहत जल प्रदाय करने हेतु क्लस्टर जारी कर दिया गया है जिसके तहत किन किन नहरो या माईनरो से जल प्रदाय किया जायेगा। इस प्रणाली के तहत जल संसाधन सर्वेक्षण संभाग बालाघाट के अन्तर्गत संचालित बाघ दांयी तट नहर अन्तर्राज्यीय परियोजना जो कि महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश का संयुक्त उपक्रम है प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रोटेशन हेतु रबी कार्यक्रम अन्तर्गत निम्नानुसार वितरक नहर में पानी प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है। कुल्पा कारंजा वितरक नहर चैन क्रमांक 0 से 290 तक, कुल्पा कारंजा बापड़ी, कारंजा माईनर चैन क्रमांक 0 से 90 तक कारंजा, सब माईनर 1 चैन क्रमाक 0 से 20 तक कारंजा कुल्पा, सब माईनर नंबर 2 चैन क्रमांक 0 से 25 तक कारंजा कुल्पा, कारंजा माईनर नंबर 4 चैन क्रमांक 0 से 25 कारंजा, परसोड़ी माईनर चैन क्रमाक 0 से 32 तक कुल्पा, सिंगोला वितरक नहर चैन क्रमांक 0 से 260 तक सिंगोला मीरिया, टेकेपार, कटंगी, घंसा, बोथली, चिचोली, चिचेवाड़ा। टेकेपार माईनर चैन क्रमांक 0 से 30 तक घंसा टेकेपार। देवलगांव वितरक नहर चैन क्रमांक 0 से 175 तक पालडोंगरी,साडरा, खर्रेगांव। करेजा माईनर चैन क्रमांक 0 से 65 तक बोरी, साडरा, फोफसा। दहेगांव माईनर चैन क्रमांक 0 से 40 तक साडरा और दहेगांव। खरेगांव वितरक नहर वैन क्रमाक 0 से 104 तक अमेड़ा, जीवनारा, कुम्हारी। कुम्हारीकला माईनर चैन क्रमांक 0 से 30 तक कान्द्रीखुर्द। केरेगांव नंबर 2 माईनर चैन क्रमाक 0 से 30 तक कान्द्रीखुर्द और जीवनारा। इसी क्रम में जल संसाधन संरक्षण संभाग बालाघाट रबी सिंचाई कार्यक्रम धान फसल हेतु खराडी मध्यम जलाशय से प्रतिवर्ष रबी धान हेतु पानी प्रदाय किया जाता है। रोटेशन प्रणाली के अनुसार इस वर्ष खराडी जलाशय की दांयी तट की निम्नानुसार माईनर में पानी प्रदाय किया जायेगा। जिसमें वारी माईनर में वारी, सावरी माईनर में सावरी, बिरनपुर माईनर से बिरनपुर। मुख्य नहर चैनल क्रमांक 0 से 219 वारी सावरी, बिरनपुर, बोरडी। इस प्रकार उक्त सभी माईनरो में रबी फसल तथा रबी मे धान फसलो के लिये सिंचाई विभाग ने क्लस्टर जारी कर दिया गया है इसी प्रकार पानी प्रदाय किया जायेगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने अमर शहीद वीर आशीष शर्मा को दी गई अश्रुपूर्ण श्रृद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में पदस्थ स्पेशल हॉक फोर्स के जाबांज निरीक्षक आशीष शर्मा जो कि एक ज्वाईंट ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के बोरतलाब के जंगलो में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेंड में वीरगती को प्राप्त हो गये। आशीष शर्मा के निधन पर क्षेत्र की हर आंखे नम हो गई थी हर किसी ने इन नम आंखो से आशीष शर्मा को अश्रुपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। इसी क्रम में 22 नवंबर को कांग्रेस परिवार के द्वारा वीर शहीद आशीष शर्मा को याद कर श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन नगर के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक में किया गया। कांग्रेस परिवार के द्वारा वीर शहीद आशीष शर्मा की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सभी जनों के द्वारा मोमबत्ती जलाकर दो मीनट का मौन धारण कर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान प्रमुख रूप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी से अजय अवसरे, प्रमोद अग्रवाल, बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल, ललित कबीरे, दिनेश लाडे, मोनू पशीने, लिखेन्द्र उपराड़े, रेवाजी करहाटकर, गणेश बागडे, प्रभुदयाल किरमे, रविन्द्र धारणे, अनमोल तिडके, राजू मस्करे, राजू सोयाम, अशोक पालीवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रही।

शहीद भगत सिंह स्पोटर्स एकेडमी ने कैण्डल मार्च निकालकर दी श्रृद्धाजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। अमर शहीद आशीष शर्मा को जहां हर कोई नम आंखो से याद कर उन्हे भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित कर रहा है इसी क्रम में 22 नवंबर को शहीद भगत सिंह स्पोटर्स एकेडमी खिलाड़ियों के द्वारा खेल समन्वयक प्रज्ञात वासनिक के नेतृत्व में श्रृद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम से कैण्डल मार्च निकालकर संपूर्ण नगर का भ्रमण कर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक पंहुचकर दो मीनट का मौन धारण कर वीर शहीद आशीष शर्मा को याद किया जाकर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। इसी क्रम में पुलिस थाना लांजी के द्वारा भी अपने साथी आशीष शर्मा को याद कर मोमबत्ती जलाकर आशीष शर्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान थाना प्रभारी दीपसिंह परमार, एसआई विधी पाण्डेय, एसआई शब्बीर खान, एएसआई परमानंद भगत सहित संपूर्ण पुलिस स्टाफ पुलिस थाना लांजी तथा हॉक फोर्स के अधिकारी जवान उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लाँजी की माइम टीम ने जीता प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा के निर्देशानुसार जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 का आयोजन 18 एवं 19 नवंबर 2025 को शासकीय कमला नेहरू महाविद्यालय, बालाघाट में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता में श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लाँजी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए माइम स्पर्धा में प्रथम स्थान हासिल किया। कॉलेज की विजेता माइम टीम में पूजा खरे, काजल राउत, निधी कलपुरे, सलोनी मानकर एवं साक्षी मुरकुटे शामिल रहीं।

इसी प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्रा खुशी कुचलाहे ने रंगोली स्पर्धा में भी हिस्सा लिया।

माइम में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद चयनित विद्यार्थी अब विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेंगे, जिसका आयोजन 8 से 10 दिसंबर 2025 तक राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा में होगा।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। संस्थापक लक्ष्मीचन्द कर्राहे, संचालक किशोर कुमार कर्राहे, गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया एवं श्रीराम कर्राहे, प्राचार्य डॉ. पन्नालाल यादव, प्रशासनिक अधिकारी नरेश अगासे, युवा उत्सव प्रभारी दीपक धुवारे, कार्यक्रम प्रभारी साक्षी बैस एवं भूमिका बड़घैया सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ ने विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कॉलेज परिवार का मानना है कि यह सफलता विद्यार्थियों के लगन, मेहनत एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विश्वविद्यालय स्तर पर भी विद्यार्थी इसी उत्साह के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, ऐसा विश्वास जताया जा रहा है।

लोककला एवं संस्कृति का सम्मान करना चाहिए-केसर बिसेन

सांवरी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुँची जिपं.सभापति, मंडई-मेलों के महत्व पर प्रकाश डाला

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। लोककला एवं संस्कृति किसी परिचय की मोहताज नहीं है लेकिन पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ती पीढ़ी को पुरातन संस्कृति का सम्मान करना नहीं भूलना चाहिए। जिले की सांस्कृतिक पहचान बन चुके लोकनृत्य एवं ड्रामा के कार्यक्रमों को सहेज कर रखने के लिए कलाकारों को मंच प्रदान करना जरूरी है। उक्ताशय के उद्गार जिपं.सभापति केसर बिसेन ने गत रात्रि ग्राम सांवरी में गंगा माई मेला उत्सव समिति के तत्वाधान् में आयोजित दुइयम शायरी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। श्रीमती बिसेन यहां कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित गंगा माई मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ करने पहुँची थी। उन्होंने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंडी सदस्य श्रीमती कला चौधरी प्रमुख रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता ताराचंद बिसेन ने की। इस अवसर पर श्रीमती अनिता उपरीकार, राजू पटले पूर्व सरपंच, अनिता उपरीकार, खोमेन्द्र देशमुख, शरद पटले, थानसिंह पटले सहित गंगा माई मेला समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम सांवरी सहित आस-पास के ग्रामीण अंचलों से लोग मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाने पहुँचे। श्रीमती बिसेन ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि मंडई, मेले आज की परम्परा नहीं है ये हमारे पूर्वजों के समय से चले आ रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि आज भी हमने इन परम्पराओं को बनाए रखा है। मेले से जुड़ी पौराणिक मान्यता को लेकर उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा तिथि पर भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। जिसके अत्याचार से मुक्त होने के बाद देवी देवताओं ने खुशियाँ मनाई थी। इस वजह से कार्तिक पूर्णमासी पर मेलों का आयोजन किया जाता है। ग्रामीण स्तर पर मेले के आयोजन से जहां ग्रामीणों एवं किसानों को अपने कार्य से विरत रहकर घर परिवार एवं परिचितों के साथ खुशियाँ मनाने का अवसर मिलता है। वहीं इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों को प्रतिभा दिखाने मंच मिलता है। व्यवसायिक क्षेत्र से जुड़े व्यापारी मेले में दुकान लगाकर आर्थिक लाभ अर्जित करते हैं। मंडई, मेले एक साथ सभी के लिए खुशियाँ लेकर आते हैं।

मां तुझे प्रणाम योजना में पीजी कॉलेज की 05 छात्राओं ने राजस्थान बॉर्डर का शैक्षणिक भ्रमण किया

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की 5 स्वंसेवक कुमारी पुनम गौंधरे, श्रद्धा नगपुरे, प्रगति शिंदे, सेजल नागेश्वर, रिद्धि गायधने को मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के तहत राजस्थान बॉर्डर का भ्रमण कराया गया है। जिसमें भ्रमण के दौरान तनोट माता मंदिर और लोंगेवाला बॉर्डर का विशेष शैक्षणिक एवं धार्मिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत - पाकिस्तान सीमा की सुरक्षा व्यवस्था, ऐतिहासिक युद्ध स्थल लोंगेवाला की महत्वता तथा तनोट मंदिर से जुड़े चमत्कारिक इतिहास से अवगत कराना था। विद्यार्थियों ने तनोट माता मंदिर मैं पूजा अर्चना की और वहां तैनात बीएसएफ जवानों से मंदिर से जुड़े 1965 व 1971 के युद्ध के ऐतिहासिक किस्से सुने। इसके बाद छात्रों ने भारत-पाक सीमा से सटे लोंगेवाला बॉर्डर का भ्रमण किया जहां उन्हें 1971 के भारत पाक युद्ध के वास्तविक मैदान टैंक टॉप और युद्ध स्मारक दिखाए गए। छात्रों को इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे, महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बालिका इकाई डॉ. रचना कोरी, प्रो. सुखचंद येड़े कार्यक्रम अधिकारी बालक ईकाई एवं महाविद्यालय परिसर सहित, माता पिता एवं मित्र मंडली द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

अभाविप की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शामिल हुए सैकड़ों विद्यार्थी

पद्मेश न्यूज। कटंगी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् इकाई कटंगी के तत्वाधान् में 22 नवम्बर को सांदीपनी विद्यालय कटंगी एवं हाईस्कूल जाम में एकदिवसीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कटंगी विकासखंड की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं से कक्षा नवमीं एवं बारहवीं में अध्ययनरत् सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता का पर्चा हल किया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्मार्ट वॉच, द्वितीय पुरूस्कार स्कूल बैग एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में स्टडी टेबिल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। 20 रैंक तक के प्रतिभागियों को मेडल शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रतियोगिता की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर की गई। तत्पश्चात् विद्यर्थियों को प्रश्न पत्र वितरित किए गए। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिक्षक लालबहादुर राहंगडाले ने बताया कि प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बारे में बच्चों को जागृत करना, ज्ञान के प्रति रूचि बढ़ावा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को बढ़ावा देना है। छात्रों में आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता के विकास की दृष्टि से भी यह आयोजन किया गया है। उक्त आयोजन को सफल बनाने में अभाविप के सभी पदाधिकारी,

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पीसीसी चीफ ने एसआई प्रक्रिया पर उठाए सवाल, कहा

नाम काटने के दवाब में आत्महत्या कर रहे बीएलओ

भोपाल । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि एमपी में स्ड्ढक्र प्रक्रिया के लिए बेहद कम समय दिया गया है, जिससे बीएलओ पर भारी दबाव बढ़ गया है। उनका आरोप है कि भाजपा नेताओं की ओर से बीएलओ पर मतदाता सूची से नाम काटने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी तनाव के कारण कई बीएलओ की मौतें और हार्ट अटैक के मामले सामने आ रहे हैं। पटवारी ने प्रदेश में पेशाब कांड जैसी घटनाओं पर भी कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए।

पटवारी ने कहा कि पूरे मध्यप्रदेश में बीएलओ अत्यधिक दबाव में काम कर रहे हैं। उनसे जबरन मतदाता सूची से नाम हटाने को कहा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ खुद भी इस स्थिति से परेशान हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर पात्र लोगों के नाम काटे गए तो भविष्य में उन्हीं पर कार्रवाई होगी। इस वजह से तनाव, हार्ट अटैक और मौत के मामले बढ़ रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के समय को बढ़ाने की मांग

उन्होंने कहा कि बीएलओ के लिए चुनाव आयोग ने बहुत कम समय दिया है, जबकि यह बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कांग्रेस ने आयोग को लिखित में समय बढ़ाने की मांग की है। पटवारी ने सभी कांग्रेस नेताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में एसआईआरे प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह खुद भी अलग-अलग इलाकों में जाकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और कांग्रेस किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम कटने नहीं देगी।

घुसपैठिए हैं तो सरकार की असफलता

पटवारी ने कहा कि भाजपा नेताओं की ओर से मंचों से लगातार कहा जा रहा है कि घुसपैठियों के नाम काटे जाएं। इस पर उन्होंने सवाल उठाया कि जब पिछले 10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है और प्रदेश में भी लंबे समय से सत्ता उन्हीं के पास रही है, तो फिर घुसपैठ कैसे हो गए? उन्होंने कहा कि यह खुद सरकार की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता को दिखाता है।

पेशाब कांड पर बोए- कानून का डर नहीं

मंडीदीप में दिव्यांग युवक पर पेशाब करने का वीडियो सामने आने पर पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में कानून-व्यवस्था की हालत बेहद खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले ऐसी हरकतें बीजेपी से जुड़े लोग करते थे, अब दूसरे लोग भी करने लगे हैं, क्योंकि प्रदेश में कानून का कोई डर नहीं रह गया है। पटवारी ने कहा कि किसी व्यक्ति पर बार-बार पेशाब करने की घटना, पुलिस पर हमले, पुलिसकर्मियों की हत्या और भ्रष्टाचार जैसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं। एनसीआरबी के आंकड़े भी दिखाते हैं कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है।

मोर्चा प्रभारी की जिम्मेदारी मनोरंजन मिश्रा को

- हेमंत खंडेलवाल की टीम में तीन नई नियुक्तियां
- आशुतोष को प्रकोष्ठ, और लिटोरिया को कार्यालय व्यवस्था प्रभारी बनाया

भोपाल। मप्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम में तीन नई नियुक्तियां की गई हैं। इस टीम में प्रदेश कार्यालय व्यवस्था प्रभारी, प्रदेश मोर्चा प्रभारी और प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी की नई जिम्मेदारी तीन पार्टी नेताओं को सौंपी गई है। उधर एक अन्य मामले में बीजेपी ने देवास जिले के पार्टी पदाधिकारी प्रीतम सिंह सोलंकी को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रदेश मोर्चा प्रभारी की जिम्मेदारी मनोरंजन मिश्रा को सौंपी गई है। मिश्रा बीजेपी के सभी अलग-अलग मोर्चा के प्रभारी के रूप में काम करेंगे। साथ ही प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी का जिम्मा आशुतोष तिवारी को सौंपा गया है। तिवारी भी मिश्रा की तरह बीजेपी के सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी निभाएंगे। संगठन में जितेंद्र लिटोरिया को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें कार्यालय व्यवस्था प्रभारी बनाया गया है। वे प्रदेश कार्यालय के साथ जिलों के कार्यालयों की व्यवस्था का प्रबंधन भी देखेंगे।

सोलंकी को पार्टी से निष्कासित किया

दूसरी ओर देवास बीजेपी जिला अध्यक्ष राय सिंह सेंधव ने एक पत्र जारी कर हाट पिपल्या देवास के प्रीतम सिंह सोलंकी को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन पत्र में कहा गया है कि सोलंकी के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण को देखते हुए यह फैसला लिया गया है क्योंकि सोलंकी पर दर्ज केस पार्टी के संगठनात्मक मर्यादा और आचरण संहिता तथा नैतिक दायित्वों के विपरीत है।

ननि कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने में आ रही नई चुनौती

भोपाल। फेस अटेंडेंस सिस्टम (एबीएएस) नगर निगम के कर्मचारियों की उपस्थिति को दुरुस्त करने की जगह नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। कर्मचारियों की नियमित हाजिरी को लेकर निगम की आंतरिक व्यवस्था बेहद कमजोर हो चुकी है। प्रतिदिन 2,000 से 2,500 कर्मचारी हाजिरी से बाहर दिख रहे हैं, जबकि सिस्टम में 16,000 से ज्यादा कर्मचारी पंजीकरण करवा चुके हैं। स्थिति यह है कि खुद प्रशासन यह तय नहीं कर पा रहा कि रोज अनुपस्थित दिखने वाले ये कर्मचारी वास्तव में ड्यूटी पर नहीं आते, या फिर सिस्टम से बाहर रहकर कहीं और तैनात कर दिए जाते हैं। नियमों के मुताबिक कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल के 50 मीटर के दायरे में फेस अटेंडेंस लगाना अनिवार्य है।

सुरक्षा को लेकर क्या कर रही है सरकार

जजों के साथ हो रही घटनाओं से हाईकोर्ट नाराज, पूछा

भोपाल। प्रदेश में जजों पर हो रहे हमलों और अपराधों पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि जब जजों को ही सुरक्षा मांगनी पड़ रही है, तो आम नागरिकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने सरकार से इन घटनाओं पर जवाब मांगा है। हालिया मामलों को देखते हुए कोर्ट ने सुझाव दिए और अगली सुनवाई की तारीख 4 दिसंबर रखी है।

बता दें मंदसौर में 23 जुलाई 2016 को एक जज पर हमला हुआ था, जिस पर तत्कालीन एक्टिंग चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज की थी। इसके बाद बालाघाट के जज पर हमला, और भोपाल गैस प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी पर एसिड अटैक जैसी घटनाएं सामने आईं। जजों पर हो रहे ये लगातार हमले न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

सरकार से जवाब तलब किया

प्रदेश की निचली अदालतों में पदस्थ जजों पर हो रही घटनाओं पर चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। जब वे खुद सुरक्षा की मांग करने को मजबूर हैं, तो प्रदेश में आम जनता की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। कोर्ट ने हालिया घटनाओं पर सरकार से जवाब तलब किया और अगली सुनवाई 4 दिसंबर को तय की।

पक्ष- सुरक्षा व्यवस्था मजबूत

सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के सभी 52 जिला सत्र न्यायालयों में बाउंड्रीवाल बनाकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर निगरानी समितियों की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कहा कि हाल ही में दो जजों के घर चोरी की घटनाएं हुईं, दो मामलों में घर में घुसने का प्रयास किया गया और एक जिला जज पर हमला भी हुआ। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को देखकर बिल्कुल नहीं लगता कि सब ठीक है। यहां लॉ एंड ऑर्डर का कम्पलीट ब्रेकडाउन दिख रहा है। हाईकोर्ट प्रदेश के सभी जिला सत्र न्यायालयों और वहां पदस्थ जजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। जिला स्तरीय निगरानी समिति की रिपोर्टों के आधार पर सरकार को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

भारत हिन्दू राष्ट्र है उसे बनाना नहीं है

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने हिन्दू एकता और राष्ट्र की बात कही। बुंदेलखंड से ही ऐसी विभूतियां निकलती हैं। एक ऐसा युवा जो हिन्दू एकात्मता की बात करता हैं। भारत हिन्दू राष्ट्र है उसे बनाना नहीं हैं। इसे सभी को स्वीकार करना है। उन्होंने कहा कि हिन्दू राष्ट्र है, इसलिए भारत सेक्युलर है। यहां सर्व धर्म समभाव की बात होती हैं। विविधता में एकता हिन्दू देखता है। भारत हिन्दू स्टेट नहीं राष्ट्र हैं। हिन्दू एक हो जाएं वो जात-पात से ऊपर उठे। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक होते हुए अपने धर्म स्थलों के प्रति यहां हमें क्यों लडना पड़ता है। हम में एकता की कमी है। उमा ने कहा कि आर्थिक समानता का होने से एकता का भाव आएगा। सभी जातियों के प्रति हमें उदारता दिखानी होगी।

श्यामला हिल्स स्थित निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए उमा भारती ने कहा कि किसानों के गोपालन से ही गाय बचेगी, यह स्पष्ट है। गंगा और अन्य नदियों को बचाना भी पर्यावरण की दृष्टि से भारत के लिए बहुत जरूरी है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा है कि हमारे लिए सबसे बड़ा चैलेंज अपने ही देश का भ्रष्टाचार खत्म करना है। उन्होंने कहा कि जहां आरक्षण है उसके अलावा भी महत्वपूर्ण पदों पर वंचित वर्ग को रख सकते हैं। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को एक होना चाहिए।

फिर उठाया शराबबंदी का मुद्दा

उमा भारती ने शराबबंदी का मामला भी उठाया और कहा कि शराब बंदी बहुत जरूरी है, इसे धीरे-धीरे खत्म किया जा सकता है। इसको लेकर समाज धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। लव जिहाद को लेकर उन्होंने कहा कि अगर लडका धर्म छुपा कर लडकी से मिलता है और शादी के बाद कहता है कि मैं मुसलमान हूं धर्म बदल लो तो यह लव जिहाद है।

जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के भ्रष्टाचरी अफसरो को 3-3 साल का कठोर कारावास

भोपाल। किसान द्वारा 18 हजार रुपये का लोन अदा न करने पर उसकी साढ़े चार एकड़ जमीन को हेराफेरी कर कम कीमत में बेचने वाले जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के चार अधिकारियो जनरल मैनेजर, सेल्स ऑफिसर, कंर्फमिंग अफसर, परचेजर को सजा से दण्डित किया गया है। सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष न्यायालय मनोज कुमार सिंह, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कोर्ट ने आरोपियो को दोषी करार देते हुए 3-3 साल के कठोर कारावास सहित अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। प्रकरण में शासन की और से पैरवी विशेष लोक अभियोजक हेमलता कुशवाह ने की।

ऐसे हेराफेरी कर बेच दी थी किसान की बंधक रखी जमीन

लोक अभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बरई तहसील हुजूर जिला भोपाल में रहने वाले आदिवासी किसान नारायण सिंह द्वारा अपनी खेती की जमीन को साल 1989 मे बंधक रख 18 हजार रुपये का लोन पंप एवं थ्रेशर के लिये लिया था।

बंधक रखी किसान की जमीन को हेराफेरी कर बेच दिया था कम कीमत में

आरोपियो द्वारा 29 मार्च 2000 में किसान की 4.50 एकड जमीन को 1 लाख 10 हजार रूपये मे राजेन्द्र प्रसाद को नीलामी प्रकिया का उल ?लघंन कर बाजार मूल्य एवं कलेक्टर द्वारा

निर्धारित मूल्य से भी काफी कम कीमत पर अपने पद का दुरूप्रयोग करते हुए धोखाधाडी कर नीलामी की कार्यवाही की गई। नीलामी संबंधित नोटशीट के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसकी पुष्टि के लिये संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्था भोपाल को भेजा गया। जहां उनके द्वारा अवैधानिक रूप से नीलामी की पुष्टि आदेश पारित किया गया। बाद में लिखित शिकायत के आधार पर लोकायुक्त द्वारा जॉच कर मामला दर्ज किया गया था। जॉच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया गया। अदालत ने अभियोजन पेश किये गये साक्ष्य, दस्तोवजों, लिखित तर्को से सहमत होते हुये आरोपियो को दोषी करार दिया।

3-3 साल की जेल और अर्थदण्ड की मिली सजा

विशेष लोक अभियोजक हेमलता कुशवाह ने बताया कि कोर्ट ने जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के अधिकारीगण जिनमे विक्रय अधिकारी हरिहर प्रसाद मिश्रा, आर एस गर्ग, पुष्टीकर्ता अधिकारी, हुकुमचंद्र सिंघाई महाप्रबधंक और क्रेता राजेंद्र प्रसाद पाटीदार को धारा 420 सहपठित धारा 120-बी भादवि 13-1(डी) सहपठित 13(2) पीसी एक्ट में दोषी करार देते हुए 3-3 साल का सश्रम कारावास एवं 1-1 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है।

जवाबदेही और लोकतंत्र खतरे में

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश सरकार पर दोहरे मोर्चे से हमला बोला, कहा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश सरकार पर दो मोर्चों पर गंभीर आरोप लगाए। एक ओर उन्होंने राज्य के बजट को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस कार्यकर्ता मनजीत घोषी की गिरफ्तारी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया जताई। बजट को लेकर सिंघार का आरोप, वादा विकास का खर्च और सुविधाओं पर सिंघार ने कहा कि सरकार जनता से आगामी बजट पर सुझाव मांग रही है, जबकि पिछले बजट की राशि का उपयोग ही स्पष्ट नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि किसानों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और युवाओं के लिए न तो पर्याप्त योजनाएं बनीं और ना ही वास्तविक वित्तीय प्रावधान किए गए। नेता प्रतिपक्ष के अनुसार, प्रदेश के विकास के नाम पर घोषणाएं भले ही बड़ी-बड़ी की जाएं, लेकिन असल निवेश हेलीकॉप्टर, चार्टर प्लेन, लग्जरी वाहनों और सरकारी आवासों पर ज्यादा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे सडकें, स्वास्थ्य, शिक्षा और ऊर्जा के लिए आवश्यक बजट लगातार कम किया जा रहा है, जिससे राज्य की वास्तविक जरूरतें अधूरी रह जाती हैं।

सवाल पूछना अपराध नहीं

सिंघार ने कांग्रेस कार्यकर्ता मनजीत घोषी को दिल्ली-राजस्थान पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश से उठाए जाने को लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में चल रही गड़बडियों को लेकर जिस एसआईआर प्रक्रिया पर राज्यभर में असंतोष है, उसी पर सवाल उठाने वाले कार्यकर्ता को गिरफ्तार करना सीधे-सीधे आवाज दबाने की कोशिश है।

हर व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़ी है कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मतदाता सूची में वर्षों पुरानी सूचियों पर काम हो रहा है, नए नाम जुड़ नहीं पा रहे और लोग फॉर्म तक हासिल नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में गलतियों को लेकर सवाल उठाना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनजीत घोषी और लोकतांत्रिक तरीके से सवाल उठाने वाले हर व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़ी है।

प्रदेश की जनता की लड़ाई और तेज होगी

सिंघार ने कहा कि बजट की पारदर्शिता से लेकर मतदाता सूची में सुधार तक, कांग्रेस इन दोनों मुद्दों पर राज्य की जनता के साथ मिलकर संघर्ष करेगी। उन्होंने दावा किया कि सरकार जवाबदेही से बच नहीं पाएगी और सच को दबाने की कोशिशें अब और उजागर होंगी।

पूर्व उपराष्टपति को कोई मंत्री लेने नहीं पहुंचा, ये दुर्भाग्यपूर्ण-दिग्विजय सिंह

भोपाल। पूर्व उपराष्टपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को भोपाल एक कार्यक्रम में शामिल होने आए। श्री धनखड के आगमन को लेकर प्रदेश में राजनीति तेज हो गई है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने सरकार पर वीआईपी प्रोटोकॉल का पालन न करने का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पूर्व उपराष्टपति जगदीप धनखड़ का भोपाल आगमन पर स्वागत है। साथ ही ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद के उच्च सदन में भाजपा आरएसएस के लिए एक तरफा लड़ाई लड़ने वाले जगदीप धनखड़ को भोपाल विमान तल पर कोई भी सरकार का मंत्री रिसीव करने नहीं आया। एक तरह से ये व्हीआईपी प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन है। कायदे से मुख्यमंत्री को उन्हें रिसीव करना चाहिए था, जबकि धनखड़ आरएसएस के कार्यक्रम में शिरकत करने आए हैं। उन्होंने लिखा कि बात वही है भाजपा के नेताओं की एक ही रीति है यूज एंड थ्रो। यानि इस्तेमाल करो और कूड़े दान में डाल दो फिर चाहे वो आरएसएस का ही फॉलोअर क्यों ना हो। दिग्गी ने लिखा कि सवाल ये है कि भाजपा ने जिन्हें उपराष्टपति जैसे गरिमामय पद पर बैठाया वह व्यक्ति मामूली तो नहीं हो सकता और यदि धनखड़ जी उस पद के योग्य नहीं थे तो उन्हें क्यों उपराष्टपति बनाया गया। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि मैंने पूर्व उपराष्टपति जी का कुशलक्षेम जानने के लिए उनसे मिलने का समय मांगा था, अभी तक कोई जवाब नहीं आया। फिलहाल मेरी सहानुभूति जगदीप धनखड़ जी के साथ है क्योंकि वे बड़े किसान नेता हैं और राज्यसभा में हमारे माननीय सभापति थे। मालूम हो कि श्री धनखड शुक्रवार को भोपाल पहुंचे, जहां राजभवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। उनके आगमन पर राजभवन में राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर औपचारिक स्वागत किया। स्वागत के दौरान राजभवन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

आयु सीमा विवाद पर हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी

एमपी एसआई भर्ती में अधिकतम आयु सीमा में दी तीन साल की छूट

भोपाल । मध्य प्रदेश में सुबेदार/उप-निरीक्षक भर्ती 2025 को लेकर युवाओं के लिए बड़ा फैसला आया है। आयु सीमा को लेकर उठे विवाद पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी करते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की अतिरिक्त छूट प्रदान की है। इस आदेश के बाद अब नई आयु सीमा में सामान्य/ ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 36 वर्ष और महिला, ओबीसी, एससी, एसटी वर्ग के लिए 41 वर्ष के प्रतिभागी आवेदन कर सकेंगे।

इस भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 नवंबर को समाप्त हो गई थी, लेकिन आयु सीमा के विवाद के कारण कई अभ्यर्थियों ने

हाई कोर्ट का रुख किया। प्रकरण की सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनीष कुमार ने तर्क दिया कि कोरोनाकाल के बाद भर्ती न होने से अभ्यर्थियों की आयु बढ़ गई है और उन्हें सरकार से पहले की तरह आयु में तीन वर्ष की राहत मिलनी चाहिए। दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश जारी किए कि विभाग याचिकाकर्ता का आवेदन स्वीकार करे, उसे पूरी चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने दिया जाए, लेकिन परिणाम तब तक घोषित न किया जाए जब तक हाई कोर्ट अनुमति न दे। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अनुमति केवल अंतरिम रूप से दी गई है और पूरी प्रक्रिया कोर्ट के अंतिम निर्णय पर निर्भर रहेगी।

अन्य अभ्यर्थियों में भी बढ़ी उम्मीद

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश उन अन्य अभ्यर्थियों के लिए भी उम्मीद की किरण है, जो आयु सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। यदि आगामी सुनवाई में हाई कोर्ट स्थायी रूप से आयु में छूट को मंजूरी देता है, तो संभव है कि सरकार को आवेदन तिथि फिर से खोलनी पड़े या आयु सीमा में संशोधन करते हुए नया आदेश जारी करना पड़े।

नोटिस जारी, चार सप्ताह में मांगा जवाब

कोर्ट ने राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। नोटिस आरएडी/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से सात कार्यदिवस के भीतर भेजे जाने होंगे, अन्यथा याचिका स्वतः निरस्त मानी जाएगी। प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय प्रदान किया गया है। प्रकरण को अब नोटिस तामील होने के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा।

कांग्रेस और भाजपा का मालवा निमाड़ पर फोकस

- बड़े पदों पर यहां के नेता काबिज

भोपाल। प्रदेश में सत्ता का रास्ता मालवा-निमाड़ की सीटों से होकर गुजरता है। 66 विधानसभा क्षेत्रों में जिस पार्टी ने ज्यादा सीटें जीती। सरकार उसी दल की बनी। इसके चलते अब भाजपा और कांग्रेस मालवा निमाड़ को मजबूत करने में जुट गई है। कांग्रेस ने प्रदेश महिला कांग्रेस की कमान इंदौर निवासी रीना बौरासी को सौंपी है। दोनों दलों ने अपने संगठन के कई प्रमुख पदों पर इस क्षेत्र के नेताओं को नियुक्त किया है। रीना बौरासी पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डू की बेटी है। उन्होंने सांवेर से कांग्रेस के टिकट पर पिछला चुनाव लड़ा था, लेकिन मंत्री तुलसी सिलावट ने उन्हें हरा दिया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी इंदौर के राऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी निमाड़ क्षेत्र की आदिवासी सीट गंधवानी से विधायक हैं। कांग्रेस के तीन बड़े पद मालवा निमाड़ के खाते में आ चुके हैं। इसके अलावा आगर से विधायक रह चुके विपिन वानखेड़े को भी इंदौर जिले की कमान पटवारी पहले ही सौंप चुके हैं। भाजपा ने भी इंदौर और उज्जैन संभाग को संगठन की दृष्टि से चार भागों में बांटा है। पहले दोनो संभागों में एक-एक संगठन प्रभारी होते थे, लेकिन इस बार इंदौर और उज्जैन के अलावा मंदसौर व निमाड़ में भी संगठन प्रभारी बनाए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन से विधायक हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मंदसौर क्षेत्र के विधायक हैं। सरकार में भी दोनों महत्वपूर्ण पद मालवा के हिस्से में आए हैं।

मुख्य वन संरक्षक कार्यालय परिसर से चंदन का 3 पेड़ चोरी

भोपाल। समूचे प्रदेश में वनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला वन विभाग अपने ही कार्यालय के पेड़ कटने की घटना के बाद सवालों के घेरे में आ गया है। राजधानी में सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 74 बंगला क्षेत्र में स्थित मुख्य वन संरक्षक कार्यालय परिसर में चोरों ने तीन चंदन के पेड़ काट डाले, जिनमें से एक को उठा ले जाने में वे सफल भी रहे। शहर के सबसे सुरक्षित 74 बंगला क्षेत्र में स्थित मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) कार्यालय परिसर से चोर चंदन का पेड़ काटकर ले गए। आश्चर्य की बात यह है कि यह वही विभाग है जिसके पास प्रदेश के वनों और पेड़ों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। देर रात अज्ञात चोरों ने कार्यालय परिसर में खड़े तीन चंदन के पेड़ों को आरी से काट डाला, जिनमें से एक पेड़ को उठाकर ले जाने में चोर सफल रहे, जबकि बाकी दो पेड़ वहीं कटे हुए मिले। घटना का पता सुबह कर्मचारियों की मौजूदगी के बाद चला। इसके बाद वन विभाग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जहां चोरी हुई है वह इलाका राजधानी के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्व पदाधिकारियों के सरकारी आवास स्थित हैं। चोरी हुई जगह के पास प्रदेश सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के सरकारी निवास है, जहां 24 घंटे सुरक्षा बल तैनात रहता है। ऐसे इलाके में पेड़ काटकर ले जाने की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और इमारतों एवं सड़क के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चोर किस मार्ग से परिसर में घुसे और बिना किसी की नजर में आए पेड़ लेकर कैसे निकल गए।

टी 20 विश्वकप 2026 : भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए) इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी) ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी) इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी) साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

कमजोर गेंदबाजी और कप्तानी की गलतियों से इंडिया ए की सेमीफाइनल में हार

नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार 2025 के पहले सेमीफाइनल में इंडिया ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सुपर ओवर में दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में मैच टाई होने के बाद भी टीम इंडिया ए अंत में जीत हासिल नहीं कर सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टॉस जीतकर इंडिया ए के कप्तान जितेश शर्मा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन यह निर्णय मैच के दौरान कई बार गलत साबित होता दिखा। बांग्लादेश ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 194 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में इंडिया ए ने भी उतनी ही संख्या में रन बनाए, लेकिन कई गलतियों ने टीम को जीत से दूर कर दिया।

मैच का सबसे बड़ा मोड़ आखिरी दो ओवरों में आया, जहां भारतीय गेंदबाज पूरी तरह विफल साबित हुए। 18वें ओवर तक ऐसा लग रहा था कि बांग्लादेश की टीम 150-160 रन के बीच ही रुक जाएगी, लेकिन नमन धीर और विजयकुमार वैश्यक ने मिलकर आखिरी 12 गेंदों में 50 रन लुटा दिए। नमन धीर ने 19वां ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने अकेले 28 रन दे दिए। इस ओवर में एसएम मेहरोब ने लगातार बड़े शॉट लगाते हुए मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद अंतिम ओवर में भी भारतीय गेंदबाज रन रोकने में नाकाम रहे और बांग्लादेश ए ने 22 रन जोड़कर मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली।

इंडिया ए की हार का दूसरा बड़ा कारण नेहाल वढेरा की बेहद धीमी पारी रही। वढेरा अंत तक क्रीज पर टिके रहे, लेकिन 29 गेंदों पर सिर्फ 32 रन बनाकर उन्होंने टीम के रनरेट पर भारी दबाव डाल दिया। जब टीम को तेजी से रन की जरूरत थी, तब वढेरा बड़े शॉट खेलने में असफल रहे। उनकी सुस्ती ने दूसरे बल्लेबाजों पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ा दिया और टीम को लक्ष्य का पीछा करने में मुश्किलें आईं। कप्तान जितेश शर्मा की रणनीति भी हार की अहम वजह बनी। पहले गेंदबाजी का फैसला तो गलत साबित हुआ ही, लेकिन सुपर ओवर में लिए गए निर्णय ने मैच पूरी तरह बांग्लादेश की झोली में डाल दिया। सुपर ओवर में जितेश ने खुद बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद आशुतोष शर्मा भी बिना रन बनाए आउट हो गए। इस तरह इंडिया ए सुपर ओवर में मुकाबला खत्म होने से पहले ही दबाव में टूट गई और बांग्लादेश को सिर्फ एक रन का आसान लक्ष्य मिल गया। इन तीन बड़ी गलतियों खराब गेंदबाजी, धीमी बल्लेबाजी और गलत कप्तानी ने मिलकर इंडिया ए के फाइनल तक पहुंचने के सपने पर विराम लगा दिया।

एशेज देखकर बढ़ी नाराज़गी : बावुमा बोले, भारत के खिलाफ हम लंबी टेस्ट सीरीज़ डिजर्व करते हैं

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी दो टेस्ट मैचों की छोटी सीरीज़ ने प्रोटियाज़ कप्तान टेम्बा बावुमा की नाराज़गी को साफ तौर पर सामने ला दिया है। बावुमा का कहना है कि मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन होने के बावजूद उनकी टीम को भारत जैसी दिग्गज टीम के खिलाफ सिर्फ दो मैच खेलने पड़ रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया एशेज़ जैसी पांच मैचों की प्रतिष्ठित सीरीज़ का आनंद उठा रहे हैं। बावुमा को लगता है कि दो मजबूत रेड-बॉल टीमों के बीच इतनी छोटी सीरीज़ न तो खिलाड़ियों के लिए न्यायसंगत है और न ही दर्शकों के लिए। बावुमा ने गुवाहाटी में मीडिया से बातचीत के दौरान खुलकर कहा कि एशेज़ टेस्ट देखकर उन्हें 'थोड़ी जलन' महसूस हुई। उन्होंने बताया, आज सुबह उठकर एशेज देखा। उन्हें पाँच टेस्ट खेलते देख जलन हुई। वे एक-दूसरे पर हावी होते हैं और हमें सिर्फ दो मैच मिले हैं।卐 उनके इस बयान से साफ है कि मौजूदा सीरीज़ की सीमा उन्हें खल रही है और वे चाहते हैं कि दक्षिण अफ्रीका को भी भारत के खिलाफ लंबी सीरीज़ मिले।

कप्तान ने उम्मीद जताई कि भविष्य में दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेलने का मौका मिलेगा। उनका मानना है कि मजबूत टीमों के बीच लंबी सीरीज़ ही असली टेस्ट क्रिकेट का मज़ा देती है, जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्शन कर सकते हैं। बावुमा ने कहा कि छोटी सीरीज़ में रोमांच अधूरा रह जाता है और अक्सर परिणाम भी स्पष्ट नहीं निकल पाता। दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ में ड्रॉ की संभावना ज्यादा रहती है और टीमों को असली मुकाबले का मौका कम मिलता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि टेस्ट सीरीज़ की लंबाई खिलाड़ी नहीं बल्कि क्रिकेट बोर्ड और उनके कमर्शियल हित तय करते हैं। एशेज़, बॉर्डरङ्कगावस्कर ट्रॉफी या भारतङ्कइंग्लैंड जैसी बड़ी और आर्थिक रूप से फायदेमंद सीरीज़ को पाँच टेस्ट मिलते हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज और बांग्लादेश जैसी टीमों के साथ अधिकतर सीरीज़ सिर्फ दो टेस्ट की होती हैं। बावुमा का मानना है कि यह असंतुलन टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को प्रभावित करता है।

बावुमा ने अंत में कहा कि बदलाव की सबसे बड़ी कुंजी टीम का प्रदर्शन है। साउथ अफ्रीका मैदान पर लगातार अच्छा खेलकर ही अन्य देशों को लंबी टेस्ट सीरीज़ खेलने के लिए मजबूर कर सकता है। उनके अनुसार, मजबूत प्रदर्शन ही वह राह है, जिससे प्रोटियाज़ टीम को बड़े मुकाबले और लंबी सीरीज़ मिल सकेंगी।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद : वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा। दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया।

40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए।

बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की।

पूरे साल खुली रहे आईपीएल ट्रेड विंडो

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए नीलामी नहीं होनी चाहिये। उथप्पा का ये भी मानना है कि लीग करीब 6 महीने की होनी चाहिए, जबकि अभी करीब ढाई महीने तक चलती है। उनका कहना है कि नीलामी का तरीका समाप्त करते हुए पूरे साल ट्रेड विंडो खुली रहनी चाहिये और इसमें ड्राफ्ट सिस्टम होना चाहिए। इस बीच में ही अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी होनी चाहिये। अपनी करियर में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे इस बल्लेबाज ने कहा, वे इसे स्टार्ट-अप स्टेज से आगे नहीं ले जा रहे हैं और यह हैरान करने वाला है। आप विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के तौर पर सामने आये हैं। अब बस इसे जारी रखें। उथप्पा ने साथ ही कहा, नीलामी बंद करें और पूरे साल ट्रेड विंडो खुली रखें। ड्राफ्ट बनाएं और निलामी समाप्त करें। साथ ही कहा कि वे ये मांग अपने खेलने के दिनों से ही कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा, वे टीवी के लिए एंटरटेनमेंट माइंडसेट से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। यहां तक कि एक ड्राफ्ट भी बढ़िया टीवी हो सकता है। आप अपने प्रशंसक को जोड़ेंगे और उनका साथ हासिल करेंगे। बस इसे शुरू करें। उथप्पा पहले संस्करण से आईपीएल खेल रहे थे, उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू किया और 2022 में आखिरी संस्करण चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेला।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है।

वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

स्टार्क का चमत्कारिक कैच, जैक क्राउले दोनों पारियों में खाता भी न खोल सके

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी पेसर मिचेल स्टार्क ने एशेज 2025-26 के पहले टेस्ट में ऐसा हैरतअंगेज कैच पकड़ा कि दर्शक ही नहीं, क्रिकेट विशेषज्ञ भी दंग रह गए। 35 साल के स्टार्क भले ही उम्र में वरिष्ठ हों, लेकिन उनका जोश, फिटनेस और फुर्ती किसी युवा खिलाड़ी से कम नहीं दिखी। उनकी इस शानदार फील्डिंग ने इंग्लैंड के ओपनर जैक क्राउले को दोनों पारियों में बिना खाता खोले पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया।

पहली पारी में जैक क्राउले सिर्फ 6 गेंद खेलकर उस्मान ख्वाजा के हाथों स्लिप में कैच आउट हुए थे। गेंदबाज तब भी मिचेल स्टार्क ही थे। उम्मीद थी कि दूसरी पारी में क्राउले बेहतर शुरुआत करेंगे, लेकिन स्टार्क ने उन्हें एक बार फिर चकमा दिया। इस बार विकेट और भी नाटकीय तरीके से गिरा। पांचवीं गेंद पर क्राउले ने ड्राइव खेला, गेंद हवा में उछली और स्टार्क ने अपने बाएं ओर तेजी से छलांग लगाते हुए एक हाथ से अविश्वसनीय कैच लपका। उनका यह कैच मैच का सबसे शानदार क्षण माना जा रहा है।

स्टार्क की गेंदबाजी भी उतनी ही घातक साबित हो रही है जितनी उनकी फील्डिंग। टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से वे पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन चुके हैं। इस मैच में क्राउले का विकेट लेकर स्टार्क ने अपना रिकॉर्ड और मजबूत कर लिया। उनके नाम अब टेस्ट क्रिकेट में पारी के पहले ओवर में 25 विकेट दर्ज हो चुके हैं। इस सूची में उनके बाद इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन (19 विकेट) और वेस्टइंडीज के केमार रोच (10 विकेट) का नाम आता है।

दिलचस्प बात यह है कि इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के दो अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस उपस्थित नहीं हैं। ऐसे में स्टार्क पर गेंदबाजी की अतिरिक्त जिम्मेदारी है। वे स्कॉट बोलैंड, ब्रैंडन डोगेट और कैमरन ग्रीन के साथ मिलकर आक्रमण संभाल रहे हैं। इसके बावजूद उनका प्रदर्शन दर्शाता है कि वे अकेले दम पर भी मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। स्टार्क का यह शानदार कैच और घातक गेंदबाजी एशेज के पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ले गई है, और इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि इस दिग्गज गेंदबाज से कैसे निपटें।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 卐बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।卐

उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 卐हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।卐 भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा ,'' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा ,'' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।''

गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे।

कोटक ने कहा कि ये अजीब बात है कि गंभीर के अलावा किसी से सवाल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा,'' कोई यह नहीं कह रहा कि बल्लेबाजों ने यह किया या गेंदबाजों ने गलती की या हम बल्लेबाजी में कुछ और कर सकते थे।'' उन्होंने यह स्वीकार करने के लिये गंभीर की सराहना की कि उन्होंने ऐसी ही पिच मांगी थी । उन्होंने कहा,'' पिछले मैच में गंभीर ने सारा दोष अपने पर ले लिया। उसने कहा कि उसने ऐसा इसलिये किया क्योंकि उसे लगा कि क्यूरेटरों को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिये।'' कोटक का मानना है कि पिछले 15 साल में तकनीक और मानसिकता में बदलाव अधिक टी20 क्रिकेट खेलने से आया है। उन्होंने कहा ,'' अब दुनिया भर में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो तीनों प्रारूप खेलते हैं पर तीनों प्रारूपों में खेलने की तकनीक अलग अलग होती है। टेस्ट मैच में फुटवर्क पर काफी जोर रहता है जबकि टी20 में पावर हिटिंग पर जोर रहता है, इसलिए बल्लेबाजों के असफल होने पर पिच या कोच को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है ।

नए श्रम कानून लागू...समय पर सैलरी और न्यूनतम सैलरी, ग्रेच्युटी का लाभ और सोशल सिक्योरिटी

नई दिल्ली। सालों से इंतजार किए जा रहे 4 नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदला हुए हैं। 29 श्रम कानूनों को खत्म करके 4 नए कानून पेश किए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं। इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT
सत्यमेव जयते

सोशल सिक्योरिटी

नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह किया गया हैं कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा।

समय पर सैलरी और न्यूनतम सैलरी

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी मिलेगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत किया गया, ताकि कोई भी सैलरी इतना कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो जाए।

फ्री में हेल्थ चेकअप

40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप होगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

महिलाएं सभी जगह काम कर सकेंगी

महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर पैदा होने है। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना।.

सभी को समान वेतन

महिला-पुरूष भेदभाव कानूनी तौर पर नकारा गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने का अधिकार होगा।

मिनिमम सैलरी की गारंटी

सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर पत्र देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य होगा। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

सभी को बराबर सैलरी

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ मिलेगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं।

पीएफ, पेंशन और बीमा का लाभ

सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी।

ग्रेच्युटी का लाभ

नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी मिलेगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी (एफटीई) और कॉन्ट्रैक्ट मजूदर को मिलेगा।

पुलवामा जिले में आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े व्यक्ति की अचल संपत्ति को अटैच किया

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवाद के खिलाफ लगातार बड़ी कार्रवाई हो रही है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अवंतीपोरा के त्राल इलाके में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अचल संपत्ति को अटैच किया है। पुलिस के मुताबिक, यह प्रॉपर्टी मुबाशिर अहमद नाम के व्यक्ति की है, जो लंबे समय से पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से चल रहे आतंकवादी नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। उस पर आतंकवाद को बढ़ावा देने, तनाव फैलाने और लोगों को भड़काने का आरोप है। बताया जा रहा है कि मुबाशिर अहमद जम्मू-कश्मीर का ही रहने वाला है, लेकिन वह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बैठे आतंकियों के इशारों पर काम करता था। उसका मुख्य रोल आतंकियों तक हथियार और गोला-बारूद पहुंचाना, स्थानीय नेटवर्क को सक्रिय करना और इलाके में फिर से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देना था।

पुलिस के अनुसार, वह कई बार ऐसे मामलों में संदिग्ध पाया गया और स्थानीय युवाओं को आतंकी संगठनों से जोड़ने की कोशिश करता था। ठोस सबूत मिलने के बाद उसकी संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई की गई।

पुलिस ने बताया कि जांच अभी भी जारी है और यह देखा जा रहा है कि मुबाशिर अहमद किन-किन लोगों के संपर्क में था और उसके नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हो सकता है।

जम्मू कश्मीर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। गैर-कानूनी या आतंकवादी संगठन से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा रहा है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने में जुटी रेखा सरकार... बांटेगी 10,000 इलेक्ट्रिक हीटर

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) में बदलाव कर प्रदूषण-नियंत्रण उपायों को सख्त किया है। यह फैसला तब आया है जब दिल्ली की हवा लगातार 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

ग्रैप पूरे एनसीआर के लिए एक आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था है, जो औसत दैनिक एक्यूआई स्तर और दिल्ली के मौसम के अनुमान पर आधारित है। इसका मकसद है कि जब हवा की स्थिति खराब हो, तब कई एजेंसियां, विभाग और अधिकारी मिलकर समन्वित ढंग से कार्रवाई करें।

सीएक्यूएम ने ग्रैप के शेड्यूल में बदलाव किया है। अब पहले की तरह 4 चरण नहीं है। ग्रैप में सिर्फ 3 चरण है। स्टेज 4 अब प्रोटोकॉल से हटा दिया गया है। इसका मतलब यह है कि जब ग्रैप स्टेज 3 लागू होगा, यानी एक्यूआई 401ङ्क450 के बीच रहेगा, तब पहले ग्रैप स्टेज 4 के तहत होने वाले सभी सख्त कदम अब इसी स्टेज 3 में लागू कर दिए जाएंगे।

नए बदलावों के तहत

-बिजली की सप्लाई बिना रुकावट देना ताकि लोग डीजल जेनरेटर का इस्तेमाल न करें। ट्रैफिक जाम वाले इलाकों में अतिरिक्त स्टाफ लगाकर ट्रैफिक को सुचारू करे, अखबार, टीवी और रेडियो के जरिए प्रदूषण अलर्ट जारी करना, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाना सीएनजी/इलेक्ट्रिक बसें बढ़ाना, मेट्रो की फ्रीक्वेंसी बढ़ाना और ऑफ-पीक

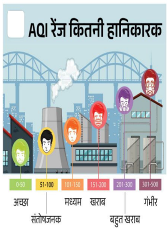

समय में अलग किराया लागू करना। इसके अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में सरकारी और नगर निगम कार्यालयों के समय बदलना है। इतना ही नहीं एनसीआर के अन्य जिलों में भी राज्य सरकारें यही कदम उठा सकती हैं। वहीं केंद्र सरकार भी अपने दफ्तरों में समय बदलने पर विचार कर सकती है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सरकार ने एक और सकारात्मक कदम उठाया है। दिल्ली में प्रदूषण के स्रोतों में कोयला और लकड़ी का जलना भी शामिल है। इस कम करने के लिए हमने आरडब्ल्यूए को 10,000 इलेक्ट्रिक हीटर बांटने का फैसला किया है और लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे लकड़ी न जलाएं और प्रदूषण न बढ़ाएं।

लूटेरी दुल्हन का पर्दाफाश : 15 युवकों से शादी कर 52 लाख की ठगी, पूरी गैंग गिरफ्तार

मेहसाणा। हिन्दू धर्म में विवाह को एक पवित्र संस्कार माना गया है, लेकिन इसी परंपरा को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला महेसाणा पुलिस ने उजागर किया है। यहां एक लुटेरी दुल्हन ने शादी का झांसा देकर एक नहीं बल्कि 15 युवकों को ठगी के जाल में फंसाकर 52 लाख रुपये लूट लिए। जांच में सामने आया है कि युवती अकेली नहीं थी, बल्कि पूरी गैंग के साथ मिलकर यह गोरखधंधा चला रही थी।

पुलिस ने लुटेरी दुल्हन समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। युवती पर आरोप है कि वह शादी के बाद रुपये और गहने लेकर फरार हो जाती थी, और जब पीड़ित युवक पैसे वापसी की मांग करते थे तो युवती दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने की धमकी देती थी। 12 अगस्त 2024 को एक युवक ने अहमदाबाद की 'चांदनी रमेश राठौड़' से विवाह किया था। शादी से पहले और शादी के दौरान आरोपियों ने पीड़ित से 5 लाख रुपये, सोने-चांदी के गहने, कपड़े और मोबाइल फोन ले लिए थे।

शादी के चार दिन बाद ही चांदनी का कथित जीजा राजू ठक्कर आदीवाड़ा गांव आया और चांदनी के पिता बीमार होने का बहाना बनाकर उसे अपने साथ ले गया। इसके बाद चांदनी वापस नहीं लौटी और उसका मोबाइल भी बंद हो गया। इससे युवक को शक हुआ। जांच में पता चला कि चांदनी राठौड़ और राजू ठक्कर असल में दलाल थे। चांदनी की मां सविता और रश्मिका नाम की एक महिला भी इस कांड में शामिल थीं। चारों ने मिलकर युवक से ठगी की थी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि यह सिर्फ एक युवक के साथ ही नहीं, बल्कि युवती ने कुल 15 युवकों से शादी कर उनसे लाखों रुपये ऐंठे। हर बार फर्जी नाम और फर्जी आधार कार्ड व स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट बनाकर ठगी की जाती थी। पैसे मिलते ही दुल्हन गायब हो जाती थी। अनुमान है कि इस गैंग ने कुल मिलाकर लगभग 52 लाख रुपये और भारी मात्रा में गहने लूटे हैं। चारों आरोपी फिलहाल पांच दिन की पुलिस रिमांड पर हैं।

यह गैंग वाव-थराद, साबरकांठा, पाटण, अहमदाबाद, राजकोट, गीर-सोमनाथ, खेड़ा, महेसाणा, मोरबी, गांधी नगर सहित कई जिलों में दूल्हा खोजने वालों को अपना निशाना बनाती थी। घटना उजागर होते ही कई अन्य पीड़ित भी सामने आए हैं, जिन्होंने इसी गैंग द्वारा शादी के नाम पर लूटे जाने की शिकायतें दर्ज करवाई हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पर पूर्ण विराम लगाने के लिए ट्रंप के 28 सूत्रीय पीस प्लान पर चर्चा को तैयार हैं पुतिन

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पर पूर्ण विराम लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार के 28 सूत्रीय पीस प्लान को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रतिक्रिया सामने आई है। पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन पर अमेरिका के प्रस्तावित 28 सूत्रीय शांति योजना के डिटेल्स पर ठोस चर्चा के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि अमेरिका से मिला नया शांति प्रस्ताव अंतिम समझौते का आधार बन सकता है और रूस इसके सभी पहलुओं पर चर्चा को तैयार है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस को अमेरिकी सरकार के साथ कम्युनिकेशन के मौजूदा चैनलों के जरिए यह प्लान मिला है। उन्होंने आगे कहा कि यह अंतिम शांति समझौते का आधार बन सकता है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि मॉस्को शांति वार्ता और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के साथ-साथ प्रस्तावित प्लान के सभी डिटेल्स पर एक ठोस चर्चा के लिए तैयार है। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका के नए 28-पॉइंट शांति प्रस्ताव पर सहमति का दबाव यूक्रेन के इतिहास के सबसे कठिन फैसलों में से एक है। बता दें, इस साल अगस्त में अमेरिका के अलास्का में पुतिन और ट्रंप की मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत की। हालांकि, बातचीत का कोई हल नहीं निकला और तब से यह मुद्दा वहीं अटका हुआ है। दूसरी ओर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने लोगों से कहा था कि यूक्रेन अपने इतिहास के कुछ सबसे मुश्किल फैसलों का सामना कर रहा है। अमेरिका द्वारा तैयार किए गए नए 28-पॉइंट शांति प्लान पर सहमत होने के लिए उनके देश पर दबाव यूक्रेन के इतिहास के सबसे मुश्किल पलों में से एक बन रहा है।

बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकंग मामले में 7 लोग दोषी करार, 24 को सुनाई जा सकती है सजा

वाराणसी। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में 7 लोगों को दोषी करार दिया है। इसी मामले के 8 आरोपियों को संदेह का लाभ मिला और उन्हें दोषमुक्त करार दिया गया। दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है।

गौरतलब है कि बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इस गिरोह के 10 सदस्यों को झारखंड, राजस्थान और यूपी के बनारस से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर अगवा कर बेचे गए तीन बच्चों को बरामद किया गया था। पुलिस ने तब बच्चे को अगवा करने में इस्तेमाल कार को भी बरामद कर सीज किया था। इन आरोपियों में गिरोह का मास्टर माइंड समेत तीन महिलाएं भी शामिल रही हैं।

अशोक चौधरी ने किया पदभार ग्रहण तो सम्राट चौधरी को है सोमवार का इंतजार

पटना। बिहार में नीतीश सरकार के मंत्रियों के शपथ लेने और विभागों के बंटवारे के बाद अब पदभार ग्रहण करने का सिलसिला शुरु हो चुका है। कुछ ने जहां पदभार ग्रहण कर लिया तो कई मंत्री इसके लिए ग्रह नक्षत्र और शुभ मुहूर्त निकलवाने में लगे हुए हैं। इसके चलते कई मंत्री शनिवार को पदभार ग्रहण नहीं करने का निर्णय ले चुके हैं, उन्हें डर है कहीं उन पर शनिचर ग्रह हावी न हो जाए। बहरहाल जिन्हें इन सब से फर्क नहीं पड़ता वो तो शनिवार को ही शुभ मुहूर्त देख पदभार ग्रहण कर रहे हैं। मंत्री अशोक चौधरी ने शनिवार सुबह 11 बजे ग्रामीण कार्य विभाग का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसी प्रकार उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश ने पंचायती राज विभाग का पदभार ग्रहण कर लिया है। दीपक पहली बार मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस बार मंत्रियों के विभागों में खास बात यह है कि 20 साल बाद नीतीश कुमार गृह विभाग छोड़ने को राजी हुए हैं। अब इस विभाग को भाजपा के खाते में डाला गया है। दरअसल डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। सम्राट चौधरी सोमवार 1 बजे पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं भाजपा ने वित्त विभाग जेडीयू के खाते में डाला है। इसलिए बिजेंद्र यादव अब ऊर्जा के साथ ही वित्त विभाग की जिम्मदारी भी संभालेंगे। मंगल पांडे एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने को तैयार हैं। भू राजस्व एवं खनन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे विजय सिंह सोमवार को ही विभाग का पदभार ग्रहण करेंगे। इनके अलावा पथ निर्माण एवं नगर विकास विभाग मंत्री नितिन नवीन, भाजपा विधायक एवं बिहार में कृषि विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले रामकृपाल यादव और स्वास्थ्य एवं विधि विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले मंगल पांडे भी सोमवार को ही पदभार ग्रहण करेंगे।

टू-व्हीलर की स्पीड लिमिट, हेलमेट और सेफ्टी हार्नेस होना जरूरी

-कर्नाटक हाईकोर्ट ने सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स लागू करने के दिए निर्देश

बैंगलुरु,। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स, 2022 के रूल 138 (7) को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। यह रूल छोटे बच्चों को पीछे बैठाने वाली बाइकों के लिए मैक्सिमम स्पीड लिमिट तय करता है। उनके लिए हेलमेट और सेफ्टी हार्नेस जरूरी बनाता है। चीफ जस्टिस विभु बाखरू और जस्टिस सीएम पूनाचा की एक डिवीजन बेंच ने कहा कि कुछ शुरुआती कदमों के बावजूद, नियम अभी तक असरदार तरीके से लागू नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंच ने कहा कि हम इसके हिसाब से राज्य को यह पक्का करने के लिए तुरंत कदम उठाने का निर्देश देकर याचिका का निपटारा करते हैं कि यह नियम लागू हो। यह आदेश डॉ. अर्चना भट की याचिका के जवाब में आया, जिसमें 9 महीने और उससे ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए खास हेलमेट और सेफ्टी हार्नेस की उपलब्धता पक्का करने के लिए निर्देश मांगे गए थे। राज्य ने कोर्ट को बताया कि उसने बच्चों की सुरक्षा, हेलमेट के इस्तेमाल और हार्नेस सिस्टम पर जागरूकता कैंपेन शुरू किया है। हालांकि उसने माना कि बच्चों के लिए सेफ्टी हार्नेस अभी आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस और कमिश्नर फॉर ट्रैफिक एंड रोड सेफ्टी ने बाइक और हेलमेट बनाने वालों के साथ एक बैठक बुलाई थी।

राज्य के मुताबिक सेफ्टी हार्नेस और बच्चों के क्रैश हेलमेट दोनों अभी भी रिसर्च और डेवलपमेंट स्टेज पर हैं और टेस्टिंग में 5 से 6 महीने लगने की उम्मीद है। इसका जवाब देते हुए बेंच ने कहा कि असल में यह कहा गया है कि इक्विपमेंट उपलब्ध नहीं है और इस पर रिसर्च चल रही है, इसे डेवलप नहीं किया गया है। हम राज्य को जल्द से जल्द और बेहतर होगा कि 6 महीने के अंदर कदम उठाने का निर्देश देना जल्दबाजी मानते हैं।

ट्रंप और ममदानी के मुलाकात पर शशि थरुर ने कांग्रेस को आईना दिखाया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान मामदानी के बीच हुई मुलाकात पर अपनी राय दी है। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव से पहले ट्रंप और मामदानी दोनों ने एक-दूसरे पर खूब निशाना साधा था, लेकिन वाइट हाउस में शुक्रवार को हुई उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। मुलाकात के एक वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि लोकतंत्र को इसतरह काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भारत में इस तरह का माहौल देखना पसंद करुंगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा, चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए जोश के साथ लड़ें। बिना किसी अलंकारिक रोक के विरोध किया। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हुआ और जनता अपना फैसला सुना चुकी हो, तब उस राष्ट्र के सामान्य हित में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। जनता की सेवा करने के लिए आप दोनों प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत में भी इसतरह की कोशिश के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि मुलाकात बहुत ही उत्पादक रही और उम्मीद जाहिर की कि न्यूयॉर्क को एक महान मेयर मिलेगा। ट्रंप ने ममदानी की प्रशंसा कर कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डेमोक्रेट नेता अच्छा काम करेगा और कुछ रूढ़िवादी लोगों को आश्चर्यचकित करेगा। जब एक रिपोर्टर ने ममदानी से पूछा कि क्या इसकी पुष्टि करेगा, कि ट्रंप फासीवादी हैं, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाकिया लहजे में कहा कि मेयर हां में जवाब दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, यह ठीक है। आप कह सकते हैं। यह समझाने से आसान है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

बता दें कि थरूर की कुछ टिप्पणियों ने अतीत में कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल मचा दी थी। थरूर ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रामनाथ गोयनका व्याख्यान आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान दोनों के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बुखार और खांसी से जूझने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान दर्शकों में शामिल होकर खुशी हुई।

कैसे हुआ तेजस लड़ाकू विमान क्रैश...कॉकपिट से डेटा मिलने के बाद होगा खुलासा

नई दिल्ली। दुबई एयर शो 2025 के दौरान बड़ा विमान हादसा हुआ है। एयर शो के दौरान भारतीय तेजस लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। घटना की प्रकृति को देखकर डिफेंस जानकार कैप्टन अनिल गौर (रिटायर्ड) ने अनुमान लगाया कि यह हादसा पायलट के कंट्रोल खोने के कारण हुआ हो सकता है।

दरअसल, कैप्टन गौर ने कहा कि क्रैश का सही कारण कॉकपिट से डेटा मिलने के बाद सामने आएगा। इस हादसे में विंग कमांडर नमन स्याल की दुखद मौत हो गई। पायलट के परिवार के प्रति संवेदना जताकर कैप्टन गौर ने कहा कि यह दुख की बात है कि दुबई एयर शो के दौरान हमारा तेजस जेट क्रैश हो गया और हमारे बहादुर पायलट की जान गई। विजुअल्स से ऐसा लगता है कि जेट ने एक्रोबेटिक्स के दौरान कंट्रोल खो दिया, या हो सकता है कि पायलट ब्लैकआउट हो गया हो। बता दें कि ब्लैकआउट का मतलब अधिकतम गुरुत्वाकर्षण बल से है। कैप्टन गौर ने कहा कि पायलट हमेशा जी-सूट पहनते हैं जिससे उनके पैरों में खून न जमा हो। उन्होंने संभावना जाहिर की कि हो सकता है कि उसमें कोई दिक्कत हो। असल में क्या हुआ, यह कॉकपिट डेटा मिलने के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि अधिक जी फोर्स के कारण शरीर के निचले हिस्से में खून जमा हो सकता है, जिससे पायलट ब्लैकआउट हो सकता है। बात दें कि वायुसेना ने दुबई एयर शो 2025 में एक तेजस एयरक्राफ्ट के क्रैश होने और उसमें आग लगने के बाद पायलट की मौत की पुष्टि की। वायुसेना ने पोस्ट कर बताया कि आज दुबई एयर शो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक आईएफए तेजस एयरक्राफ्ट का दुर्घनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की जान चली है। आईएएफ को जान के नुकसान पर गहरा दुख है और इस दुख की घड़ी में वह दुखी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में मतदान से पहले बीजेपी के 100 पार्षदों के निर्विरोध जीत का दावा

मुंबई,। बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ही राज्य की नगरपालिका परिषदों और नगर पंचायतों में सत्तारूढ़ दल के 100 पार्षदों के निर्विरोध चुने जाने का दावा किया है। चह्वाण ने कहा कि तीन उम्मीदवार नगरपालिका परिषदों के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए हैं। चव्हाण ने नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख को कहा की पीएम मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में वास्तविक मतदान से पहले ही 100 से ज्यादा बीजेपी पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन 100 पार्षदों में से चार तटीय कोंकण क्षेत्र से, 49 उत्तरी महाराष्ट्र से, 41 पश्चिमी महाराष्ट्र से और तीन-तीन मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों से हैं। राज्य के 246 नगरपालिका परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए चुनाव 2 दिसंबर को होना हैं और मतगणना 3 दिसंबर को होगी। हालांकि, चुनावी मुकाबले से पहले का दौर कुछ बीजेपी नेताओं के रिश्तेदारों की बिन मुकाबला हुई जीतों से प्रभावित रहा। इसका एक आम तरीका यह दिखा कि प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार मैदान से हटते गए।

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि बीजेपी की वंशवादी राजनीति की परंपरा अब जमीनी स्तर के चुनावों तक पहुंच गई है और नेताओं के रिश्तेदारों की निर्विरोध जीत तय करने के लिए पुलिस तंत्र पर दबाव डाला गया। जामनेर में जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन की पत्नी साधना महाजन, कांग्रेस उम्मीदवार रूपाली लालवानी और दो राकांपा उम्मीदवारों के चुनाव से हटने के बाद नगरपालिका परिषद अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध चुनी गईं। विपणन मंत्री जयकुमार रावल की मां नयन कुंवर रावल, धुले जिले में दोंडाइचा-वरवडे नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष चुनी गईं क्योंकि विपक्षी उम्मीदवार शरयू भावसार का नामांकन खारिज कर दिया था।

भावसार ने आरोप लगाया कि मंत्री के दबाव में नामांकन खारिज किया था। एक और प्रमुख निर्विरोध जीत चिखलदरा नगरपालिका परिषद में सीएम देवेंद्र फडणवीस के चचेरे भाई अल्हड कलोटी की है। अमरावती जिले से कांग्रेस नेता यशोमति ठाकुर ने प्रतिस्पर्धी उम्मीदवारों को नाम वापस लेने के लिए धमकाने और प्रलोभन देने का आरोप लगाया था। श्रम मंत्री आकाश फुंडकर, कपड़ा मंत्री संजय सावकारे, मंत्री अशोक उइके, पूर्व सांसद रामदास तड़स, विधायक मंगेश चव्हाण और विधायक प्रकाश भारसाकले समेत कई मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के रिश्तेदार या तो चुनाव मैदान में हैं या नगर निकायों के पदों के लिए निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

बालाघाट
रविवार 23 नवम्बर 2025

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन

पद्मेश न्यूज शहरनामा

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

वैनगंगा नदी में 70 वर्षीय वृद्ध नदी में फिसला

कड़ाके की ठंड में रात भर नदी किनारे पानी में पड़ा रहा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जाको राखे साईंया मार सके ना कोय कहावत को चरितार्थ करते हुए बीती रात कढ़ाके की ठंड में एक 70 वर्षीय वृद्ध। 12 घन्टे बैनगंगा में पड़ा रहा। बैनगंगा नदी के छोटे पुल के पास शौच के लिए आए यह 70 वर्षीय वृद्ध फिसलने से रात भर नदी किनारे पानी में पड़ा रहा। 22 नवंबर को सुबह इस वृद्ध को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। यह व्रद्ध लेखराम पिता भागवत बिसेन 70 वर्ष शिवा टोला ग्राम लोहारा थाना वारासिवनी निवासी है। जिसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लेखराम बिसेन खेती किसानी करता है। जिसकी दो पत्नी है। बड़ी पत्नी से एक लड़का और एक लड़की है और छोटी पति से भी एक लड़का एक लड़की है। लेखराम की बड़ी पत्नी अपने बच्चों के साथ अपने मायके झालीवाड़ा में अपने माता-पिता की खेती किसी संभालती थी। जिसकी मृत्यु हो चुकी है। जिसका बेटा राम रतन बिसेन 40 वर्ष का है। जो अपने नाना नानी की प्रॉपर्टी की देखरेख कर रहा है। ग्राम लोहरा में लेखराम अपनी छोटी पत्नी मोतन बाई बेटे विनोद बिसेन और बेटी के साथ में रहता है। विनोद बिसेन रायपुर में रहकर काम करता है। बताया गया है कि 21 नवंबर को 4:00 बजे लेखराम ग्राम गर्रा अपनी बहन जवाई रतन बोपचे के घर किसी काम से आया हुआ था। शाम 6 बजे करीब लेखराम शौच के लिए बैनगंगा नदी के छोटे पुल तरफ आया था। तभी अचानक लेखराम नदी के किनारे फिसल कर पानी में चला गया। रात भर लेखराम कड़ाके की ठंड में नदी किनारे पानी में ही पड़ा रहा और उसे याद ही नहीं रहा कि वह कहां पर है। 22 नवंबर को सुबह नदी तरफ आने वाले किसी व्यक्ति की नजर लेखराम पर पड़ी और उसने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलती ही कोतवाली पुलिस भी बैनगंगा नदी पहुंच गई और इस व्रद्ध को नदी से बाहर निकाले। 108 एंबुलेंस से लेखराम को तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया गया जो ठंड से कप कपा रहा था और बोलने की स्थिति में नहीं था। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने लेखराम के बेटे राम रतन बिसेन को खबर दी कि आपका पिता नदी में डूब गया है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती क्या किया गया है। खबर सुनते ही रामरतन बिसेन तुरंत ही अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और अपने पिता की खैर खबर ली। ,12 बजे लेखराम को उनके परिजनों ने जिला अस्पताल परिसर में ही धूप में रखें। इसके बाद उसने कुछ हद तक अपने आप को स्वस्थ महसूस किया।

सीसीएम सदस्य रामदेर् बालाघाट के जंगलों में 25-30 नक्सलियों के साथ सक्रिय!!

एमएमसी जोन में नक्सलियों की तलाश जारी

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एमएमसी जोन् बालाघाट महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में इस वक्त भी नक्सलियों की तलाश जारी है। उधर पुलिस सूत्रों के मुताबिक सीसीएम सदस्य रामदेर अभी भी बालाघाट के जंगलों में अपने 25-30 नक्सलियों के साथ सक्रिय है। छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश सीमा पर सुरक्षाबलों ने 6 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया है, जिनमें बदनाम कमांडर हिडमा और उसकी पत्नी राजे भी शामिल हैं. हिडमा की मौत से नक्सल मूवमेंट पर बड़ा असर माना जा रहा है. हाल ही में हुए सरेंडर, कमजोर होता शीर्ष नेतृत्व और जवानों की कार्रवाई ने नक्सली संगठन को हिला दिया है.वहीं पुलिस के मुताबिक बालाघाट के जंगलों में सीसीएम सदस्य रामदेर् सक्रिय है. और वह 25-30 नक्सलियों के साथ है।

फाईल फोटो

नक्सली हिडमा की मौत से मूवमेंट पर क्या असर होगा

1967 में नक्सलबाड़ी से शुरू हुई सशस्त्र क्रांति अब अपने अंतिम दौर से गुजर रही है. दरअसल, इसी साल CPI (माओवादी) के महासचिव बसवाराजू की मौत के बाद से ही नक्सलियों के बड़े काडर में हलचल मच गई थी. शीर्ष नक्सलियों के आपसी कनेक्शन टूट से गए थे. संगठन को संवारने का मौका भी नहीं मिला. ऐसे में सभी सीसी मेंबर अपने हिसाब से संगठन को चला रहे थे।

हाल ही में दो बड़े नक्सलियों ने किया सरेंडर

बीते महीने पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सीसी मेंबर सोनू दादा सहित 60 नक्सलियों ने सरेंडर किया था. उसके ठीक बाद दूसरे सीसी मेंबर रुपेश ने 210 नक्सलियों के साथ सरेंडर किया था. ऐसे में मूवमेंट पर बड़ा असर हुआ था. वहीं, बाकी सीसी मेंबर ने आपत्ति जताते हुए उन्हें गद्दार घोषित किया था. ऐसे में बाकी शीर्ष नक्सलियों ने साफ कर दिया था कि सरेंडर करने वाले को गद्दार घोषित किया जाएगा. यह भी एक वजह है कि हिडमा ने सरेंडर नहीं किया।

शीर्ष नेतृत्व की कमी से जूझ रहा सगंठन

बड़ी संख्या में शीर्ष नक्सलियों के मारे जाने के बाद और कुछ के सरेंडर करने के बाद नक्सली संगठन शीर्ष नेतृत्व की कमी से जूझ रहा है। दरअसल, बसवाराजू के मारे जाने के बाद से सेंट्रल कमेटी में महासचिव भी नहीं बन पाया है. ऐसे में नक्सल संगठन बेलगाम और कमजोर हो चुका है। अब उनके पास सरेंडर करने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं है. इसलिए धीरे-धीरे नक्सली बड़ी संख्या में सरेंडर कर रहे हैं।

उधर खबर है कि सीसी मेंबर रामदेर अभी भी सक्रिय है

सीसी मेंबर रामदेर मध्य प्रदेश के बालाघाट में महज 25 से 30 नक्सलियों के साथ सक्रिय है. हाल ही में एमएमसी जोन के तीन नक्सली संगठन छोड़ चुके हैं, जिसमें सुनीता और एक महिला नक्सली ने बकरकत्ता में सरेंडर किया है. वहीं, रोहित भी संगठन छोड़ कर चला गया है. इसके अलावा सीसी मेंबर देवा और गणपति के भी आपसी कनेक्शन की खबरें सामने नहीं आ रही है. ऐसे में ज्यादातर नक्सली अब लड़ना नहीं चाहते, वह सरेंडर के मूड में हैं। हिडमा के बारे में आ रही खबरे बताती है कि वह 2002 के आसपास बालाघाट जिले में भी सक्रिय रहा है। हिडमा के मारे जाने के बाद नक्सली मूवमेंट का क्या होगा ये जाानने के लिए बालाघाट एक्सप्रेस ने बालाघाट नक्सल ऑपरेशन के एडिशनल एसपी आदर्शकांत शुक्ला से बातचीत की. उन्होंने बताया कि हिडमा हथियार पसंद नक्सली था. उसकी मौत से मार्च 2026 की डेडलाइन को हासिल करने में मदद मिलेगी. वहीं, नक्सल मूवमेंट पर बड़ा डेंट भी बढ़ेगा. ये एक बड़ी सफलता है. ऐसे में बाकि सीसी मेंबर सोचने पर मजबूर होंगे कि उन्हें सरेंडर कर लेना चाहिए, नहीं तो किसी न किसी ऑपरेशन में उन्हें अपनी जान गवानी पड़ेगी।

सरेंडर करें पॉलिसी का लाभ लें

बालाघाट नक्सल ऑपरेशन के एडिशनल एसपी आदर्श कांत शुक्ला ने बताया कि हिडमा की मौत के बाद सरेंडर की संभावना बढ़ गई है. हाल ही में सुनीता ने सरेंडर किया था. ऐसे में उन्हें सरेंडर कर सरकार की सरेंडर पॉलिसी का फायदा मिलेगा. वहीं, सरकार भी मुख्यधारा में लौटने में मदद करेगी।

एम एम सी जोन में संयुक्त ऑपरेशन जारी

मिली जानकारी के मुताबिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार एमएमसी जोन में संयुक्त रूप से अभी भी ऑपरेशन चला रही है. ऐसे में रामदेर और उसके 25 से 30 साथियों के सरेंडर न करने पर उन्हें भी खामियाजा भूगतना पड़ सकता है।

एक ही रात में कई दुकानों और मकानों में हुई चोरी की वारदातें

कोतवाली क्षेत्र में फिर चोर सक्रिय, भटेरा और बूढ़ी इलाके में एक ही रात में कई मकान व दुकानों के ताले टूटे, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के भटेरा और बूढी के कुछ वार्डों में बीती रात अज्ञात चोरों ने चार से पाँच सूने मकानों के ताले तोड़कर कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। स्थानीय निवासियों के अनुसार चोरों ने उन घरों को खासतौर पर निशाना बनाया, जिनके परिवारजन किसी निजी कार्यक्रम, रिश्तेदारों या अन्य कार्य से शहर से बाहर गए हुए थे और मकान कई दिनों से बंद था। चोरी के बाद जब मकान मालिक घर लौटे तो टूटे हुए ताले और बिखरा सामान देख दंग रह गए। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी तुरंत हरकत में आई और टीम मौके पर पहुँचकर मुआयना किया। पुलिस द्वारा आसपास के घरों और गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे है, जिससे चोरों के बारे में सुराग मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि चोर गिरोह की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है तथा शक के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

21 और 22 नवंबर की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने फिर से चोरी को अंजाम दिया। भटेरा और बूढ़ी क्षेत्र में एक ही रात में अज्ञात चोर गिरोह ने अलग-अलग वार्डों में घूम-घूमकर 4 से 5 सूने मकानों और कुछ दुकानों के ताले तोड़ दिए। मकान मालिक और दुकानदार जब सुबह लौटे तो अंदर सामान फैला हुआ था और अलमारी व पेटियां टूटी मिलीं। चोर गिरोह द्वारा नगदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ किया गया है। पीड़ितों ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज गहराई से खंगाल रही है ताकि चोर गिरोह की पहचान हो सके। साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है और आसपास के संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार चोरों ने वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया है। घर और दुकानें उन्हीं को चुना गया जिनके सदस्य बाहर गए हुए थे और लंबे समय से मकान बंद था। इससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि चोर गिरोह पहले से मकानों की रेकी करता रहा होगा। भटेरा और बूढ़ी क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि निचले इलाकों में देर रात पुलिस पेट्रोलिंग बहुत कम होती है। वार्डवासियों ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि रात्रिकालीन पेट्रोलिंग को मजबूत किया जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष चौकसी रखी जाए ताकि ऐसे आपराधिक तत्वों के हौसले पस्त हों।

इन घरों और दुकानों में हुई चोरी की वारदातें

चोरी की वारदातों में भटेरा और बूढ़ी क्षेत्र के कुछ घर तथा दुकानों को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। जिसमे बूढ़ी वार्ड क्रमांक 1 में पवन कटारिया के घर में चोरी हुई। घटना के समय पवन कटारिया अपने घर पर नहीं थे, जबकि उनके बड़े भाई सेकंड फ्लोर पर रहते हैं। सुबह जब उनके बड़े भाई नीचे उतरे तो मुख्य दरवाज़े का ताला टूटा हुआ मिला। घर से टीवी सहित अन्य सामान गायब था। परिवार द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। विजेंद्र कटारिया ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि घर से अधिक नकदी चोरी नहीं हुई है, लेकिन कई घरेलू सामान गायब हैं। उनके अनुसार चोरी सुबह के समय की गई होगी। रजा नगर वार्ड क्रमांक 10 निवासी अयस कुरैशी ने बताया कि उनके माता-पिता पिछले कुछ दिनों से शहर से बाहर परिजनों के घर गए हुए थे। वे स्वयं भी 21 नवंबर की शाम अपने छोटे भाई अजीज बाग के साथ बाहर चले गए थे। सुबह उनका छोटा भाई घर लौटा तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर से 10,000 रुपये नकद और लगभग 6,000 रुपये मूल्य का मोबाइल फोन चोरी हो गया। अयस कुरैशी के अनुसार उनके घर के अलावा वार्ड में अन्य दो सूने मकानों के ताले भी उसी रात तोड़े गए हैं । वार्ड क्रमांक 10 में निवासी अशफाक खान के गोदाम को भी चोरों ने निशाना बनाया। गोदाम में कूलर बनाने की सामग्री रखी थी जिसमें मोटर, पाइप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल था। 21 नवंबर की सुबह जब उन्होंने गोदाम खोला तो ताला टूटा हुआ मिला और अंदर रखा कुछ सामान गायब था। अशफाक खान के पड़ोसियों ने बताया कि 20 नवंबर की रात भी गोदाम के पास कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए थे और उन्हें आवाज दी गई थी, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आशंका है कि इन्हीं संदिग्ध लोगों ने अगले दिन रात में ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल चोरी हुए सामान की कुल अनुमानित कीमत का आंकलन किया जा रहा है।

चार से पाँच घरों में चोरी की पुष्टि

चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस द्वारा अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि शहर में कुल कितने स्थानों से चोरी की आधिकारिक शिकायत दर्ज हुई है। हालांकि भटेरा और बूढ़ी के कुछ वार्डों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक चार से पाँच मकानों में चोरी की वारदात होने की पुष्टि हुई है। इसी बीच यह जानकारी भी सामने आई है कि कुछ घरों के मालिक अभी शहर से बाहर हैं और उनके मकान बंद पड़े हैं। रजा नगर क्षेत्र में ऐसे ही एक सूने घर का ताला टूटा पाया गया, जहाँ से सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने की बात सामने आई है। कुछ मकानों के मालिक अभी भी बाहर हैं, इसलिए संभावना जताई जा रही है कि चोरी की घटनाओं की संख्या और बढ़ सकती है।

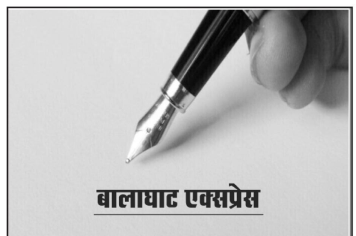

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट